सच के हक में...

दफोटोनन्यूज Published from Ranchi

Alia Bhatt Looks Stressed...

E-Paper : epaper.thephotonnews.com

Ranchi ● Tuesday, 17 December 2024 ● Year : 02 ● Issue : 324 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com १५० वर्ष का हो गया भारत मौसम विभाग

मुख्य अतिथि के रूप में गवर्नर संतोष कुमार गंगवार ने कार्यक्रम

में लिया भाग **PHOTON NEWS RANCHI:**

सोमवार को भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के 150वें वर्ष के अवसर पर रांची स्मार्ट सिटी ऑडिटोरियम में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार बतौर मुख्य अतिथि शॉमिल हुए। कार्यक्रम का उद्घाटन राज्यपाल के साथ स्वास्थ विभाग के प्रधान सचिव अजय कुमार सिंह और आपदा प्रबंधन विभाग के सचिव राजेश कुमार शर्मा, महानिदेशक आईएमडी मृत्युंजय महापात्र, वरिष्ठ वैज्ञानिक बाबूलॉल, मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने दीप प्रज्वलित कर किया। मौके पर राज्यपाल और विशिष्ट अतिथियों ने झारखंड मौसम दर्पण और रांची स्मार्ट सिटी ऑडिटोरियम में हुआ विशेष कार्यक्रम का आयोजन झारखंड मौसम दर्पण और मानसून रिपोर्ट झारखंड-2024 का लोकार्पण



बढ़ेगी मौसम विभाग की तकनीक और गुणवत्ता : राज्यपाल

राज्यपाल ने आईएमडी की 150वीं वर्षगांठ पर सभी को बधाई दी। कहा कि देश को जलवायु परिवर्तन से अवगत कराने में आपकी बड़ी भूमिका है। पूरा देश इसका लाभ उठा रहा है। आपदा प्रबंधन, जलवाय परिवर्तन, कृषि और समुद्र में काम करने वाले सेना, वायु सेना

PHOTON NEWS RANCHI: सोमवार को झारखंड स्टाफ

सेलेक्शन कमीशन (जेएसएससी)

ऑफिस का घेराव करने जा रहे

सीजीएल परीक्षा के अभ्यर्थियों के

साथ पुलिस की भिड़ंत हो गई।

प्रदर्शन और हंगामा कर रहे सैकड़ो

अभ्यर्थियों पर पुलिस ने जमकर

लाठीचार्ज किया। इसमें कई छात्र

जख्मी हो गए। कुछ देर के लिए

रणभिम में तब्दील नामकम बाजार

में आंदोलनरत छात्र और पलिस के

बीच जमकर टकराव होता रहा।

इस दौरान छात्र नेता देवेंद्र महतो

एवं कुछ अन्य छात्रों पर पुलिस ने

बीच सड़क पर जमकर लाठी

भांजी और घसीटते हुए गाडी में

बिठाकर थाना ले गई। पूर्व घोषित

कार्यक्रम के अनसार छात्र दिन के

करीब 12 बजे नामकुम बाजार

स्थित मैदान पहुंचे, जिसकी भनक

प्रशासन को मिली और उसके बाद

जिलों से झारखंड कर्मचारी चयन

आयोग कार्यालय घेराव करने

पहुंचे परीक्षार्थियों को पुलिस ने

जबरन यहां से हटाया। एडीएम लॉ

एंड ऑर्डर ने इस कार्रवाई की

कमान खद संभाल रखा थी। साथ

ही ग्रामीण एसपी के नेतृत्व में बड़ी

संख्या में पलिस के जवानों की

तैनाती की गई थी। बता दें कि

जेएसएससी कार्यालय पहुंचने वाले

लगभग हर रास्ते में बैरिकैडिंग थी।

का

इतना ही नहीं राज्य के विभिन्न

कार्रवाई का दौर शुरू हो गया।

के लिए आप प्रेरणास्रोत है। रांची स्थित मौसम विज्ञान केंद्र ने राज्य को सटीक मौसम जानकारी देने का काम किया है। झारखंड में प्री मानसून, पोस्ट मानसून, मानसून ओर शीत ऋतु में कई घटनाएं होती है। इसकी पूर्व जॉनकारी मिलने से लोगों को आपदा से बजने में सहयोग

मिलता है। पिछले दशक की तुलना में अभी मौसम विभाग की सटीकता बढ़ गई है। मौसम विभाग रांची के अधिकारी और कर्मचारी २४ घंटे पूर्व मौसम की जानकारी साझा कर रहे है। हमें विश्वास है कि आने वाले वर्षों में मौसम विभाग की तकनीक और गुणवत्ता और बढ़ेगी।

जयराम की बढ़ेगी मुश्किल चुनाव आयोग ने विदेशी फंडिंग की जांच के दिए आदेश

RANCHI: अपने बयानों से चर्चा में

रहने वाले जेएलकेएम नेता और डुमरी विधायक जयराम महतो की परेशानी बढ़ सकती है। चुनाव आयोग ने विदेशी फंडिंग मामले में जयराम की पार्टी के खिलाफ जांच के आदेश दिए हैं। पश्चिम बंगाल निवासी राहुल बनर्जी ने ईमेल भेज कर शिकायत की है कि विधानसभा चुनाव के दौरान जयराम महतो की पार्टी जेएलकेएम ने विदेशी फंडिंग ली है। इस ईमेल के साथ शिकायतकर्ता ने कुछ दस्तावेज भी साझा किए हैं, जिनमें लोगों की लिस्ट जारी की गई हैं और उसके साथ कितने पैसे लिए गए हैं, यह बताया गया है। इस लिस्ट के हिसाब से साउदी अरब में रह रहे लोगों ने पैसे भेजे हैं। चुनाव के दौरान जयराम महतो द्वारा जारी किया गाया क्यूआर कोड भी इसमें लगाया गया है।

न्यायाधीश जस्टिस अनिल कुमार चौधरी की अदालत में हुई बहस

सीएम हेमंत सोरेन को हाईकोर्ट से राहत बरकरार, 16 जनवरी को अगली सुनवाई

PHOTON NEWS RANCHI:

सोमवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की याचिका पर हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस अनिल कुमार चौधरी की अदालत में सुनवाई हुई। हेमंत को हाईकोर्ट से मिली राहत अगली सुनवाई तक बरकरार रहेगी। सीएम हेमंत सोरेन की ओर से अधिवक्ता पीयुष चित्रेश, दीपांकर रॉय और श्रेय मिश्रा ने बहस की। अगली सनवाई तक ईडी को काउंटर एफेडेविट दायर करने का निर्देश हाईकोर्ट ने दिया है। अब अदालत इस मामले में 16 जनवरी को सनवाई करेगी। हाईकोर्ट ने पिछली सनवाई के

• ईडी ने दायर किया था • एमपी-एमएलए कोर्ट के आदेश को दी

 हेमत को भेजे गए 10 समन, दो में ही हुए थे उपस्थित

रांची एमपी-एमएलए की विशेष अदालत के उस आदेश पर रोक लगा दी थी, जिसमें मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) द्वारा दर्ज शिकायत वाद (कंप्लेन केस) में व्यक्तिगत

पेशी से छूट के लिए दायर याचिका

NEW DELHI @ PTI

सोमवार को राज्यसभा में

संविधान पर चर्चा के दौरान वित्त

मंत्री निर्मला सीतारमण और

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन

खडगे के बीच जमकर बहस

हुई। वित्त मंत्री ने कहा- कांग्रेस

पार्टी परिवार और वंशवाद की

मदद करने के लिए बेशर्मी से

संविधान में संशोधन करती रही।

देश के पहले प्रधानमंत्री

जवाहरलाल नेहरू ने स्वार्थ के

लिए पहला संविधान संशोधन

किया था। इस पर खडगे ने कहा.

'जो लोग तिरंगा, अशोक चक्र

और संविधान से नफरत करते

थे, वे आज शिक्षा दे रहे हैं। जब

संविधान बना, तो इन लोगों ने

इसे जला दिया था। जिस दिन

संविधान अपनाया गया था,

इन्होंने रामलीला मैदान दिल्ली में

जवाहरलाल नेहरू, महात्मा

गांधी के पुतले जलाए थे।

आरएसएस के नेता संविधान का

बाबासाहेब

राज्यसभा में संविधान

पर चर्चा के दौरान निर्मला

व खडगे में जमकर बहस

रांची एमपी एमएलए की विशेष कोर्ट ने खारिज कर दी थी और उन्हें कोर्ट के समक्ष उपस्थित होने का निर्देश दिया था। एमपी-एमएलए कोर्ट के आदेश के खिलाफ सीएम ने हाईकोर्ट का

• सीतारमण बोलीं– स्वार्थ के

लिए नेहरू ने किया था

पहला संविधान संशोधन

जो लोग इमरजेंसी के समय

भेजे गए थे जेल, आज वे

खड़े हैं आपके साथ

• खडगे बोले- 'जो लोग

वे आज दे रहे शिक्षा

आप जेएनयू से पढीं, मैं

म्यूनिसिपल स्कूल से,

तिरंगा, अशोक चक्र और

संविधान से नफरत करते थे

आपकी हिंदी-अंग्रेजी अच्छी,

है।' खड़गे ने कहा, 'वित्त मंत्री

विश्वविद्यालय (जेएनय) से

ग्रेजुएट हैं। मैंने म्युनिसिपल

स्कूल से पढ़ाई की है, लेकिन

संविधान हमने भी थोड़ा-बहुत

पढा है। निर्मला जी की अंग्रेजी

जवाहरलाल

सीतारमण

: 81,748.57 निफ्टी : 24,668.25

मॉनसून रिपोर्ट झारखंड-2024 का

लोकार्पेण किया। साथ ही आईएमडी

का थीम सॉन्ग को लॉन्च किया गया।

चांदी 100.00

BRIEF NEWS

मैद्रिक-इंटरमीडिएट परीक्षा 11 फरवरी से होगी शुरू

RANCHI: झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) द्वारा आयोजित मैट्रिक व इंटरमीडिएट की परीक्षा 11 फरवरी 2025 से शुरू हो रही है। परीक्षा को लेकर टाइम टेबल जारी कर दिया गया है। जैक सचिव ने बताया कि परीक्षा की पूरी तैयारी कर ली गई है। यह परीक्षा तीन मार्च तक चलेगी। परीक्षा में कुल छह लाख परीक्षार्थी शामिल हो रहे हैं।

विस्तृत खबर पेज ०३ पर।

संभल के मंदिर परिसर में खोदाई, मिलीं खंडित मुर्तियां

SAMBHAL: उत्तर प्रदेश के संभल जिले में मिले प्राचीन शिव मंदिर परिसर में मौजूद कुएं की करीब 20 फुट तक खोदाई की गई। इस दौरान तीन खंडित मूर्तियां मिली हैं। ये मूर्तियां मां पार्वती, भगवान गणेश और कार्तिकेयं की हैं। जिला प्रशासन अब एं की खादाइ का जिम्मदारा भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को देने की तैयारी में है। फिलहाल कुएं को जाल से ढक दिया गया है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीश चंद्र ने सोमवार को पत्रकारों को बताया कि शिव मंदिर के बगल में एक कुआं मिला है, जिसकी करीब 20 फुट तक खोदाई की जा चुकी है। खोदाई के दौरान कुएं में तीन खंडित मूर्तियां मिली हैं।

बालोद में दर्दनाक हादसा 6 लोगों की चली गई जान

BALOD: सोमवार को छत्तीसगढ़ के बालोद जिले के भानुप्रतापपुर-दल्लीराजहरा मार्ग पर भीषण सडक हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई। वहीं 7 अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। मरने वालों में एक बच्चा, ४ महिलाएं और एक पुरुष शामिल हैं। तेज रफ्तार ट्रक ने कार को टक्कर मारी है। मामला डौंडी थाना क्षेत्र के चौरापावड़ के पास का है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) अशोक जोशी के मताबिक घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से राजनांदगांव मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया।

जेएसएससी ऑफिस घेरने जा रहे अभ्यर्थियों को पुलिस ने रोका

रणभमि बना नामकुम बाजार छात्रों पर बरसाई गईं लाढियां

देवेंद्र महतो व अन्य को घसीटते हुए गाड़ी में बिठाकर थाना ले गई पुलिस



का रिजल्ट रद्द करने की मांग कर रहे अभ्यर्थी

• आंदोलनरत छात्रों और पुलिस के बीच होता रहा जमकर टकराव

• छात्रों में जबरदस्त नाराजगी, आंदोलन तेज करने की दी धमकी जगह-जगह <u>बैरिकैडिंग कर</u> प्रशासन और पुलिस की टीम ने आंदोलन करने वालों को खदेड़ा

पहले से ही जेएसएससी ऑफिस को पुलिस छावनी में कर दिया गया था तब्दील

ग्रामीण एसपी के नेतृत्व में बड़ी संख्या में तैनात किए गए थे पुलिस के जवान

दो शिफ्टों में ४४० सफल अभ्यर्थियों का आयोग के कार्यालय में किया गया डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन

छात्रों ने लगाया आरोप, पुलिस और प्रशासन ने की ज्यादती

नाराजगी जताते हुए छात्रों ने आंदोलन तेज करने की धमकी दी है। हजारीबाग से आए छात्र नेता मनोज कहते हैं कि जिस जगह पर छात्र एकत्रित हए थे. वह निषेधाज्ञा नहीं लागू नहीं की गई था। प्रशासन द्वारा जबरन छात्रों को हटाया गया और कुछ छात्रों को घसीटते हुए पुलिस की गाड़ी में बिठाया गया। पुलिस लाठीचार्ज के कारण से कई छात्र गंभीर रूप से घायल हुए हैं। छात्र नेता देवेंद्र महतो को जिस तरह से पुलिस के द्वारा पीटा गया है, उससे साफ लगता है कि प्रशासन किस तरह से ज्यादती कर रही है। छात्र जीतू कुमार कहते हैं कि इस परीक्षा में जिस तरह से गड़बड़ी हुई है और जबरन सरकार के पदाधिकारी इसे थोपना चाहते हैं वह कभी बर्दाश्त नहीं

पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई पर



किया जाएगा। छात्रों का आंदोलन कम होने के बजाय और आगे बढ़ेगा। नामकुम स्थित जेएसएससी कार्यालय में सीजीएल परीक्षा का विरोध करने पहुंचे छात्रों को जगह-जगह पर रोका गया। कुछ छात्र कार्यालय पहुंचने की कोशिश करते रहे।

विरोध इसलिए करते हैं क्योंकि और हिंदी अच्छी होगी, लेकिन यह मनुस्मृति पर आधारित नहीं उनके कर्म अच्छे नहीं हैं। फिलिस्तीन सपोर्ट वाला बैग लेकर संसद पहुंचीं प्रियंका

अंबेडकर,

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी सोमवार को संसद में फिलिस्तीन के समर्थन वाला एक बैग लेकर पहुंची। इस पर लिखा है- 'फिलिस्तीन आजाद होगा।' हैंड बैग पर शांति का प्रतीक सफेद कबूतर और तरबूज भी बना था। इसे फिलिस्तीनी एकजुटता का प्रतीक माना जाता है। इससे पहले जून 2024 में भी प्रियंका ने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहु की आलोचना की थी। तब प्रियंका की टिप्पणी नेतन्याहू के अमेरिकी कांग्रेस को दिए भाषण में

गाजा में चल रहे युद्ध का बचाव करने के बाद आई थी। तब उन्होंने कहा था कि गाजा में इजराइल सरकार ने क्रूरतापूर्वक नरसंहार किया है। प्रियंका ने लिखा था- सही सोच रखने वाले हर व्यक्ति और दुनिया की हर सरकार की यह नैतिक जिम्मेदारी है कि वे इजराइल सरकार के नरसंहार की निंदा करें और उन्हें रोकने के लिए मजबूर करें। जब प्रियंका से बैग के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा– मैं इस बारे में कई बार बता चुकी हैं कि मेरे विचार क्या हैं।

जोरदार होगा आंदोलन, इसके लिए सरकार ही जिम्मेदार



पदर्शन कर रहे छात्रों का साफ कहना है कि शांतिपूर्वक आंदोलन करना भी पुलिस को रास नहीं आ रहा है। कहा कि लोकतंत्र में अपनी बात कहना और रखने का सभी को हक है, लेकिन हमसब के साथ बर्बरतापूरण रवैया सरकार अपना रही है। साथ ही सरकार को प्रशासन को चेताते हुए कहा कि यदि हमारे नेता देवेंद्र महतो को पुलिस ने जल्द ही नहीं छोड़ा तो पूरा झारखंड जलेगा, जोरदार

आंदोलन होगा और इसके लिए सरकार ही जिम्मेवार होगी। गौरतलब है कि झारखंड कर्मचारी चयन आयोग के द्वारा काफी जदोजहद के बाद बीते 21 और 22 सितंबर को राज्य भर में सीजीएल परीक्षा 2023 आयोजित किया गया था, जिसमें प्रश्न पत्र लीक होने के साथ-साथ कई तरह की गड़बड़ियां होने का आरोप लगाते हुए इस परीक्षा को रद्द करने की मांग छात्र कर रहे हैं।

जच्चा-बच्चा दोनों में गंभीर बीमारियां पैदा होने की आशंका सेहत पर खतरा

उम्मीदवारों

किया गया।

खराब खाद्य पदार्थों ने मां के दूध को भी किया दूषित

वास्तव में मां के दूध की शुद्धता के कारण ही उसे अमृत तुल्य माना जाता है। स्तनपान को बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास का मूलभूत आधार कहा जाता है। लेकिन, बिहार की राजधानी पटना स्थित महावीर कैंसर संस्थान के नवीनतम शोध ने कान खड़े कर दिए हैं। शोध में यह पाया गया है कि बिहार के 6 जिलों में महिलाओं के दूध में सीसे की उच्च मात्रा मौजूद है। महिलाओं के दूध के माध्यम से सीसे की विषाक्तता बच्चों के मानसिक विकास के लिए एक बड़ा खतरा है। इससे अन्य गंभीर स्वास्थ्य जटिलताएं हो सकती हैं। दूसरी ओर संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) और अमेरिका स्थित पर्यावरण स्वास्थ्य संस्था प्योर अर्थ की 2020 की रिपोर्ट के अनुसार भारत में करीब 27 करोड़ 55 लाख बच्चों के रक्त में सीसे का स्तर मानक से अधिक है। सीसा विषाक्तता ने मानव आबादी में गंभीर स्वास्थ्य खतरे पैदा कर दिए हैं। संस्थान के 12 वैज्ञानिकों ने मां के दूध में सीसे की मौजूदगी पर गंभीर शोध किया है।

महावीर कैंसर संस्थान के नवीनतम शोध में तथ्यों का हुआ खुलासा शरीर को कई अन्य जटिल बीमारियों का करना पड़ सकता है सामना

संस्थान के 12 वैज्ञानिकों ने कई पहलुओं का किया <u>गंभीर विश्लेषण, माता के दूध में उच्च मात्रा में सीसे</u> की मौजूदगी ने बढ़ाया संकट

सीसे की विषाक्तता बच्चों के मानसिक विकास में उत्पन्न 🗕 बच्चों की बुद्धि, व्यवहार और सीखने की क्षमताओं पर पड़ता

सीसा विषाक्तता के संपर्क में आ चुके हैं दुनिया के तकरीबन <u>815 मिलियन लोग, मानव आबादी के लिए गंभीर खतरे पैदा</u> <u>होने के बन गए हैं हालात</u>



भारत में लगभग 27 करोड़ ५५ लाख बच्चों का स्वास्थ्य सीसे से प्रभावित

327 महिलाओं के जैविक नमुने किए गए थे एकत्र

हाई लेड कंटेमिनेशन इन मदर्स ब्रेस्टमिल्क इन बिहा : हेल्थ रिस्क एसेसमेंट आफ द फीडिंग चिल्ड्रेन वेषय पर शोध 'केमोस्फीयर' पत्रिका में प्रकाशित हुआ है। शोधकर्ताओं ने समस्तीपुर, बेगूसराय खगड़िया, दरभंगा, मुंगेर और नालंदा जिलों की <u>1</u> से 40 वर्ष की आयु की 327 महिलाओं के जैविक नमूने एकत्र किए थे। इसके साथ सीसे के स्तर क कलन करने के लिए हैंडपंप का पानी, गेहूं, चावत और आलू सहित खाद्य पदार्थों के नमूने लिए गए थे जांच के दौरान इनमें से 87 प्रतिशत माताओं के रत्त में सीसा मिला. जिसका अधिकतम मान ६७७ २ माइक्रोग्राम प्रति लीटर था।

भारतीय सशस्त्र बलों ने १९७१ के युद्ध में पाक पर जीत का मनाया जश्न

NEW DELHI : सोमवार को कोलकाता के फोर्ट विलियम में 1971 के युद्ध में पाकिस्तान पर भारतीय सशस्त्र बलों की निर्णायक जीत का प्रतीक 'विजय दिवस' का मुख्य कार्यक्रम हुआ। इसके अलावा नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान और सेना प्रमुखों ने 1971 के युद्ध के शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि देकर उनके बलिदान को सलाम किया। यह एक ऐसी जीत थी, जिसने भारत के सैन्य इतिहास को नया आकार देने के साथ ही नए राष्ट्र बांग्लादेश को जन्म दिया। केवल १३ दिनों में भारतीय सशस्त्र बलों ने रणनीतिक प्रतिभा और असाधारण बहादुरी से 93 हजार से अधिक पाकिस्तानी सैनिकों को पूरी तरह से परास्त करके अब तक का सबसे बड़ा सैन्य आत्मसमर्पण कराया। यह तिथि भारत की अपने मित्रों देशों के प्रति प्रतिबद्धता और अपने दुश्मनों के लिए एक दृढ़ चेतावनी के रूप में कार्य करती है।

एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं भारत श्रीलंका के सुरक्षा हित : पीएम

दिसानायके के साथ प्रधानमंत्री का संयुक्त प्रेस वक्तव्य

सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत और श्रीलंका के

सुरक्षा हित एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि रक्षा सहयोग समझौते को जल्द ही अंतिम रूप दिया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने हैदराबाद हाउस में श्रीलंका के राष्ट्रपति दिसानायके के साथ संयुक्त प्रेस वक्तव्य में कहा कि हम इस बात से पूरी तरह सहमत हैं कि हमारे सुरक्षा हित आपस में जुड़े हुए हैं। हमने रक्षा सहयोग समझौते को जल्द ही अंतिम रूप देने का फैसला किया है। हाइड्रोग्राफी पर सहयोग पर भी सहमति बनी है। पीएम ने कहा कि हमने मछुआरों की आजीविका से जुड़े मुद्दों पर भी



• मानवीय दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ेंगे दोनों देश

 तिमलों की आकांक्षाओं को पूरा करेगी श्रीलंका सरकार

चर्चा की। हम इस बात पर सहमत हुए कि हमें इस मामले में मानवीय दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ना

O BRIEF NEWS झामुमो के वरिष्ठ नेता विजय कुमार सिंह का निधन मुख्यमंत्री ने जताया शोक

DUMKA: झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के वरिष्ठ नेता विजय कुमार सिंह का लंबी बीमारी के बाद सोमवार सुबह दुमका के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। वह 78 वर्ष के थे। पेशे से वकील सिंह झामुमो की केंद्रीय समिति के महासचिव और संथाल परगना प्रमंडल में पार्टी के मुख्य संयोजक थे। दुमका के कुम्हारपाड़ा स्थित सिंह के आवास पर पार्थिव शरीर ले जाए जाने के बाद बड़ी संख्या में लोगों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा, आदरणीय बाबा के आंदोलन के साथी, वरिष्ठ अधिवक्ता, झामुमो परिवार के स्तंभ और मेरे अभिभावक विजय सिंह जी के निधन की खबर सुनकर मुझे गहरा दुख हुआ। उन्होंने कहा, सौम्य और सरल स्वभाव के विजय जी ने अपना परा जीवन झाममो परिवार और दुमका की जनता की सेवा में समर्पित कर दिया था। उनका जाना मेरे लिए व्यक्तिगत क्षति है। मरांग बुरु दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और शोकाकुल परिवार को इस दुख की घड़ी को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। पूरा झामुमो परिवार इस दुख की घड़ी में शोकाकुल परिवार के साथ खडा है।

अग्रवाल सम्मेलन के अध्यक्ष का विवाद सुलझाने का आग्रह JAMSHEDPUR : पूर्वी सिंहभूम जिला अग्रवाल सम्मेलन में अध्यक्ष के चुनाव पर विवाद हो रहा है। इसके लिए अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के आजीवन सदस्य धर्म चंद्र पोद्दार ने सभी संस्थाओं से आग्रह किया है कि मारवाड़ी समाज की सभी संस्थाएं इसकी पहल करें, तो यह विवाद पैतृक संस्था मारवाड़ी सम्मेलन के जिला अध्यक्ष मुकेश मित्तल सुलझा सकते हैं। ज्ञात हो कि स्थानीय स्तर की पूर्व कमेटी ने अभिषेक अग्रवाल गोल्डी को अध्यक्ष चुना है, जबिक संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सुशील अग्रवाल को अध्यक्ष मनोनीत किया है।

लापता युवक का शव कुएं से बरामद

KODARMA: जिले के जयनगर थाना क्षेत्र के नईटांड से पांच दिन से लापता युवक का शव नईटांड़ के एक कुएं से देर शाम सोमवार को बरामद किया गया। शव की पहचान मुन्ना कुमार साव (23) के रुप में की गयी है। वह राजकुमार साव का पुत्र था। वह जगयनगर थाना क्षेत्र के नईटांड गांव का रहने वाला था। मिली जानकारी के अनुसार मृतक का चाची ने घर से लगभग 500 फीट की दूरी पर एक कुएं में मुन्ना का शव को देखी । इसके बाद चाची के शोर मचाने पर ग्रामीणों की भीड़ इकट्ठा हो गई, जिसके बाद स्थानीय लोगों ने शव को बाहर निकाला । मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पडताल कर शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल कोडरमा भेज दिया। उल्लेखनीय है कि मुन्ना साव 11 दिसंबर से ही लापता था, जिसे लेकर मुन्ना की मां चमेली देवी, पति राजकुमार साव ने 11 दिसंबर को जयनगर थाना मे अपने पुत्र मुन्ना साव की गुमशुदगी को लेकर सन्हा भी दर्ज कराया था।

2 करोड़ की लागत से बन रहे विद्यालय में घटिया सामग्री के इस्तेमाल का आरोप

झामुमो नेताओं ने बंद कराया स्कूल भवन का निर्माण कार्य

पश्चिमी सिंहभम जिले के बंदगांव प्रखंड में कराइकेला प्लस ट उच्च विद्यालय का भवन बन रहा है। इसमें घटिया सामग्री का इस्तेमाल किए जाने का आरोप लगाते हुए झाममो नेताओं ने निर्माण कार्य बंद करा दिया। विधायक प्रतिनिधि मिथुन गागराई के नेतृत्व में पहुंचे झामुमो कार्यकताओं ने बताया कि विधायक सुखराम उरांव ने ग्रामीणों की मांग व छात्रों की समस्या को देखते हुए कराईकेला प्लस टू उच्च विद्यालय भवन के लिए लगभग 2 करोड़ की लागत से 17 कमरों का शिलान्यास किया था। शिलान्यास के समय ही विधायक सुखराम उरांव ने ठेकेदार को कहा था कि भवन निर्माण में गुणवत्ता से समझौता नहीं करेंगे। इसके बावजूद ठेकेदार द्वारा भवन निर्माण कार्य में



निर्माण कार्य स्थल का निरीक्षण करते झामुमो नेता।

घटिया काली ईंट का प्रयोग किया जा रहा है। इसकी जानकारी विधायक सुखराम उरांव को मिलने के पश्चात उन्होंने ठेकेदार को फटकार लगाई। इसके बाद अपने प्रतिनिधि मिथुन गागराई को स्थल निरीक्षण करने का निर्देश दिया। इसके पश्चात मिथन गागराई, कराइकेला की मखिया गीता बानरा, झामुमो के प्रेस प्रवक्ता दिनेश जेना, महेश साह,

अरुप चटर्जी, बाबुराम बानरा, आनंद बिहारी साहु आदि ने स्कूल भवन का निरीक्षण किया, तो पाया कि भवन का निर्माण कार्य बहुत ही घटिया स्तर से किया जा रहा है। उन्होंने ठेकेदार को तुरंत काम बंद करने को कहा। मिथुन गागराई ने कहा कि ठेकेदार को पर्व में भी चेतावनी दी गई थी कि कार्य को बढिया ढंग से करें। बच्चों

116 शिव भक्तों का जत्था पाकिस्तान के लिए खाना

JAMSHEDPUR : 116 शिव भक्तों का जत्था सोमवार को रांची से पाकिस्तान रवाना हुए, जो वहां श्री कटासराज महादेव सहित अन्य धार्मिक स्थलों का दर्शन करेंगे। श्री शिव शक्ति परिवार के प्रधान कैलाशी विजय कु शर्मा के नेतृत्व में ट्रेन से अमृतसर के लिए हर-हर महादेव..., बम-बम भोले... का उद्घोष करते हुए प्रस्थान किया। इसमें टाटानगर से 20 यात्री शामिल हैं। यह जत्था 19 दिसंबर को अटारी से वाघा बॉर्डर होते हुए बस से लाहौर के लिए रवाना होगा, जहां विश्राम की व्यवस्था की गई हैं। पाकिस्तान में श्री कटासराज महादेव अमृतकुंड स्नान, श्री राधाकृष्ण मंदिर दर्शन, श्री वाल्मीकि मंदिर दर्शन, महाभारत कालीन अन्य मंदिरों आदि के दर्शन प्रस्तावित हैं। वहां आचार्य मदन गोपाल शुक्ला, महंत केशव दास त्यागी व झारखंड के आचार्य दिवाकर

कार्य में कोई समझौता नहीं होगा : विधायक

कराइकेला प्लस ट् उच्च विद्यालय में 2 करोड़ से बन रहा भवन का निर्माण कार्य के संबंध में विधायक सुखराम उरांव ने कहा कि भवन नेर्माण कार्य में कोई समझौता नहीं किया जाएगा। जरूरत पडी तो ठेकेदार पर कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी ।उन्होंने कहा कि भवन में लाल ईट का उपयोग करना है। सीमेंट एवं अन्य कार्य भी गुणवत्तापुर्ण होनी चाहिए। अन्यथा ठेकेदार को ब्लैकलिस्ट किया जाएगा। मालूम रहे की कराइकेल उच्च विद्यालय में भवन की कमी के कारण इंटर में छात्रों का एडमिशन नहीं हो पा रहा था।

की जिंदगी से कोई खिलवाड न करें। इसके बावजूद ठेकेदार मनमानी कर रहा है। उन्होंने कहा कि विधायक को यहां की सारी जानकारी दे दी गई है।

PHOTON NEWS DUMKA:

जिले के काठीकुंड प्रखंड में

कार्यरत दो पंचायत सचिव के साथ

मारपीट का मामला अब तल

पकड़ने लगा है। मामले में कड़ी

कार्रवाई की मांग को लेकर रविवार

को पंचायत सचिव और जनसेवक

संघ के सदस्यों ने एक बैठक की।

जिसमें चरणबद्ध आंदोलन की

रूपरेखा तैयार की गई। रविवार को

दुमका के आउटडोर स्टेडियम में

पंचायत सचिव और जन सेवक

संघ की बैठक आयोजित की गई।

इसमें काठीकुंड प्रखंड की बिछिया

पहाड़ी पंचायत में कार्यरत पंचायत

सचिव चंदा कुमारी और पिपरा

पंचायत में कार्यरत पंचायत सचिव

प्रदीप दास के साथ की गई मारपीट

की कड़ी निंदा की गई और इस पर

चरणबद्ध आंदोलन चलाने का

अपहरण और फायरिंग के मामले में छह आरोपी बरी

JAMSHEDPUR : मानगो के एमजीएम थाना अंतर्गत मुखियाडांगा में अपहरण और फायरिंग के मामले में सोमवार को जमशेदपुर सिविल कोर्ट ने छह आरोपियों को बरी कर दिया। मामले की सुनवाई करते हुए एडीजे 5 मंजू कुमारी की अदालत ने रोहन कुमार, नीरज सिंह उर्फ भगना, रोहित गुप्ता उर्फ सेठबाज, नीरज पांडेय. साजन मिश्रा और अमन कुमार को साक्ष्य के आभाव में बरी कर दिया। इस संबंध में साजन मिश्रा की ओर से बहस करने वाले अधिवक्ता दिनेश ने बताया कि घटना 18 मई 2023 की है। आरोपियों के खिलाफ एमजीएम थाना में दो प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी जिसमें एक प्राथमिकी पुलिस कर्मी अखिलेष कुमार ओझा के बयान पर और एक प्राथमिकी दीपक रॉय के बयान पर दर्ज कराई गई थी। आरोपियों पर चालक का अपहरण कर रंगदारी मांगने और फायरिंग करने का आरोप लगा था। इस घटना में एक बच्चे को भी गोली लगी थी। हालांकि पुलिस इसे लेकर कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं कर पाई। साक्ष्य के अभाव में आरोपियों

को बरी कर दिया गया है।

अस्पताल में हंगामा करने वाले पांच आरोपियों को जेल PHOTON NEWS DHANBAD:

झरिया के धर्मशाला रोड स्थित एक अस्पताल में रविवार को खब बदलने का आरोप हंगामा हुआ था। इस पर पुलिस ने सोमवार को हंगामा करने वाले पांच आरोपियों को जेल भेज दिया। पीड़ित परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा था कि अस्पताल ने उनका नवजात बच्चा बदलकर मृत बच्चा दे दिया था। घटना के बाद झरिया थाना की पुलिस ने अस्पताल में लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच की और देर रात पीडित परिजनों ने झरिया थाना में अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई। इस दौरान पुलिस के साथ भी धक्का-मुक्की की घटना सामने आई, जो सीसीटीवी फुटेज में कैद हो गई थी। पुलिस ने बोकारो जिले के आमलाबाद निवासी पंकज सिंह,

निशांत कुमार, युवराज सिंह, अजय

प्रमाणिक और पृथ्वी सिंह के

खिलाफ झरिया थाना में पुलिस कार्य

में बाधा डालने, मारपीट और

गाली-गलौज की धारा लगाते हुए

उन्हें धनबाद जेल भेज दिया। उधर,

दो पंचायत सचिवों के साथ मारपीट का मामला

पकड़ा तूल, संघ ने दी आंदोलन की चेतावनी

• परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर लगाया था नवजात शिशु



पीड़ित सागर ठाकुर ने बताया कि उनकी पत्नी गीता ठाकुर को 13 दिसंबर को रात 10.30 बजे अस्पताल में भर्ती किया गया था। 14 दिसंबर को नॉर्मल डिलीवरी के बाद नर्स ने बताया कि बच्चा और मां दोनों स्वस्थ हैं। लेकिन, अगले दिन जब सागर अपने बच्चे को देखने पहुंचा, तो नर्स ने कहा कि बच्चा मर चुका है और उसे आईसीयू में रखा गया है। सागर ठाकुर ने पुलिस को बताया कि इससे पहले उनके दो बच्चों का जन्म इसी अस्पताल में सामान्य तरीके से हुआ था और अगर बच्चा बीमार था तो डॉक्टर ने बिना पूछे उसे आईसीयू में क्यों भर्ती किया।

में घटना की लिखित शिकायत की।

उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी बात हो

गई और अब तक मामले में दोषियों

पर कानूनी कार्रवाई नहीं की गई है।

इस संबंध में उन्होंने दुमका डीसी

को भी पत्र लिखकर घटना से

अवगत कराया है और आवश्यक

कार्रवाई की मांग की। इधर,

पंचायत सचिव प्रदीप दास ने भी

अपने साथ हुई मारपीट की घटना

की जानकारी दी। उन्होंने बताया

कि उन्होंने बीडीओ के चेंबर में

घुसकर किसी तरह से अपनी जान

बचाई थी। मारपीट के विरोध में

यूनियन के द्वारा आउटडोर बैठक

कर घटना की कड़ी निंदा की गई

है। इसमें यह निर्णय लिया गया कि

कल सोमवार से सभी प्रखंड

कार्यालय में पंचायत सचिव और

मानगो में चार दिनों से कचरा उटाव बंद, महामारी की आशंका



राय को जिम्मेदार ठहराया है।

उनका कहना है कि सरयू राय के

एनजीटी में शिकायत करने के बाद

से ही कचरा उठाव बंद है। इस

PHOTON NEWS JSR: मानगो में चार दिन से कचरा उठाव बंद है, जिससे अब महामारी फैलने की आशंका जताई जा रही है। इसे लेकर विधायक सरयू के समर्थक व कार्यकर्ता सोमवार को मानगो नगर निगम के उप नगर आयुक्त सुरेश यादव से मिले, जिसमें उनसे जल्द से जल्द कचरा निष्पादन करने की मांग रखी। वहीं, पूर्व विधायक बन्ना गुप्ता के समर्थकों व कांग्रेस कार्यकताओं ने

डिवाइडर से टकराई

बाइक, महिला की मौत

GHATSHILA : पूर्वी सिंहभूम

जिले के धालभमगढ थाना क्षेत्र में

सोमवार को एनएच पर डिवाइडर से

टकरा गई, जिसमें बाइक सवार

महिला की मौत हो गई। बताया

जाता है कि मनिकाबेड़ा गांव के

समीप अनियंत्रित बाइक एनएच-18

पर डिवाइडर से टकरा गई, जिससे

बाइक पर सवार महिला गंभीर रूप

से घायल हो गई। स्थानीय लोगों की

मदद से घायल महिला को

धालभूमगढ़ के प्राथमिक स्वास्थ्य

केंद्र पहुंचाया गया। स्वास्थ्य केंद्र के

चिकित्सक ने गंभीर स्थिति को

देखते हुए घायल महिला को

घाटशिला अनुमंडल अस्पताल भेज

दिया। घाटशिला अनुमंडल

अस्पताल की चिकित्सक डॉ. मीरा

मुर्मू ने जांच के बाद महिला को मृत

घोषित कर दिया। दुर्घटना के संबंध

में बरसोल थाना क्षेत्र के खंडामौदा

गांव निवासी बृहस्पति बेरा ने बताया

कि वह बाइक से अपनी मां

अंबावती बेरा को लेकर घाटशिला

पर उप नगर आयुक्त सुरेश यादव ने विधायक के कार्यकताओं को आश्वस्त किया कि कचड़े का निष्पादन करने के लिए विकल्प तराशा जा रहा है। इस पर जिला प्रशासन के स्तर पर भी मंत्रणा चल रही है। बहुत जल्द सभी जगह पर एकत्रित कचरों को इस स्थिति के लिए विधायक सरय

राजस्व संबंधी कार्यों को लेकर डीसी ने की समीक्षा, दिए कई दिशा-निर्देश

राजस्व संबंधित कार्यों को लेकर अध्यक्षता में जिला समाहरणालय के सभागार में समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान बैठक में राजस्व संग्रहण कार्यों की समीक्षा के क्रम में डीसी ने आंतरिक संसाधन, उत्पाद, खनन, परिवहन, विद्युत सहित अन्य संबंधित विभागों से प्राप्त लक्ष्य के अनरूप अब तक की गई उपलब्धि की जानकारी ली। डीसी ने निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति जल्द से जल्द सुनिश्चित करने को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश अधिकारियों को दिए। नीलाम पत्र वादों की समीक्षा के क्रम में डीसी ने संबंधित जिला और अनमंडल स्तरीय अधिकारियों, अंचल अधिकारियों को बैंक प्रतिनिधियों के साथ समन्वय कर तीव्र गति से मामले निष्पादित करने का निर्देश



दिया। बैठक के दौरान मैनेजर आईटी वेदांत कुमार के जरिये पीपीटी प्रेजेंटेशन के माध्यम से अंचलवार विभिन्न कार्यों की जानकारी दी गई। इस दौरान डीसी ने दाखिल खारिज मामलों की समीक्षा के क्रम में डीसी ने सेवा का अधिकार अधिनियम का अनपालन सुनिश्चित करते हुए दाखिल खारिज संबंधित सभी मामलों को निर्धारित अवधि के दौरान निष्पादित करने का निर्देश दिया। साथ ही डीसी ने दाखिल खारिज संबंधित कार्यों में आ रही तकनीकी समस्याओं को लेकर मैनेजर आईटी को संबंधित अंचल कार्यालय के साथ संपर्क कर समस्या हल करने का निर्देश

दिया। मौके पर डीसी ने लंबित दाखिल खारिज मामलों को एक सप्ताह में अभियान मोड में कार्य कर निष्पादित करने का निर्देश दिया। परिशोधन पोर्टल के माध्यम से आमजनों को उपलब्ध कराई जा रही भूमि संबंधित दस्तावेजों में सुधार सहित अन्य सुविधाओं की जानकारी लेने के क्रम में डीसी ने पोर्टल पर आए आवेदनों को जल्द से जल्द निष्पादित करने का निर्देश दिया। बैठक के दौरान अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी, भूमि सुधार उपसमाहर्ता, जिला परिवहन पदाधिकारी, जिला स्तरीय अधिकारियों, अंचल अधिकारियों

सहित अन्य उपस्थित थे। चार एकड़ में लगी अफीम

की फसल को किया नष्ट

LATEHAR : जिले के हेरहंज थाना क्षेत्र के असुवे गांव में पुलिस ने अभियान चलाकर लगभग चार एक-ड़ भूमि में लगाए गए अफीम के फसल को नष्ट किया। सोमवार को जानकारी देते हुए लातेहार एसपी कुमार गौरव ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि हेरहंज थाना क्षेत्र के असुवे गांव के पास कुछ अपराधियों के जरिये अफीम की खेती की जा रही है। जानकारी मिलने के बाद पुलिस की एक टीम गठित कर अफीम की खेती के खिलाफ कार्रवाई की गई। यहां लगभग चार एकड़ भूमि में लगाए गए अफीम की खेती को ट्रैक्टर से नष्ट कर दिया गया। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि अफीम की खेती में शामिल लोगों को भी चिन्हित किया जा रहा है। ऐसे लोगों पर भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी । एसपी ने बताया कि लातेहार जिले में पूर्व में जिन स्थानों पर अफीम की खेती होती आई है ,उन स्थानों पर ड्रोन से भी

निगरानी की जा रही है।

तड़ीपार अपराधी के घर फायरिंग का मामला संदिग्ध

सचिव चंदा कुमारी ने बताया कि

मामला एक सप्ताह पूर्व 07 दिसंबर

का है। वह प्रखंड कार्यालय में

मनरेगा संबंधित फाइलें निपटा रही

थीं। उसी वक्त सिद्दीक अंसारी ,

अशफाक अंसारी और इकरामुल

अंसारी अपने साथियों के साथ

पहुंच गए। पंचायत सचिव चंदा

कुमारी का आरोप है कि आते ही

तीनों ने सफेद कागज पर हस्ताक्षर

JAMSHEDPUR : सीतारामडेरा थाना क्षेत्र के एग्रिको रोड नंबर-3 पर तडीपार अपराधी सलमान के घर रविवार तड़के हुई फायरिंग का मामला संदिग्ध बताया जा रहा है। पुलिस ने जांच के दौरान पाया है कि सलमान ने तड़ीपार आदेश का उल्लंघन करते हए जिले में रह रहा था। पुलिस अब उसके खिलाफ सीसीए के तहत मामला दर्ज करने की तैयारी में है। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि हाल ही में धतकीडीह के एक विवाह समारोह में मारपीट हुई थी। इस समारोह में मानगो के अनस, हीरा, इमरान सहित अन्य लोग शामिल हुए थे। झगड़े में इमरान घायल हुआ था, जिसके बाद बिष्टुपुर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। पुलिस को शक है कि यह घटना उसी विवाद से जुड़ी हो सकती है। मामले को लेकर डीएसपी मुख्यालय-1 भोला प्रसाद ने बताया कि घटना संदिग्ध है।

करने को कहा। जब उसने इसके बाद पुलिस की टीम पहुंची जन सेवक काला बिल्ला लगाकर और हम दोनों को अपने साथ हस्ताक्षर करने से इनकार किया तो 'दुनिया के नक्शे पर वीरों की शौर्य गाथा है १९७१ का युद्ध'

धक्का-मुक्की और मारपीट करने

लगे। इस दौरान उसने मदद के लिए

आवाज लगायी। शोर सुनकर एक

अन्य पंचायत सचिव प्रदीप दास

दौड़कर वहां आए। जब प्रदीप दास

ने चंदा कुमारी को बचाने का प्रयास

किया तो उसके साथ भी मारपीट

की गई। चंदा कुमारी ने बताया कि

प्रखंड कार्यालय से ही मामले की

सूचना बीडीओ को दी गई थी।



PHOTON NEWS JSR: पाकिस्तान के विरूद्ध 1971 का युद्ध दुनिया के नक्शे पर भारतीय वीरों की शौर्य गाथा है। भारतीय रणबांकुरों के सामने पाकिस्तान की 93.000 सैनिकों ने 16 दिसंबर 1971 को महज 13 दिनों में हथियार डाल दिए थे। उसी समय बांग्लादेश का निर्माण हुआ। आज उसी जीत का जश्न पर्व सैनिकों ने विजय दिवस के रूप में मनाया। गोलमुरी स्थित शहीद स्मारक पर सोमवार को अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद के वरिष्ठ सदस्य एवं 1971 के युद्धवीर हवलदार सत्येंद्र सिंह ने ये बातें

कहीं। कार्यक्रम का आरंभ 1971 के युद्धवीरों ने शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित कर की। वीर शहीद अमर रहें... एवं भारत माता की जय... के उद्घोष से वातावरण गुंजायमान रहा। परिषद ने युद्ध वीरों को सम्मानित कर कहा कि सैनिक सम्मान संगठन की परंपरा है। कार्यक्रम में संगठन के संस्थापक वरुण, जिला अध्यक्ष विनय यादव, जिला महामंत्री जितेंद्र सिंह, अवधेशजी, सुखविंद्र सिंह, एसके सिंह, मनोज सिंह, डीएन सिंह,उमेश शर्मा, राजीव कुमार आदि भी मौजूद थे।

शिक्षकों की स्थानांतरण प्रक्रिया को करेंगे आसान : शिक्षा मंत्री



PHOTON NEWS JSR: बनाया जाएगा। लंबे समय से ग्रामीण इलाकों में पदस्थापित शिक्षकों को शहरों में भेजा जाएगा। वहीं शहरी

ग्रामीण इलाकों में भेजा जाएगा। उन्होंने विद्यालय में शिक्षकों की कमी को देखते हुए दो शिक्षकों को तत्काल प्रतिनियोजित करने का निर्देश जिला शिक्षा पदाधिकारी को दिया। इसके अलावा विद्यालय में भवन सहित दूसरी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने का निर्देश भी दिया। शिक्षा मंत्री का स्वागत स्कूल की प्रभारी प्राचार्य कविता सिंह ने किया। उन्होंने बताया कि ग्रामीण इलाकों में बच्चों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। जरूरत इस बात की है कि विद्यालयों में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

नहीं हो रहा समस्या का समाधान तो 18 दिसंबर को समाधान केंद्र पहुंचें : एसपी

RAMGADH: पुलिस जनता के साथ सीधे संपर्क में आने का प्रयास कर रही है। इसी प्रयास के तहत झारखंड के डीजीपी के निर्देश पर रामगढ़ जिले में जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का आयोजन एक बार फिर 18 दिसंबर को किया जा रहा है। इस संबंध में सोमवार को रामगढ़ एसपी अजय कुमार ने बताया कि अगर किसी भी व्यक्ति की समस्या का समाधान नहीं हो रहा है तो वह 18 दिसंबर को सिद्धो कान्हो मैदान में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में पहुंचे। यहां नागरिकों के शिकायतों का त्वरित एवं प्रभावी निष्पादन होगा। जिनका निष्पादन कार्यक्रम के दौरान नहीं किया जा सकेगा उन्हें एक निर्धारित समय बताया जाएगा। उस निर्धारित समय अवधि के अन्दर प्राप्त शिकायतों का निष्पादन किया जाएगा।

गोइलकेरा के सेरेंगदा में प्रशासन आपके द्वार कार्यक्रम में विधायक व डीसी-एसपी भी पहुंचे समस्याओं को गंभीरता से लें अधिकारी : जोबा मांझी

PHOTON NEWS GOEALKERA: पश्चिमी सिंहभूम जिले के नक्सल प्रभावित गोइलकेरा प्रखंड के सुदूर सेरेंगदा मैदान में सोमवार को जिला प्रशासन की ओर से प्रशासन आपके द्वार कार्यक्रम हुआ। इसमें सांसद जोबा मांझी, विधायक जगत माझी, उपायुक्त कुलदीप चौधरी, पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर समेत जिले के वरीय पदाधिकारी भी शामिल हुए। कार्यक्रम में आए ग्रामीणों को संबोधित करते हुए सांसद ने कहा कि सेरेंगदा पिछड़ा जरूर है, लेकिन यहां विकास की किरणें पहुंचने लगी हैं। पूर्व में यहां आने के लिए सड़क नहीं थी, लेकिन अब सड़क के साथ कारो नदी पर उच्चस्तरीय पुल का निर्माण कराया गया है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि सुदूर इलाके से आने वाले ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता



का टालमटोल वाला खैया नहीं अपनाएं। जल्द ही सेरेंगदा के लिए सांसद निधि से एंबुलेंस उपलब्ध कराया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान मानकी-मुंडा और पंचायत प्रतिनिधियों ने सेरेंगदा इलाके में मोबाइल नेटवर्क नहीं होने की समस्या को प्रमुखता से रखा। इस ने कहा कि जल्द ही टावर लगाकर इसका समाधान कर दिया जाएगा। पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर ने कहा कि ग्रामीणों की जो भी समस्या है, उसे बताएं, हम समाधान करने के लिए कटिबद्ध हैं। कार्यक्रम में उपविकास आयुक्त संदीप कुमार मीणा, अनुमंडल

पदाधिकारी श्रुति राजलक्ष्मी, अपर पुलिस अधीक्षक-अभियान पारस राणा, एलआरडीसी केके मुंडू, सिविल सर्जन डॉ. सुशांतो माझी, एसडीपीओ नलिन मरांडी, अजय केरकेट्टा, बीडीओ विवेक कुमार, प्रखंड प्रमुख निरूमनी कोड़ा, मुखिया, मानकी मुंडा, पंचायत प्रतिनिधि आदि उपस्थित रहे।

राज्य सरकार के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग तथा निबंधन विभाग के मंत्री रामदास सोरेन ने सोमवार को घाटशिला स्थित उत्क्रमित उच्च विद्यालय बरडीह का निरीक्षण किया। उन्होंने बच्चों से बात की। विद्यालय के शिक्षकों की समस्याओं से अवगत हुए। ग्रामीण शिक्षकों की मांग को ध्यान में रखते हुए उन्होंने आश्वासन दिया कि जल्द ही राज्य में शिक्षक स्थानांतरण प्रक्रिया को आसान

इलाके में सेवा दे रहे शिक्षकों को











14:0° Minimum Sunrise Tomorrow Sunset Today Temperature 06:15 17:02



www.thephotonnews.com Tuesday, 17 December 2024

BRIEF NEWS

रेल मंडल में लगी पेंशन अदालत, सुनी गईं समस्याएं

RANCHI: सोमवार को रांची रेल मंडल में अपर मंडल रेल प्रबंधक हेमराज मीना की अध्यक्षता में पेंशन अदालत लगी। इस दौरान अपर मंडल रेल प्रबंधक ने कहा कि सेवानिवृत्ति के बाद यदि किसी पेंशन से संबंधित कोई समस्या आती है तो आप उसे लेकर पेंशन अदालत में आ सकते हैं। आपकी समस्याओं के समाधान के लिए रेल प्रशासन सदैव प्रयासरत है। सहायक मंडल कार्मिक अधिकारी आलोक कुमार राय ने सभी का स्वागत किया। वहीं पेंशन अदालत में सेवानिवृत कर्मियों के पेंशन से संबंधित सभी प्रकार के मामलों पर विचार विमर्श कर उनके निदान के लिए आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया गया। मौके पर मण्डल की ओर से सहायक मण्डल वित्त प्रबंधक सुनील कुमार दास, सेवानिवृत पेंशनधारकों में जगजीत सिंह बहल, चंचल सिंह एवं अन्य मौजूद थे।

पुण्यतिथि पर जरूरतमंदों को कराया गया भोजन

RANCHI: ब्रेन डायनेमिक्स ट्रस्ट ने स्वर्गीय द्वारिका रजक की पुण्यतिथि पर 151 जरूरतमंद लोगों के बीच भोजन का वितरण किया। इसकी शुरूआत श्री राम मंदिर मेन रोड, काली मंदिर, हनुमान मंदिर, कचहरी और लालपुर क्षेत्र से हुई। वहां जरूरतमंदों के बीच भोजन बांटा गया। ब्रेन डायनेमिक्स ट्रस्ट की डायरेक्टर डॉ. भाग्यश्री कर ने कहा कि इस कड़ाके की ठंड में समय-समय पर भोजन वितरित करने की योजना है, ताकि जरूरतमंदों को मदद मिल सके। उन्होंने कहा कि पिता की पुण्य तिथि पर हमने ये अभियान शुरू किया है। साथ ही कहा कि अगर हम एक समय का भोजन भी किसी जरूरतमंद को उपलब्ध करा सकें, तो यह हमारे लिए भगवान का आशीर्वाद होगा। ट्रस्ट के सदस्यों में डॉ. डी रजक, प्रमोद, गुनु, प्रेम और आशा सहित अन्य का सहयोग रहा।

अभिजीत से एनआईए की टीम कर रही पूछताछ

RANCHI: पारसनाथ की पहाड़ियों में माओवादी संगठन के शीर्ष नक्सिलयों के साथ रहे अभिजीत से एनआईए पूछताछ कर रही है। एनआईए ब्रांच रांची अभिजीत कोडा उर्फ सनील कोडा को पांच दिनों की रिमांड पर लेकर पुछताछ कर रही है। अभिजीत कोडा मल रूप से बिहार के जमई जिले का रहने वाला है। गौरतलब है कि बिहार के जमुई जिले में पुलिस ने पिछले 19 अक्टूबर को दो लाख के इनामी नक्सली अभिजीत कोड़ा को गिरफ्तार किया था। अभिजीत पूर्वी बिहार पूर्वोत्तर झारखंड स्पेशल एरिया कमेटी के सबसे बड़े गढ पारसनाथ की पहाडियों में भाकपा माओवादी संगठन के शीर्ष नक्सली कमांडर प्रयाग मानी उर्फ विवेक दा. सचिव सहदेव सोरेन उर्फ प्रवेश दा, प्रवक्ता अरविंद यादव के साथ सक्रिय रूप से कार्य कर रहा था। इसके विरुद्ध जमुई, लखीसराय, मुंगेर तथा झारखंड में सात नक्सली मामले दर्ज हैं।

11 फरवरी से शुरू होगी मैट्रिक व इंटरमीडिएट परीक्षा

झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) द्वारा आयोजित मैट्रिक व इंटरमीडिएट की परीक्षा ११ फरवरी २०२५ से शुरू हो रही है। परीक्षा को लेकर टाइम टेबल जारी कर दिया गया है। जैक सचिव ने बताया कि परीक्षा की पूरी तैयारी कर ली गई है। यह परीक्षा तीन मार्च तक चलेगी। परीक्षा में कुल छह लाख परीक्षार्थी शामिल हो रहे हैं। इसमें चार लाख मैट्रिक और तीन लाख इंटर के परीक्षार्थी शामिल हैं, हालांकि बोर्ड परीक्षा के लिए आवेदन अभी 30 दिसंबर तक लिए जा रहे हैं जिसके बाद यह संख्या बढ़ सकती है। दसवीं और 12वीं की परीक्षा दो पालियों में होंगी। जिनमें पहली पाली में सुबह 9:45 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक 10वीं की परीक्षाएं होंगी और दूसरे पाली में दोपहर 2:00 बजे से संध्या 5:15 बजे तक 12वीं कक्षा की तीन मार्च तक दो पालियों में होगी परीक्षा 1800 केंद्रों पर एग्जाम देंगे परीक्षार्थी

 अभी तक चार लाख मैट्रिक और तीन लाख इंटरमीडिएट के लिए छात्रों ने भरे हैं आवेदन



जैक इस बार भी सीबीएसई और आईसीएसई बोर्ड से पहले मई अंत तक रिजल्ट देने की भी तैयारी में है। जैक के अनुसार, मैट्रिक व बोर्ड परीक्षा के लिए पूरे राज्य में लगभग 1800 परीक्षा केंद्र बनाएँ जाएंगे, जिसकी तैयारी जनवरी तक कर ली जाएगी। इस बार बोर्ड परीक्षा पैटर्न में कोई बदलाव नहीं किया गया है। मैट्रिक और इंटरमीडिएट की परीक्षा पुराने पैटर्न पर ही होगी। मालूम हो कि नए पैटर्न पर परीक्षा आयोजन को लेकर अफवाह उड़ रही थी।

तनाव मुक्ति के लिए १५ मिनट अतिरिक्त

परीक्षार्थियों को परीक्षा के तनाव से मुक्ति देने के लिए इस बार भी 15 मिनट का अतिरिक्त समय दिया जाएगा। इस समय पर परीक्षार्थी प्रश्न पत्र का मुआयना कर सकेंगे और प्रश्नों को समझ सकेंगे। इसके पश्चात वे उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिख पाएंगे। यह अतिरिक्त समय मैट्रिक और इंटरमीडिएट दोनों परीक्षाओं में मान्य होगा।

इस माह के अंत तक मॉडल प्रश्न पत्र होगा जारी

मैट्रिक व इंटर परीक्षा को लेकर जैक इस माह के अंत तक मॉडल प्रश्नपत्र जारी करेगा। इसके आधार पर बच्चों को पैटर्न समझने में आसानी होगी। साथ ही परीक्षा की तैयारी के लिए सैंपल प्रश्न पत्र काफी सहायक साबित होंगे। पिछली बार भी माडल प्रश्न पत्र जारी किया गया था। साथ ही इसके उत्तर भी जारी किए गए थे। इन माडल प्रश्नपत्र को स्कूल प्रबंधन द्वारा भी छात्रों को उपलब्ध कराया जाएगा। जिसकी तैयारी भी कराई जाएगी। मैट्रिक और इंटरमीडिएट के लिए कम से कम तीन-तीन मॉडल प्रश्न पत्र जारी किए जाएंगे। जैक इस बार भी पुराने पैटर्न पर ही मैट्रिक और इंटरमीडिएट की परीक्षा लेगा। इसी पर तैयारी की गई है। इसमें 50 अंक सब्जेक्टिव परीक्षा, 30 अंक की आब्जेक्टिव परीक्षा और 20 अंक इंटरनल एसेसमेंट या प्रैक्टिकट के लिए

पहले दिन वोकेशनल विषय की होगी परीक्षा

झारखंड बोर्ड की दसवीं की परीक्षा 11 फरवरी से शुरू हो रही है, जिसमें पहले दिन की परीक्षा आईआईटी व वोकेशनल विषय की होगी। दुसरी पाली में इंटरमीडिएट की परीक्षा भी इसी दिन शुरू हो रही है। पहले दिन इंटर के तीनों संकायों में वोकेशनल विषय की परीक्षा होगी दसवीं की परीक्षा के अंतिम दिन गणित विषय रखा गया है, जबकि इंटर में मनोविज्ञान विषय की परीक्षा होगी। परीक्षा का पूरा शेड्यूल जैक की वेबसाइट पर जारी किया गया है।

दिए जाएंगे। पिछली बार 2024 में इसी आधार पर परीक्षा का आयोजन किया

92 हजार छात्रों को नहीं मिली छात्रवृत्ति, मिलने हैं 292 करोड़ रुपये

RANCHI : वर्ष 2023-24 में 4,88,733 छात्रों को सरकार ने छात्रवृत्ति की राशि उपलब्ध करा दी है। जबिक 92,279 छात्रों का आवेदन जिला स्तर पर स्वीकृत तो हो चका है, लेकिन भगतान अभी तक लंबित है। छात्रों को समय पर छात्रवृत्ति का भुगतान हो। इसके लिए कल्याण विभाग के निदेशक अजय नाथ झा हर 10 दिन पर इसकी समीक्षा करते हैं। राहल कमार नाम के युवक ने सोशल मीडिया एक्स पर यह कहा कि झारखंड के छात्रों को छात्रवृत्ति नहीं मिली है। इस पर अजय नाथ झा ने विस्तृत जानकारी देते हुए लिखा है कि राज्य के अनुसूचित जनजाति और अनुसूचित जाति के छात्रों को छात्रवृत्ति देने के लिए आवंटन उपलब्ध है।

नेपाल हाउस सचिवालय में विभागीय योजनाओं की मंत्री ने की समीक्षा

सड़क और पेयजल व्यवस्था को जल्द करें दुरुस्त : सुदिव्य कुमार

सोमवार को नगर विकास एवं आवास विभाग के मंत्री सुदिव्य कुमार ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया है कि राज्य के सभी शहरों में सड़कों की स्थिति सुधारने, शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने और स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं। उन्होंने शहरों और नदियों को साफ रखने के लिए सिवरेज सिस्टम और वेस्ट वाटर ट्रीटमेंट प्लांट बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सबसे पहले राजधानी रांची में व्यवस्था सुधारने की योजनाएं बनाई जाएं। रांची में ई-बस के अलावा स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था सुदृढ़ करने की जरूरत है। मंत्री ने बताया कि जब रांची में ई-बस की व्यवस्था मजबूत होगी और बसें हर पांच मिनट में मिलेंगी तो लोग निजी वाहनों का कम इस्तेमाल करेंगे। जिससे प्रदुषण और जाम की समस्या

सिवरेज सिस्टम और वेस्ट वाटर ट्रीटमेंट प्लांट बनाने पर मंत्री ने दिया जोर

• राज्य के ४९ नगर निकायों में सिवरेज सिस्टम बनाने के लिए टोस खाका करें तैयार

 स्वच्छ भारत मिशन और अन्य योजनाओं पर लगातार करें फोकस



अधिकारियों के साथ बैठक करते मंत्री सुदिव्य कुमार।

स्टीट लाइट को कराएं ठीक

स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था सुधारने के लिए मंत्री ने निर्देश दिया कि सबसे पहले यह रिपोर्ट तैयार की जाए कि कितनी स्ट्रीट लाइटें काम कर रही हैं। इसके बाद मरम्मत और नए लाइट लगाने की कार्रवाई की जाए। इसके लिए रांची नगर निगम के प्रशासक संदीप कमार को विशेष ध्यान देने को कहा। वहीं सिवरेज सिस्टम के बारे में उन्होंने कहा कि राज्य के 49 नगर निकायों में सिवरेज सिस्टम बनाने के लिए एक रोडमैप तैयार किया जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि छोटे पैमाने पर स्वच्छ भारत मिशन और अन्य योजनाओं के तहत नालों के पानी का ट्रीटमेंट किया जाए ताकि गंदा पानी नदियों में न गिर सके।

निकायों में खलेगा जन शिकायत कोषांग

नगर विकास मंत्री ने नगर निकायों में जनशिकायत कोषांग खोलने का भी निर्देश दिया। जिससे कि लोग अपनी समस्याएं और शिकायतें दर्ज करा सकेंगे। उन्होंने कहा कि शिकायतों के लिए टोल फ्री नंबर जारी किया जाए और 'राइट टू सर्विस' के तहत शिकायतों का समाधान एक तय समय सीमा के भीतर किया जाए। इसके माध्यम से समाज में होने वाली लोगों की शिकायतों को समय पर दूर किया जा सकेगा। इसे प्राथमिकता के आधार पर जल्द लागू करें, ताकि लोगों की परेशानी दूर हो सके।

सस्ते आवास के लिए बनेगी योजना

राज्य के प्रमुख शहरों में सस्ते आवास की उपलब्धता के लिए झारखंड हाउसिंग बोर्ड को शीघ्र योजना बनाने का निर्देश दिया। रांची, धनबाद, हजारीबाग, बोकारो और अन्य शहरों में हाउसिंग कॉलोनियों के निर्माण के लिए संबंधित जिलों के उपायुक्तों को पत्र भेजा जा चुका है। उन्होंने ये भी कहा कि पर्यटन क्षेत्र के संबंध में तोपचांची झील के सौंदर्यीकरण के लिए योजना तैयार करें। उन्होंने कहा कि इस झील के आस-पास पर्यटकों के लिए गेस्ट हाउस, रेस्टोरेंट और वाटर स्पोर्ट जैसी सुविधाएं दी जाएगी।

मैन पावर को लेकर मांगी रिपोर्ट

मंत्री ने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि राज्य सभी नगर निकायों में मैनपावर की कमी न हो। इससे नगर निकायों का काम बाधित नहीं होगा। इसके लिए रिक्तियों की सुचना विभाग को भेजने का आदेश दिया। बैठक में विभागीय अधिकारियों ने विभिन्न योजनाओ और परियोजनाओं पर प्रेजेंटेशन दिया। नगर विकास मंत्री ने कहा कि सभी योजनाओं को प्राथमिकता से लागु किया जाएगा। जल्द ही इन परियोजनाओं को धरातल पर

मां की स्मृति में गरीबों में बांटे कंबल और गर्म वस्त्र



PHOTON NEWS RANCHI:

सोमवार को समाजसेवी रामाशंकर प्रसाद की ओर से बिरसा चौक (हटिया स्टेशन रोड) स्थित होटल द पार्क रिट्रीट में अपनी माता अशर्फी देवी की स्मृति में गरीबों व जरूरतमंदों में कंबल व गर्म वस्त्र का वितरण किया गया। इस अवसर पर विशेष रूप से उपस्थित समाज सेविका आशा देवी ने बिरसा चौक, हटिया स्टेशन, जगन्नाथपुर, सेक्टर ट्र व आसपास के झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले गरीब-लाचार बुजुर्ग पुरुष-महिलाओं, स्लम एरिया के बच्चों को कंबल, स्वेटर, जैकेट व अन्य गर्म वस्त्र दिए। वहीं, होटल द पार्क रिट्रीट के संचालक रामाशंकर प्रसाद ने बताया कि वर्ष 2004 से हर साल दिसंबर के महीने में

 जरूरतमंदों की सेवा से होती है सुखद अनुभूति : आशा

गरीबों, जरूरतमंदों व लाचार लोगों को ठंड से राहत दिलाने के उद्देश्य से कंबल व अन्य गर्म वस्त्र का वितरण किया जाता रहा है। समाजसेविका आशा देवी ने कहा कि गरीबों की सेवा सबसे बड़ा मानव धर्म है। जरूरतमंदों की सेवा करने से सुखद अनुभृति होती है। इस मौके पर वीर नारायण प्रसाद, आदित्य कलवार, अंकित कलवार, अभिषेक कलवार, खुशबू जयसवाल, पूजा जायसवाल, ज्योति जायसवाल, सान्या जयसवाल, गोपाल झा,जयंत झा. विजय शर्मा. पप्प चक्रवर्ती. उमाशंकर सिंह, मिथिलेश कुमार, जयंत मोदक, मधु महतो, सुधीर कमार सहित अन्य उपस्थित थे।

नोटिस के बावजद अस्पताल प्रबंधन ने नहीं दिखार्ड गंभीरता

साल से नहीं भरा होल्डिंग टैक्स

सोमवार को रांची नगर निगम की टीम ने धर्वा स्थित पारस अस्पताल परिसर में होल्डिंग टैक्स निर्धारण को लेकर निरीक्षण किया। सहायक प्रशासक चंद्रदीप कमार के नेतत्व में निगम की गठित टीम ने अस्पताल परिसर में पहुंचकर मापी की कार्रवाई शरू की। टीम ने जब कार्रवाई शरू की तो अस्पताल प्रबंधन ने अगले दो दिनों में सेल्फ असेसमेंट करते हुए बकाया कर का भुगतान करने का आश्वासन दिया। बता दें कि पारस अस्पताल ने पिछले 5 सालों से होल्डिंग टैक्स नहीं जमा कराया है। ऐसे में नगर निगम की ओर से पूर्व में स्व कर



जांच करने पहुंची निगम की टीम।

निर्धारण के लिए नोटिस भेजा गया था। लेकिन अस्पताल प्रबंधन ने इस पर कोई रुचि नहीं दिखाई गई। इसके बाद निगम ने मापी का नोटिस जारी किया था। सहायक प्रशासक ने अस्पताल प्रबंधन को कडा निर्देश देते हुए कहा कि 18 दिसंबर 2024 तक सभी बकाए राशि का

• फोटोन न्यूज भुगतान किया जाना चाहिए। ऐसा नहीं करने की स्थिति में झारखंड नगरपालिका अधिनियम-2011 की सुसंगत धाराओं के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। मौके पर नगर प्रबंधक. टैक्स कलेक्टर और मेसर्स श्री पब्लिकेशन के प्रतिनिधि

छात्राओं से छेडखानी के आरोपी फिरोज अली को भेजा गया जेल

RANCHI: कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित कन्या पाठशाला की छात्राओं से छेड़खानी करने के आरोपी फिरोज अली को सोमवार को जेल भेजा गया। इससे पहले रविवार की देर शाम एसएसपी चंदन सिन्हा के निर्देश पर कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय के नेतृत्व में पुलिस की टीम ने कार्रवाई करते हुए फिरोज अली को लोअर बाजार इलाके से गिरफ्तार किया था। फिरोज अली हिंदपीढ़ी के नाला रोड के गली नंबर आठ का रहने वाला है। फिरोज अली के बारे में सूचना देने वाले को पलिस ने इनाम देने की घोषणा की थी। लेकिन फिरोज से खुद ही सरेंडर कर दिया था। इस छेड़खानी मामले में सीएम हेमंत सोरेन ने संज्ञान लिया था।

प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो बोले- प्रधानमंत्री मोदी ने साध रखी है चुप्पी

कांग्रेस ने मणिपुर हिंसा और अडानी मुद्दे पर केंद्र सरकार को लिया निशाने पर

सोमवार को कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने केंद्र सरकार को निशाने पर लिया। वहीं अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा गौतम अडानी व उनके सहयोगियों पर भ्रष्टाचार, धोखाधड़ी और जालसाजी के आरोपों को लेकर सरकार की चुप्पी पर चिंता जताई। उन्होंन कहा कि मणिपुर में चल रही हिंसा पर केंद्र और राज्य सरकार ने चुप्पी साध रखी है। मणिपुर में लगातार हिंसा, गोलीबारी, कर्फ्य और अराजकता के कारण लोगों को परेशानी हो रही है। उन्हें इस बात की चिंता सता रही है कि आखिर भविष्य में क्या होगा। साथ



मीडिया को संबोधित करते केशव महतो व अन्य।

ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा मणिपुर का दौरा न करने पर भी सवाल उठाए। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि इन मुद्दों पर कांग्रेस देशव्यापी आंदोलन करेगी। 18 दिसंबर को राजभवन तक मार्च निकाला जाएगा। सीजीएल मुद्दे पर कहा गया कि राज्य सरकार छात्रों और युवाओं

को लेकर चिंतित है। मुख्यमंत्री ने

• फोटोन न्यूज इस मामले में सीआईडी जांच का आदेश दिया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो और कमलेश ने कांग्रेस के आगामी कार्यक्रमों की घोषणा की। उन्होंने बताया कि 21 दिसंबर को चुनावी समीक्षा और कार्यकताओं का आभार व्यक्त करने हेतु आभार समागम का आयोजन किया जाएगा।

बड़ी सुविधा : मरीजों के परिजनों को आसानी से टहरने का किया गया है इंतजाम

रिम्स के विश्राम सदन में १०० रूपये में मिल रहा बेड

VIVEK SHARMA@RANCHI

राज्य के सबसे बड़े हॉस्पिटल में इलाज कराने के लिए झारखंड के अलावा बिहार, बंगाल और ओडिशा से मरीज पहुंचते हैं। वहीं कई बार मरीजों और उनके परिजनों को जांच व दोबारा डॉक्टर से दिखाने के लिए रुकना पड़ता है। ऐसे मरीजों और उनके परिजनों को टहरने के लिए कैंपस में ही 100 रुपये में बेड उपलब्ध कराया जा रहा है। जी हां, हम बात कर रहे है रिम्स कैंपस में बने विश्राम सदन की। जहां पर मरीजों के इलाज की पर्ची दिखाकर बेड की सुविधा मिल रही है विश्राम सदन में बेड की सुविधा के लिए 500 रुपये सिक्योरिटी डिपॉजिट के बाद बेड दिया जा रहा है। बेड के लिए हर दिन का 100 रुपये चार्ज निर्धारित है। इसके लिए मरीज के ओपीडी या इनडोर की पर्ची की फोटो कॉपी भी जमा कराने का निर्देश दिया गया है। इसके अलावा बेड लेने वाले का आधार कार्ड भी जरूरी है। इससे विश्राम सदन में आने वाले लोगों का रिकार्ड प्रबंधन के पास रहेगा। बेड के साथ एक डोरमेट्री भी है, जिसमें मरीज व उनके परिजन अपना सामान सुरक्षित रख सकते है। विश्राम सदन छोड़ते समय सिक्योरिटी डिपॉजिट के रूप में जमा 500 रुपये लौटा दिए जाते हैं।

इलाज के लिए हजारों की संख्या में रोज पहुंचते हैं दूर-दराज के मरीज बिहार, झारखंड के अलावा ओडिशा और बंगाल से भी आते हैं लोग



इमरजेंसी में आते हैं 500 मरीज

हॉस्पिटल के ओपीडी में हर दिन 2 हजार से अधिक मरीज पहुंचते हैं। इनमें से ज्यादातर मरीजों को डॉक्टर जांच के लिए लिखते हैं। जांच कराने में मरीजों को एक या दो दिन का भी समय लग जाता है। वहीं दूर-दराज

से आने वाले मरीज एक ही बार डॉक्टर से दिखाखर घर जाना चाहते है। वहीं इमरजेंसी में 500 के करीब मरीज हर दिन आते हैं। उनके साथ आने वाले परिजनों का भी कोई ठिकाना नहीं होता।

पावरग्रिड ने कराया है निर्माण

रिम्स में इलाज के लिए आने वाले मरीज व उनके परिजनों के लिए पावरग्रिड ने सीएसआर के तहत 17.82 करोड़ की लागत से विश्राम सदन का निर्माण कराया है। 5034 वर्गमीटर क्षेत्र में निर्मित विश्राम सदन की क्षमता ३१० बेड की है। इसके अलावा विश्राम सदन में मनोरंजन के साधन से युक्त वेटिंग हॉल, फामेर्सी, लाउंड्री, कैंटीन, सामूहिक कक्ष और आवश्यक फर्नीचर की सुविधा उपलब्ध है। परिजनों को विश्राम सदन में रहने की सुविधा रिम्स प्रबंधन द्वारा बहुत ही मामूली शुल्क पर उपलब्ध कराई जा रही है। साथ ही भोजन की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है।

राज्यपाल से रिम्स निदेशक सहित अन्य ने की मुलाकात

RANCHI: राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से सोमवार को रिम्स के निदेशक डॉ. राजकुमार ने राजभवन में भेंट की। निदेशक ने राज्यपाल से रिम्स को डीम्ड यूनिवर्सिटी में अपग्रेड करने के विषय पर चर्चा की। दूसरी ओर, राज्यपाल से एआईटीयूसी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विद्यासागर गिरि और अन्य प्रतिनिधियों ने राजभवन में भेंट की। गिरि ने कहा कि झारखंड के कई ट्रेड यूनियनों को अविभाजित बिहार सरकार जरिये रद्द कर दिया गया था लेकिन पटना उच्च न्यायालय ने इस आदेश को अनुचित बताते हुए निरस्त कर दिया। शिष्टमंडल ने राज्यपाल से श्रम एवं नियोजन विभाग के जरिये इन ट्रेड यूनियनों को पुनः मान्यता प्रदान करने के लिए पहल करने का आग्रह किया। राज्यपाल को रिम्स की शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. दिव्या सिंह ने राजभवन में स्वरचित पुस्तक भेंट की।

हेमंत है तो अपराधियों व हत्यारों को हिम्मत है : बाबूलाल मरांडी

PHOTON NEWS RANCHI: भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश

अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बाबुलाल मरांडी ने राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर निशाना साधा है। उन्होंने सोमवार को सोशल मीडिया एक्स पर ट्वीट कर कहा है कि हेमंत है तो अपराधियों और हत्यारों को हिम्मत है। मरांडी ने लिखा है कि झारखंड में जमीन कारोबारियों की हत्या का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। आए दिन हो रही हत्याओं से प्रदेशवासियों का जीना मुश्किल हो गया है। पिछले पांच सालों में हेमंत सरकार के नेतृत्व में जिस तरह से अपराधियों का हौसला बढ़ा है उससे रांची सहित पूरे झारखंड में खौफ का माहौल व्याप्त है। उन्होंने लिखा है कि पिछले पांच सालों में सिर्फ राजधानी रांची भर में करीब 50 लोगों ने अपनी जान गंवाई है। गत रविवार को हुई मधु राय की



निर्मम हत्या ने न केवल रांची, बल्कि पूरे झारखंड को दहला कर रख दिया है। सरेआम गोलियों की बौछार और पुलिस की नाकामी ने साफ कर दिया है कि अपराधियों में कानून का कोई डर नहीं बचा है। उन्होंने लिखा है कि जमीन विवाद अब केवल सामान्य झगड़ा नहीं रहा, बल्कि लोगों की जान लेने वाला खूनी खेल बन गया है। सवाल उठता है कि आखिर कब तक झारखंड के लोग इस डर में जीते रहेंगे?

O BRIEF NEWS

वाहन की चपेट में आकर स्कूली छात्रा की मौत

NALANDA: जिले में हरनौत थानाक्षेत्र के बाजार मोड के समीप सोमवार की सुबह वाहन की चपेट में आने से स्कूली छात्रा की मौत हो गयी। मृतक कि पहचान हरनौत ग्राम निवासी विनेशर यदव की सोलह वर्षीय पत्री कवित कमारी के रूप में की गयी है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि उक्त छात्रा कोचिंग में पढने जा रही थी कि विपरीत दिशा से आ रही वाहन ने कुचल दिया। जिससे उसकी मौत घटना स्थल पर ही हो गयी।घटनाक्रम की जानकारी हरनौत थाना पुलिस को दी गयी हरनौत थानाध्यक्ष अपने दलबल के लाभ घटनास्थल पर जाकर घटनाक्रम की जायजा लेते हुए शव को कब्जे में कर पुलिस अभिरक्षा में पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल बिहारशरीफ भेज दिया है।

चाचा ने भतीजों को दौड़ा दौड़ाकर मारी गोली

JAMUI : जमुई जिले के सिकंदरा थाना क्षेत्र के टाल सहरसा गांव में रविवार को भूमि विवाद की रंजिश में सगे चाचा ने अपने दो भतीजे को गोली मार दी। दोनों युवक जख्मी हैं और परिजन द्वारा दोनों घायल को इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सक ने गंभीर रूप से घायल एक को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया। जबकि दुसरा घायल का इलाज सदर अस्पताल में किया गया। वहीं पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए अपने भतीजों को गोली मारने वाले उसके चाचा राजेंद्र महतो और उसकी पत्नी कुसुम देवी को गिरफ्तार कर लिया है। कुसुम देवी सरकारी शिक्षिका हैं। गोली लगने से जख्मी हुए युवकों की पहचान टाल सहरसा गांव निवासी स्व राजेश्वर महतो के पुत्र राहुल कुमार तथा सत्यम कुमार के रूप में हुई है। घटना की जानकारी देते हुए घायल सत्यम कुमार ने बताया कि मेरे सगे चाचा राजेंद्र महतो के साथ एक कट्टा जमीन को लेकर कई वर्षों से विवाद चल रहा था। कुछ दिन पूर्व स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा पंचायत कर उक्त मामले को सुलझा लिया गया था। इसके बावजूद रविवार को राजेंद्र महतो उनका पुत्र पत्नी सहित अन्य लोगों द्वारा घर पर चढकर गाली गलौज करने लगा जिसका विरोध राहुल कुमार ने किया तो उक्त लोगों ने राहुल कुमार के साथ मारपीट शुरू कर दी।

नालंदा में पईन में ड्बकर किशोरी की मौत

NALANDA: बिहार के नालंदा जिला के गोविंदपुर गांव में सोमवार की सुबह पईन में डूबने से एक किशोरी की मौत हो गई है। मृतका की पहचान गोविंदपुर गांव निवासी नरेश चौधरी की 14 वर्षीय पुत्री काजल कुमारी के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए बिहार शरीफ सदर अस्पताल भेज दिया गया है। परिजनों ने बताया कि काजल सुबह उठकर घर से बाहर निकली थी। जिसके बाद वह अचानक लापता हो गई। करीब आधे घंटे बाद जब वह घर नहीं लौटी तो उसकी खोजबीन शुरू की गई। तभी घर से थोड़ी दूरी पर उसका एक चप्पल दिखाई दिया।

पेपर लीक मामला : संजीव मुखिया की संपत्ति होगी जब्त

ईओयू के रडार पर बिहार के तीन कोचिंग संचालक

बिहार के विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में हुए पेपर लीक मामले को लेकर आर्थिक अपराध इकाई की अब तक की कार्रवाई हुई है। इस संबंध में पुलिस मुख्यालय में सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। प्रेस कॉन्फ्रेंस में एडीजी मुख्यालय कुंदन कृष्णन, ईओयू के एडीजी सुनील कुमार और ईओयू के डीआईजी मानवजीत सिंह ढिल्लों मौजूद रहे। इस दौरान कुंदन कृष्णन ने कहा कि संजीव मुखिया हमारे टारगेट में है और उनकी सभी संपत्ति जब्त की जाएगी। ईओयू के डीआईजी मानवजीत सिंह ढिल्लों ने कहा कि 70वीं बीपीएससी में अभी तक पेपर लीक के कोई साक्ष्य नहीं मिले हैं। पटना के बापू परीक्षा परिसर में जो हुआ है वह जिला प्रशासन का मामला है। उन्होंने बताया कि 2012 से ईओय के पास पेपर लिखकर 10 मामले



मीडिया को जानकारी देते पुलिस अधिकारी।

अभियुक्त रहे हैं जिनमें 250 पर आरोप पत्र दायर हो चुका है। बीपीएससी टीआरई 3 के पेपर लीक में 280 अभियुक्त बनाए गए हैं, जिनके ऊपर दो सप्ताह के भीतर आरोप पत्र दायर किया जाएगा। ऐसे में पेपर लीक मामले में 400 से अधिक लोगों पर आरोप पत्र दायर करने की संख्या

लीक में एक नया पैटर्न सामने आया। इसमें पता चला कि सेल पेपर लीक कर रहे हैं। यानी परीक्षा केंद्र का किसी और के नाम से लाइसेंस है और उसका संचालन कोई और कर रहा है। उन लोगों ने

पत्नी की हत्या के दोषी पति व सास को आजीवन

फैमिली टी तैयार किया जा रहा है।

ARARIYA : अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम मनोज कमार तिवारी की न्यायालय ने सोमवार को हत्यारे पति और सास को सश्रम आजीवन कारावास के साथ 25-25 हजार रुपये के अर्थ दंड की सजा सुनाई। साथ ही जुमार्ने की रकम नहीं अदा करने पर दोषियों को तीन-तीन महीने तक की अतिरिक्त सजा भुगतने का भी आदेश अपने निर्णय में दिया । न्यायालय ने सत्र वाद संख्या 307/2011 में दोषियों को सजा फारबिसगंज (सिमराहा) थाना कांड संख्या 464/2021 से संबंधित है।केस की शिकायतकर्ता महलगांव थाना क्षेत्र के चिल्हानिया वार्ड संख्या दो मृतका फूलो देवी की मां द्रोपदी देवी पित-घोटन मंडल है। दर्ज कराई गई प्राथमिकी के अनुसार 27 जून 2021 को ग्राम औराही में मृतका फुलो देवी के शरीर को टुकड़े कर

जब होगी। पूर्व में परीक्षाओं में गड़बड़ी करने वाले लोगों का एक डेटाबेस तैयार किया गया है। इसमें कई राज्यों के माफियाओं की संलिप्तता मिली है। उन लोगों ने एक अलग सेल तैयार किया है, जिसमें पेपर लीक में शामिल अभियुक्त की सूची है। एडीजी पुलिस मुख्यालय कुंदन कृष्णन ने कहा कि संजीव मुखिया हमारे टारगेट में है। उसकी चल और अचल संपत्ति जप्त की जाएगी।

संजीव मुखिया के संपत्ति का कोई रिश्तेदार अगर उपभोग कर रहे हैं. उनके ऊपर भी आरोप पत्र दायर किया जाएगा और सजा दिलवाया जाएगा। सभी अभियुक्त का

बहू ने कराई ससुर की हत्या, पति की दूसरी शादी से थी नाराज

NALANDA : बिहार के नालंदा में पुलिस ने अधेड़ शख्स की हत्या का खुलासा कर लिया है। हत्याकांड को उसकी बहु ने ही अपने साथियों के साथ मिलकर अंजाम दिया था। पुलिस ने आरोपी बहू समेत चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। हिलसा डीएसपी सुमित कुमार ने बताया कि इस घटना में शामिल सभी ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया है। 4 दिसंबर को अरपा गांव निवासी रामयतन शर्मा के पत्र विमलेश कमार उर्फ लाला सिंह को बदमाशों ने घर से बुलाकर पूर्व मुखिया के ईंट-भट्टा के पास गोली मारकर हत्या कर दी थी। मृतक विमलेश कुमार की पत्नी कामता देवी द्वारा लिखित शिकायत में पहली बहु समेत 5 लोगों को हत्या मामले में नामजद अभियुक्त बनाया था। इसी आवेदन के आधार पर नालंदा पुलिस अधीक्षक भारत सोनी के निर्देश पर हिलसा डीएसपी सुमित कुमार के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया गया। हिलसा डीएसपी समित कमार ने कार्यालय में प्रेसवार्ता कर बताया कि एसआईटी ने नामजद अभियुक्तों से पूछताछ करना चाहा तो आरोपी बहू लगातार पुलिस को अपना पता गलत बताकर गुमराह

ड्राइवर वाहन छोड़कर फरार, बैग व किताबें जलीं रोहतास में आग का गोला बनी स्कूल वैन, कोई हताहत नहीं

बिहार के रोहतास में बड़ा हादसा होते होते टल गया। घटना डालमियानगर इलाके के चावल मंडी के समीप की है। वैन में उस वक्त आग लगी जब बच्चे को लाने के लिए जा रही थी। सोमवार को स्कल वैन में आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। गनीमत यह थी कि स्कूल वैन में बच्चे नहीं थे। वरना बड़ा हादसा हो सकता था। बताया जाता है कि दुर्गा मंदिर चावल मंडी के समीप आ रही स्कूल वैन में अचानक आग लग गई। अचानक चलती वैन में आग लगने की घटना से बीच सड़क पर ही लोगों की भीड़ जमा हो गई। वहीं लोगों ने फायर ब्रिगेड को सूचना दी। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पाया पर वैन पूरी तरह से जल चुकी थी। वैन का ड्राइवर वाहन छोड़ कर फरार हो गया। प्रबंधन स्कल बंद कर फरारः बताया जाता है कि घटना की जानकारी जैसे ही स्कूल प्रबंधन को लगी सभी स्कूल बंद कर फरार हो गए। वहीं स्थानीय



वैन निजी प्ले स्कल शानवी किड्स स्कूल की है पर वैन में बच्चे सवार नहीं थे। नहीं तो बड़ा हादसा हो सकता था। उन्होंने कहा कि शहर में निजी स्कूलों की बसे हो या वैन परिवहन नियमों को ताक पर रख चलाए जा रहे हैं और बच्चों की जान से खिलवाड़ किया जा रहा है। वहीं मामले पर डेहरी के प्रभारी एसडीओ ने बताया कि इस तरह का मामला संज्ञान में आया है। सभी सरकारी व निजी स्कूलों बसों और वैन की फिटनेस जांच कराई जाएगी ताकि बच्चों की जान से खिलवाड़ ना हो सके। निजी स्कल के वैन में लगी भीषण आग में बच्चों के बैग व किताबें जली मिलने से इस घटना ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। आखिर जब वैन में बच्चे नहीं थे

टगी करने वाली साइबर फ्रॉड महिला अरेस्ट, 4.6 करोड़ का लगा चुकी है चूना

AGENCY GOPALGUNJ:

बिहार के गोपालगंज जिले के थावे थाना क्षेत्र स्थित लोहरपट्टी गांव से महाराष्ट्र पुलिस ने स्थानीय थाना पुलिस के सहयोग 4 करोड़ से अधिक के साइबर फ्रॉड मामले में एक महिला अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए महिला अभियुक्त को पुलिस ने कोर्ट में पेश किया, जहां से ट्रांजिट रिमांड पर अपने साथ लेकर महाराष्ट्र चली गई। गिरफ्तार महिला के खिलाफ पुणे के साइबर थाना में चार करोड़ छह लाख रुपए फ्रॉड करने का मामला दर्ज है। साइबर फ्रॉड महिला अभियुक्त का नाम सानिया ऊर्फ गुड़िया सिद्धिकी बताया गया। बताया जाता है कि उसने एक कंसल्टेंट कंपनी से फ्रॉड कर उनके बैंक अकाउंट से चार करोड़ छह लाख रुपये लेकर फरार हो गयी थी। पुणे के साइबर थाने में कंपनी के जीएम



एफआइआर दर्ज करायी थी। महाराष्ट्र पुलिस ने मामले की छानबीन करते हुए 21 फरवरी 2024 को हरियाणा के फरीदाबाद से सानियों को गिरफ्तार किया था। पुणे ले जाने के दौरान ट्रेन से कृदकर फरार हो गयी थी। पुलिस कस्टडी में ट्रेन से फरार होने के बाद उसने गोपालगंज के थावे थाना क्षेत्र के लोहरपट्टी में आकर शरण ली थी। महाराष्ट्र पुलिस का

है। ट्रेन से हथकड़ी सरकाकर फरार हो गयी थी। इस मामले में एक महिला कांस्टेबल और चार पुरुष कांस्टेबल समेत एक ऑफिसर को निलंबित कर दिया गया था। पुलिस के मुताबिक आरोपी महिला सानिया को इस बार कड़ी सुरक्षा के बीच महाराष्ट्र ले जाया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक सानिया उर्फ गुड़िया उर्फ सोफिया सिद्धिकी ने सीवान के नुरुहाता में शादी की थी। पति से तलाक होने के बाद साइबर फ्रॉड के धंधे में सिक्रय हो गयी। महाराष्ट्र पुलिस से मिली जानकारी के आधार पर गोपालगंज पुलिस, सानिया उर्फ गुड़िया उर्फ सोफिया के गिरोह में शामिल अन्य साइबर फ्रॉड की तलाश में जुट गयी है। इनकी पहचान करने के साथ ही गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी कर

कारावास की सजा

भागलपुर में सिलेंडर विस्फोट लाखों की संपत्ति जलकर राख

बिहार के भागलपर में सिलेंडर विस्फोट होने से दर्दनाक घटना हुई है। बताया जाता है कि बिहपुर प्रखंड के सोनवर्षा निवासी फंट्रश पंडित ने बेटी की शादी थी। शादी धूमधाम से कर बेटी को विदा किया। बेटी के विदा करते ही घर में भीषण आग लग गई। इस अगलगी में 2 घर और करीब 7 लाख की संपत्ति जलकर राख हो गए। दरअसल, फंट्रश पण्डित की बेटी की शादी 11 दिसम्बर को थी। कल यानी 15 दिसंबर को देर शाम उसे विदा किया। लोग घर के काम में लगे थे। तभी घर में आग लग गई। जब तक लोग आग को काबू कर पाते आग तबतक आग बेकाब हो गया और परे घर को अपने आगोश में ले लिया। इस दौरान आग ने फंट्रश के घर के साथ-साथ भाई अरुण पण्डित के



लिया। अगलगी के दौरान घर में रखा गैस सिलिंडर फट गया। गैस सिलंडर ब्लास्ट हाने की आवाज दूसरे गांव तक भी सुनाई दिया। वहां पर मौजूद लोग अपनी जान को बचाने में किसी तरह कामयाब रहे। आग में दोनों घर समेत उसमें रखे कपड़े, अनाज, फर्नीचर, जेवर समेत लगभग सात लाख की संपत्ति जलकर राख हो गया। अगलगी में दो बकरी के बच्चे भी

की जानकारी मिलते ही थानाध्यक्ष राहुल कुमार ठाकुर के नेतृत्व में पुलिस प्रशासन और फायरब्रिगेड मौके पर पहुंचकर काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। मौके पर पहुंचे मुखिया प्रतिनिधि प्रवीण उर्फ फोर्ड व अजय उर्फ लाली कंवर ने पीडित परिवार को गर्म कपड़े, कंबल, चादर, प्लास्टिक सीट,राशन सामाग्री,मसाले आदि समेत खाना बनाने के लिए बर्तन तत्काल मुहैया कराया।

बीपीएससी परीक्षा के दौरान प्रश्नपत्र का बंडल लहराने वालों की खैर नहीं AGENCY PATNA:

प्रतियोगिता परीक्षा के दिन पटना के बापू परीक्षा परिसर में हंगामा करने वाले उपद्रवी परीक्षार्थियों के खिलाफ आज एक्शन लिया जाएगा। परीक्षा के दिन कुछ छात्र परीक्षा हॉल से वीक्षक से प्रश्न पत्र का बंडल लेकर फरार हो गए थे। परीक्षा केंद्र के गेट पर चढकर अभ्यर्थियों ने प्रश्न पत्र का बंडल लहराया और परीक्षा अव्यवस्था का माहौल उत्पन्न कर दिया। प्रश्न पत्र का बंडल लेकर भाग जाने के कारण कई परीक्षार्थियों को प्रश्न पत्र नहीं मिला और अन्य परीक्षार्थियों की भी परीक्षाएं प्रभावित हुई। ऐसे में इन परीक्षार्थियों पर आयोग आज कठोर निर्णय लेने जा रहा है। असल में 13 दिसंबर को बिहार के 912 परीक्षा केंद्र पर 70वीं



संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा का आयोजन किया गया था। इसमें पटना के कुम्हरार स्थित बापू परीक्षा परिसर में कछ छात्रों ने हंगामा किया। परीक्षा केंद्र के तीन परीक्षा हॉल के परीक्षार्थी क्वेश्चन पेपर और ओएमआर शीट लेकर परीक्षा अवधि के दौरान ही परीक्षा केंद्र से बाहर निकल गए। आयोग ने जिला प्रशासन से इस पर जांच रिपोर्ट मांगी थी। 15 दिसंबर को जिला प्रशासन ने सीसीटीवी कैमरे से जांच कर जांच रिपोर्ट आयोग को

नाबालिग लड़की को बचाने पहुंची पुलिस पर लाटी-डंडे से हमला. गामीणों ने बचाई जान

AGENCY KISHANGUNJ:

किशनगंज में पुलिस पर हमला रुकने का नाम नहीं ले रहा है। रविवार को दिन में लॉटरी माफिया को पकडने आई बंगाल पलिस पर हमला किया गया तो रात में अपहरण हुई नाबालिंग लड़की को मुक्त कराने गई डायल 112 टीम पर हमला किया गया। मामला जिले के टेढ़ागाछ थाना क्षेत्र का है। बहादरगंज के डायल 112 टीम के वाहन संख्या बीआर 01 एचपी 1258 में डयटी पर तैनात पुलिस पदाधिकारी को सूचना मिली कि एक नाबालिंग लडकी का अपहरण हो गया है। शनिवार की रात 11:20 बजे डायल 112 पर एक मोबाइल से कॉल आया था। वहीं पुलिस पदाधिकारी के द्वारा उक्त मोबाइल पर संपर्क करने पर मोबाइल



धारक द्वारा बताया गया कि उनकी नाबालिग बहन का अपहरण कर लिया गया है और अभी उनकी बहन अपहरणकर्ता युवक के घर पर है। सूचना मिलते ही एएसआई, कांस्टेबल संजय कुमार और चौकीदार श्रवण कुमार मौके पर पहुंचे। भाई द्वारा बताए गए पते पर पहुंचकर नाबालिग लड़की के बारे में पूछने पर उस घर के सभी सदस्य

गाली-गलौज करने लगे। पुलिस के द्वारा गाली-गलौज करने से मना करने पर अपहरणकर्ता के परिजन घर से लाठी-डंडा लेकर चोर-चोर हल्ला करते हुए जान मारने की नियत से घेर कर मारने लगे। इसी दौरान डंडा लगने से एएसआई हारुन अली नीचे गिर गये और सिपाही संजय कुमार भी जख्मी हो गये। इसी दौरान अपहरणकर्ता के परिजन नाबालिग

को अपने घर से भगा दिये और हो हल्ला होने पर काफी संख्या में ग्रामीण जुट गये, ग्रामीणों ने बीच-बचाव से डायल 112 टीम को किसी तरह बचाया गया। इसी बीच बहादुरगंज और टेढागाछ गश्ती टीम भी उक्त गांव पहुंच गयी। बड़ी तादाद में पुलिस को देखते ही मारपीट करने वाले घर के सभी सदस्य मौके से भाग गये। मामले को लेकर टेढागाछ थाना में 6 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराया गया है। साथ ही पलिस ने हमला करने वाले दो महिला समेत तीन को गिरफ्तार किया है। डायल 112 टीम के घायल पलिसकर्मियों को इलाज के लिए स्वास्थ्य केन्द्र बहादुरगंज लाया गया, जहां से बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया है।

विवाहिता की संसुराल में संदिग्ध स्थिति में मौत ARARIYA : फारबिसगंज थाना संख्या 13 ढोलबज्जा हाई स्कूल के समीप 30 साल की संदिग्ध हालत में एक विवाहिता की मौत हो गई। घटना बीती देर रात की है। सूचना के बाद रात में ही फारबिसगंज थाना

पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में ले लिया। रातभर शव के देखरेख के लिए एक चौकीदार की प्रतिनियुक्ति कर दी गई। सोमवार की सबह फिर पलिस गांव पहुंचकर मामले की तफ्तीश में जुट गई और शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। सचना के बाद कसार्कांटा के पहंसी पंचायत के हरिपुर गांव मायके से विवाहिता के पिता बलदेव मंडल,भाई मुन्ना कुमार मंडल, मां शीला देवी ढोलबज्जा गांव पहुंची

और ससुराल वालों पर बेटी की

हत्या का आरोप लगाया।

खुशखबरी : गया के लाल को विदेश में मिला बड़ा जिम्मा

मनोज बिहारी वर्मा बने लाइबेरिया गणराज्य के राजदूत

बिहार के गया का टनकुप्पा गांव आज से 15 साल पहले नक्सल प्रभावित क्षेत्र था। यह वही क्षेत्र है जहां 2002 में नक्सलियों ने थाना भवन को बम लगा कर उड़ा दिया था। नक्सल प्रभावित होने के बावजूद यहां के कई लोगों की मेहनत धैर्य और संघर्ष भरी कहानी है। जिन्होंने अपनी मेहनत से सफलता प्राप्त की है, इन्हीं में से एक नाम मनोज बिहारी वर्मा का भी है। नक्सल प्रभावित होने के बावजूद मनोज बिहारी वर्मा ने ना तो मेहनत में कमी की और ना ही उच्य शिक्षा प्राप्त करने में पीछे रहे। टनकुप्पा प्रखंड के टनकुप्पा गांव के रहने वाले मनोज बिहारी वर्मा एक किसान के पुत्र हैं। हालांकि उनकी सफलता जिला और राज्य के लिए प्रेरणा है। मनोज बिहारी



वर्मा को लाइबेरिया गणराज्य साउथ अफ्रीका में भारतीय राजदूत के पद पर नियुक्त किया गया हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जब गांव का कोई बेटा पढ़ाई कर बड़े पद पर नौकरी कर लेता है, तो माता-पिता के साथ ही परिजन, समाज और गांव का भी सिर गर्व से ऊंचा होता है। मनोज बिहारी ने गांव के स्कूल में मैट्रिक तक की पढ़ाई की है, उसके आगे की पढ़ाई गया और दूसरी



जगहों पर हुई है। मनोज बिहारी वर्मा वर्तमान में भारतीय उच्चायोग दार एस सलाम में उच्चायुक्त के पद पर कार्यरत हैं। मनोज बिहारी 1997 में विदेश मंत्रालय में सरकारी सेवा में आए थे। मनोज बिहारी ने सऊदी अरब, रूस अमरीका, सुडान और माली समेत कई देश में भारतीय मिशन मैं विभिन्न पदों पर काम किया है। मनोज बिहारी ने मुख्यालय में संयुक्त राष्ट्र परभाग, पीआई, पाकिस्तान अफगानिस्तान ईरान परभाग एवं प्रशासन विभाग में महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। इसके अलावा विभिन्न मिशनों में प्रशासन, राजनीतिक, वाणिज्यिक और सांस्कृतिक मामलों में बखुबी अपनी जिम्मेदारियों को निभाया है। वहीं 6 जनवरी को भारतीय राजदूत बनकर वह लाइबेरिया गणराज्य जाकर अपना योगदान देंगे।

कृषि मंत्रालय में मिली थी पहली नौकरी

उन्होंने इंटर साइंस की पढ़ाई महेश सिंह यादव कॉलेज गया से की और फिर स्नातक की पढ़ाई जगजीवन कॉलेज मगध विश्वविद्यालय बोधगया से की थी। मनोज बचपन से पढ़ने में काफी मेधावी रहे, उन्होंने विज्ञान में प्रथम श्रेणी से स्नातक की डिग्री प्राप्त की थी। पहले नौकरी उन्हें कृषि मंत्रालय में लगी और इसके बाद सफलता का दौर आगे बढ़ता गया। साल 1997 में विदेश मंत्रालय में नौकरी मिली, वर्तमान में इनके परिवार का कोई सदस्य गांव में नहीं रहता है, भाई भी नाराजी में हैं। गांव के नरेश वर्मा ने कहा कि मनोज बिहारी का परिवार क्षेत्र के लिए मिसाल है। किसान के पुत्र होने के साथ वह नक्सल प्रभावित क्षेत्र के थे। इसके बावजूद उनके परिवार ने मिसाल कायम की है। मनोज बिहारी की दो बेटियां और एक बेटा है।

शतरंज प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए टीम पटना खाना

KISHANGUNJ : पटना के गोला रोड अवस्थित होटल डायमंड इन्न में आज प्रथम डायमंड कप ऑल इंडिया ओपन फिडे रेटिंग चेस ट्नामेंट 2024 प्रारंभ है, जिसका समापन श्क्रवार को होगा। कुल 4,00000 की इस इनामी शतरंज प्रतियोगिता में बिहार, पश्चिम बंगाल, झारखंड, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, राजस्थान सहित देश के विभिन्न हिस्सों से कुल 308 खिलाड़ीगण आपस में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। इसमें अपने जिले के 3 खिलाड़ी भी शामिल हो चुके हैं। जिन्हें जिला शतरंज द्वारा अपने गंतव्य पटना की ओर रवाना किया गया। उपरोक्त जानकारी संघ के मानद महासचिव शंकर नारायण दत्ता एवं वरीय संयुक्त सचिव तथा संघ के लर्निंग पार्टनर चेस क्रॉप्स के प्रमुख एवं खिलाड़ियों के कोच कमल कर्मकार ने दी।

आदित्य हत्याकांड का पुलिस ने किया उद्भेदन, दो लोग अरेस्ट

AGENCY CHAMPARAN:

पिछले सोमवार 9 दिसंबर को बगहा के कैलाशनगर में गंडक नदी के किनारे बालू में मिले बोरवल निवासी नाबालिक आदित्य सोनी हत्याकांड का पुलिस ने एक सप्ताह के भीतर उद्भेदन करते हुए दो हत्यारोपियों को गिरफ्तार किया है। इसकी जानकारी पुलिस अधीक्षक,बगहा सुशांत कुमार सरोज ने पुलिस कार्यालय में सोमवार को पत्रकार वार्ता में दी। एसपी ने बताया कि दोनों आरोपी मृतक आदित्य के दोस्त एवं नाबालिक हैं ,जिनके द्वारा प्रेम प्रसंग में हत्या की बात स्वीकार कर ली गई है। आरोपियों के निशानदेही पर पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त किये गये चाकु और मृतक के अधजले जैकेट बरामद कर लिया है। जानकारी हो कि 9 दिसंबर को कैलाशनगर में गंडक नदी के किनारे अज्ञात शव मिलने से बगहा शहर में सनसनी फैल गई थी। हालांकि शव



को देखने से मामला हत्या का प्रतीत हो रहा था कि मृतक की निर्मम हत्या सुनियोजित ढंग से की गयी है। पुलिस मामले में पटखौली थाना में कांड सं. 182/24 अज्ञात के विरूद्ध दर्ज कर शव की शिनाख्त में जुट गई। पुलिस के प्रयास तथा स्थानीय लोगों के सहयोग से अगले दिन मंगलवार को शव की पहचान पठखौली थाना अंतर्गत बरवल निवासी सुनिल कुमार सोनी के 17 वर्षीय पुत्र आदित्य कुमार के रूप में की गयी, जिसके उपरांत एसपी सुशांत कुमार सरोज के निर्देश पर बगहा एसडीपीओ कुमार देवेंद्र के नेतृत्व में एसआईटी की टीम कांड के उद्भेदन में जुट गयी।



मोटापे की कट्टर दुशमन है

दलिया का सेवन स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद होता है। विटामिन और प्रोटीन से भरपूर दलिया खाने से न केवल वजन कम होता है बल्कि आप कई बीमारियों से दूर रहेंगे।बता दें, मोटे अनाज के दानेदार चूरे को दलिया कहते हैं। इसमें मौजूद पोषक तत्व लो कैलोरी, फाइबर, कैल्शियम, मैग्नीशियम, फास्फोरस, थायमिन, फोलेट, पोटेशियम, कार्बोहाइड्रेट, जिंक, मिनरल्स, विटामिन और आयरन हेल्दी और स्वस्थ बनाते हैं।अगर आप अपनी डाइट में सिर्फ एक कटोरी दलिया का सेवन करते हैं तो इससे आपकी सेहत को क्या क्या फायदे हो सकते हैं चलिए हम आपको बताते हैं-

दलिया खाने से ये बीमारियां रहेंगे कोसों दूर-सेहतमंद दिल- दिलया में मौजूद फाइबर, प्रोटीन, और एंटीऑक्सीडेंट दिल की सेहत के लिए फायदेमंद हैं। दलिया कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करने में मदद करता है जिससे हार्ट डिजीज का रिस्क काफी कम हो जाता है।

वजन होगा कम- अगर वजन तेजी से बढ़ रहा है तो डाइट में दलिया ज़रूर शामिल करें। दिलया फाइबर से भरपूर होता है और वजन को कम करने में मदद करता है। इसके सेवन से लंबे समय तक भख नहीं लगती है।

डायबिटीज कंट्रोल- दलिया में लो ग्लाइसेमिक इंडेक्स पाया जाता है जो डायबिटीज के मरीजों के लिए बेहद फायदेमंद है। इसका सेवन ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में मदद

पाचन होता है बेहतर- दिलया पाचन को सुधारने में मदद कर सकता है क्योंकि ये कब्ज को कम करने में मदद करता है और आपके पेट में सारे पोषण को अच्छी तरह से सोख लेता है।

कोलेस्ट्रॉल होगा कम- दलिया में मौजूद फाइबर बैड कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने में बेहद असरदार है। दलिया कोलेस्ट्रॉल को कम करके दिल से जुड़ी बीमारियों के खतरे को भी कम करता है।

दिलया खाने का सही समय-

दिलया सुबह और शाम के नाश्ते में खाना चाहिए। सुबह के समय दलिया खाने से दिनभर ऊर्जावान महसूस करेंगे साथ ही शाम के समय नाश्ते में दलिया खाने से आपको रात के समय ज्यादा भूख नहीं लगेगी।



क्या बुढ़ापे से जवानी और फिर बचपन में

लोट सकता है इंसान?

जानिए रिवर्स एजिंग क्या है

हम सभी उम्र बढने की प्रक्रिया से गजरते हैं। जैसे-जैसे हम बडे होते हैं. हमारी त्वचा ढीली पड़ने लगती है, बाल सफेद हो जाते हैं, और शारीरिक क्षमता भी कम होने लगती है। लेकिन क्या आपने कभी सना है कि वैज्ञानिक अब बुढ़ापे की प्रक्रिया को उलटने के तरीके खोज रहे हैं? जी हां, रिवर्स एजिंग का मतलब बुढ़ापे से जवानी की ओर लौटना है और यह एक दिलचस्प शोध का हिस्सा बन चुका है।

रिवर्स एजिंग क्या है?

रिवर्स एजिंग एक वैज्ञानिक प्रक्रिया है, जिसमें बुढ़ापे को धीमा करने या उलटने की कोशिश की जाती है। सरल शब्दों में कहें तो, यह एक ऐसी अवधारणा है जिसके तहत इंसान का शरीर बुढ़ापे से फिर से युवा अवस्था में लौट सकता है। भले ही यह सोच पहले असंभव सी लगती थी, लेकिन अब वैज्ञानिक इस पर गंभीरता से काम कर रहे हैं। आजकल के विज्ञान और तकनीक के कारण बुढ़ापे के लक्षणों को धीमा करने या उलटने के लिए कुछ उपायों पर काम हो रहा है। इनमें जेनेटिक इंजीनियरिंग, स्टेम सेल थेरेपी, और अन्य नई तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है।

उम्र बढने का कारण

हमारी उम्र बढ़ने की प्रक्रिया मुख्य रूप से हमारे

डीएनए में होने वाले बदलावों के कारण होती है। जैसे-जैसे समय बीतता है, हमारे डीएनए में क्षति होती जाती है, जिससे हमारी कोशिकाएं ठीक से काम नहीं कर पातीं। साथ ही, हमारे शरीर में मुक्त कण भी बनते हैं, जो कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाते हैं और उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को तेज करते हैं।

रिवर्स एजिंग के तरीके

वैज्ञानिक रिवर्स एजिंग के लिए कई तरह के तरीकों पर काम कर रहे हैं। चलिए जानते हैं कुछ प्रमुख तरीकों के बारे में-

स्टेम सेल थेरेपी

स्टेम सेल्स उन कोशिकाओं को कहते हैं, जो किसी भी प्रकार की कोशिका में बदलने की क्षमता रखती हैं। इस थेरपी से शरीर के पुराने और कमजोर अंगों की मरम्मत की जा सकती है, जिससे शरीर फिर से ताजगी महसूस करता है।

जेनेटिक इंजीनियरिंग

शोधकर्ताओं ने पाया है कि कुछ खास जीन होते हैं, जिन्हें सक्रिय करके हम शरीर की कोशिकाओं को फिर से जवान बना सकते हैं। अगर इन जीनों को सही तरीके से एक्टिव किया जाए, तो शरीर के अंग और कोशिकाएं फिर से काम करने की क्षमता हासिल कर सकती हैं। टेलोमेरेज और टेलोमर्स

हमारी कोशिकाओं के अंदर एक संरचना होती है, जिसे टेलोमेरेज कहते हैं। जैसे-जैसे हम बडे होते हैं. टेलोमेरेज की लंबाई कम हो जाती है और कोशिकाओं का बंटवारा धीमा पड जाता है। लेकिन अगर इसे फिर से लंबा किया जाए, तो कोशिकाएं जवानी की स्थिति में लौट सकती हैं।

एंटीऑक्सीडेंट

एंटीऑक्सीडेंट शरीर में बनने वाले मुक्त कणों से लड़ने में मदद करते हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि एंटीऑक्सीडेंट का उपयोग करके हम उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा कर सकते हैं।

कैलोरी रिस्टीक्शंस

कई शोधों में यह पाया गया है कि कैलोरी रिस्ट्रीक्शंस (खाने की मात्रा में कमी) से उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा किया जा सकता है। यह शरीर में सुधार लाने के लिए सहायक हो सकता है।

रिवर्स एजिंग का शोध अभी प्रारंभिक चरण में है, लेकिन इसके परिणामों से हमें उम्मीद है कि भविष्य में यह हमारे जीवन को बेहतर बना सकता है। हालांकि, अभी भी इस प्रक्रिया को पूरी तरह से लागू करने के लिए और अधिक अनुसंधान की आवश्यकता है। लेकिन ये नए वैज्ञानिक प्रयास एक दिन हमें उम्र बढने की प्रक्रिया को रोकने या उसे उलटने में मदद कर सकते हैं।



हर्बस क्यों हैं खास?

हर्बुस से बने हेयर कलर पूरी तरह नैचुरल और केमिकल फ्री होते हैं। यह बालों को किसी भी प्रकार के नुकसान से बचाते हैं और उन्हें पोषण देते हैं। हर्ब्स से बालों की ग्रोथ में सुधार होता है, वे मजबूत बनते हैं और उनमें प्राकृतिक चमक भी आती है। साथ ही, हर्ब्स से बना रंग लंबे समय तक टिकता है और बालों को हेल्दी व खूबसूरत बनाता है। इन नैचुरल हेयर कलर के इस्तेमाल से आप अपने लुक को बेहतर बना सकती हैं, बिना बालों को नुकसान पहुंचाए। अगर आप भी अपने बालों को नेचुरली कलर करना चाहती हैं, तो इन हर्बल तरीकों को अपनाएं और बालों को खुबसुरत व सेहतमंद बनाएं।



लौंग का पानी पीने के फायदे

अगर आप सुबह लौंग का पानी पीते हैं तो इससे शरीर को कई फायदे मिलते हैं। लौंग में एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं जो पानी में घुलकर शरीर तक पहुंचते हैं और कई लाभ पहुंचाते हैं।लौंग का पानी पीने से हमारें शरीर में पाए जाने वाले त्रिदोष को भी बैलेंस किया जा सकता है।

सुबह लौंग का पानी पीने से क्या फायदा होता है?

वात, पित्त और कफ रहेगा बैलेंस– आयुर्वेद में सारी बीमारियों की जड़ वात, पित्त और कफ को माना जाता है। वात पित्त और कफ का बैलेंस बिगड़ने पर कई तरह की बीमारियां पैदा होती हैं। खासतौर से इससे पेट, गले, नाक और त्वचा की समस्याएं हो सकती हैं। त्रिदोष को बैलेंस करने में लौंग का पानी असरदार साबित होता है। इससे पाचन में सुधार आएगा और पेट ठंडा रहेगा। लौंग का पानी पीने से पेट की जलन और एसिडिटी कम

पाचन में सुधार आएगा– जो लोग सुबह खाली पेट लौंग का पानी पीते हैं उनका पाचन तंत्र मजबूत बनता है। इस पानी से पेट की बीमारी जैसे गैस, एसिडिटी, ब्लोटिंग और अपच दूर होती है। पाचन प्रक्रिया में सुधार आता है। लौंग का पानी पीने से शरीर में एंजाइम बढ़ते हैं जिससे खाना पचाने में आसानी होती है।

प्यास और जलन कम करे – अगर आपको बहुत प्यास लगती है और पेट में जलन की शिकायत होती है तो आप लौंग का पानी पी सकते हैं।भले ही लौंग तासीर में गर्म होती है लेकिन लौंग का पानी ठंडक देने वाला हो जाता है। इससे प्यास कम लगती है और पेट में होने वाली जलन भी दूर होती है। लौंग का पानी पीने से शरीर हाइड्रड रहता ह।

वजन घटाने में मदद- सुबह खाली पेट लौंग का पानी पीने से मेटाबॉलिज्म तेज होता है। इससे वजन घटाने में मदद मिलती है।भूख कम लगती है और ओवरईटिंग पर भी कंट्रोल किया जा सकता है । लौंग में ऐसे तत्व पाए जाते हैं जो फैट को तेजी से बर्न करने में मदद करते हैं। इसलिए मोटापा घटाने का प्रयास करने वाले लोग लौंग का पानी पी सकते हैं।

इम्यूनिटी बढ़ाए– रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में लौंग का पानी असरदार साबित होता है । इससे इम्यून सिस्टम मजबूत होता है। खासतौर से बदलते मौसम में सर्दी – जुकाम और खांसी कफ जैसी समस्याओं में राहत मिलती है। लौंग में एंटीबैक्टीरियल और एंटीवायरल गुण होते हैं जो किसी भी इंफेक्शन से बचाने में मदद करते हैं।इससे मौसमी बीमारियों दूर रहती है।

हर्ब्स की मदद से बनाएं नेचुरल हेयर कलर, जाने आसान और सेहतमंद तरीका

बालों को नेचुरली कलर करना अब मुश्किल नहीं है। आप हर्ब्स की मदद से घर पर ही ऐसा हेयर कलर तैयार कर सकती हैं, जो न केवल आपके बालों को खूबसूरत रंग देगा, बल्कि उन्हें पोषण भी प्रदान करेगा। हर्ब्स से बने हेयर कलर केमिकल-फ्री होते हैं और बालों को मजबृत, शाइनी और हेल्दी बनाते हैं। यह खासतौर से उन लोगों के लिए सही है, जो अपने लुक में बदलाव तो चाहते हैं लेकिन बालों को नुकसान पहुंचाने वाले केमिकल्स से बचना चाहते हैं।

हिना से बनाएं नेचुरल हेयर कलर

हिना बालों को नेचुरली कलर करने के लिए सबसे पुराना और प्रभावी विकल्प है। यह बालों को डीप रेड या बरगंडी शेड देने के साथ-साथ उन्हें मजबूत और टेक्सचर में सुधार करता है।

हेयर कलर बनाने के लिए हिना पाउडर को गर्म पानी या चाय के साथ मिलाकर चिकना पेस्ट तैयार करें। इसमें नींबृ का रस या टी टी ऑयल मिलाकर इसे और भी पौष्टिक बनाएं। इस पेस्ट को बालों पर समान रूप से लगाएं और 1-3 घंटे तक सूखने दें। इसके बाद गुनगुने पानी से धो लें, लेकिन तुरंत शैम्पू का इस्तेमाल करने से बचें ताकि रंग बालों में अच्छी तरह से

आंवला से बालों को दें प्राकृतिक चमक

आंवला बालों के नेचुरल कलर को निखारने और उन्हें सिल्की व शाइनी बनाने में मदद करता है। आंवला पाउडर को पानी में मिलाकर एक चिकना पेस्ट बनाएं और इसे बालों पर लगाएं। पेस्ट को

एक घंटे तक बालों पर छोड़ दें। अगर आप बालों को और भी गहरे रंग का टच देना चाहती हैं, तो आंवला पेस्ट में हिना पाउडर मिलाएं। यह आपके बालों को प्राकृतिक चमक और मजबूती प्रदान करेगा, साथ ही बालों की ग्रोथ में भी मदद करेगा।

रूबर्ब रूट से पाएं हल्का गोल्डन शेड अगर आप अपने बालों को हल्का गोल्डन या रेडिश टोन देना चाहती हैं, तो रूबर्ब रूट एक बेहतरीन विकल्प है। यह लाइट बालों पर खासतौर से अच्छा असर दिखाता है और उनकी शाइन बढाता है। रूबर्ब रूट को 20-30 मिनट तक पानी में उबालें और फिर इसे ठंडा होने दें। इस लिक्किड को बालों पर लगाएं और करीब एक घंटे के लिए छोड़ दें। बाद में गुनगुने पानी से बाल धो लें। यह आपके बालों को खूबसूरत रंग और पोषण दोनों प्रदान



ब्लैकहेड्स से छुटकारा पाने के 5 प्रभावी घरेलू उपाय और टिप्स!

porosity और तेल उत्पादन के कारण होते हैं। ये तब बनते हैं जब रोमछिद्रों में जमा हुआ तेल, गंदगी, मृत त्वचा कोशिकाएं और बैक्टीरिया हवा के संपर्क में आकर काले हो जाते हैं। ब्लैकहेड्स आपकी त्वचा को बेजान बना देते हैं। ब्लैकहेड्स की समस्या को दूर करने के लिए कई उपाय हैं, जिनमें से कुछ आसान घरेलू उपचार भी हैं। यहां कुछ प्रभावी टिप्स और घरेलू उपचार दिए गए हैं जिनसे आप

ब्लैकहेड्स से छुटकारा पा सकते हैं-

हल्दी और बेसन का फेस पैक

हल्दी और बेसन एक प्राकृतिक एंटीबैक्टीरियल और एंटीफंगल हैं, जो त्वचा को साफ करने में मदद करते हैं।

1. (1) चम्मच बेसन में 1/2 चम्मच हल्दी और थोड़ी सी दही 2. इस मिश्रण को चेहरे पर लगाएं और सूखने तक छोड़ दें।

3. सूखने के बाद हल्के हाथों से स्क्रब करें और फिर पानी से धो लें। यह पैक त्वचा को गहराई से साफ करता है और ब्लैकहेड्स को कम

अंडे का सफेद भाग और नींबू का रस मास्क

नींबू में सिट्टिक एसिड होता है जो त्वचा को एक्सफोलिएट करता है, जबकि अंडे का सफेद भाग त्वचा को हाइड्रेट करता है।

1. (1)अंडे का सफेद भाग, 1 चम्मच नींबू का रस

2. अंडे की सफेदी को सख्त होने तक फेटें, उसमें नींबू का रस मिलाएं और अपने चेहरे पर लगाएं। सूखने तक लगा रहने दें और फिर धीरे से छील लें।

3. नताशा ने कहा, ÷अंडे का सफेद भाग रोमछिद्रों को कसता है

ब्लैकहेड्स एक आम समस्या है, खासकर चेहरे पर, जो त्वचा की और अतिरिक्त तेल को हटाता है, जबकि नींबू का रस त्वचा को करें। चमकदार बनाने में मदद करता है।÷

> स्टीम (भाप) लें स्टीम लेने से त्वचा के रोमछिद्र खुल जाते हैं, जिससे ब्लैकहेड्स को निकालना आसान हो जाता है।

1. एक बर्तन में पानी गर्म करें और उसका भाप चेहरे पर लें।



2. ध्यान रखें कि पानी ज्यादा गर्म न हो, ताकि त्वचा जल न जाए। 3. स्टीम लेने के बाद चेहरे को ठंडे पानी से धोकर रोमछिद्रों को बंद

करलें। चीनी और शहद स्क्रब

चीनी त्वचा की मृत कोशिकाओं को हटाने के लिए एक बेहतरीन स्क्रब है, जबकि शहद त्वचा को मुलायम बनाता है और उसकी नमी

1. 1 चम्मच चीनी और 1 चम्मच शहद मिलाकर एक स्क्रब तैयार

2. इसे चेहरे पर हल्के हाथों से रगड़ें और फिर गुनगुने पानी से धो लें। 3. यह स्क्रब ब्लैकहेड्स को हटाने में मदद करता है और त्वचा को

टी ट्री ऑयल एक प्राकृतिक एंटीबैक्टीरियल और एंटीफंगल एजेंट है, जो ब्लैकहेड्स को रोकने में सहायक है।

1. (1-2) बूंदें टी ट्री ऑयल को एक कॉटन पैड पर डालें और उसे प्रभावित क्षेत्र पर लगाएं। 2. इसे रातभर छोड़ें और सुबह अपने चेहरे को धो लें। टी ट्री ऑयल

त्वचा को साफ रखता है और ब्लैकहेड्स के निर्माण को रोकता है।

1. चेहरे को नियमित रूप से धोएं-दिन में दो बार फेसवॉश से चेहरे को धोने से अतिरिक्त तेल और गंदगी हट जाती है, जिससे ब्लैकहेड्स की संभावना कम होती है।

2. कॉमेडोजेनिक उत्पादों से बचें-ऐसे स्किनकेयर और मेकअप उत्पादों का उपयोग न करें जो त्वचा के रोमछिद्रों को बंद कर सकते हैं।

3. संतुलित आहार लेंऱ्खानपान में विटामिन, और ओमेगा-3 फैटी एसिड्स को शामिल करें, जैसे कि गाजर, टमाटर, मछली आदि, जो त्वचा को स्वस्थ बनाए रखते हैं।

ब्लैकहेड्स से छुटकारा पाना समय और धैर्य की बात है। इन घरेलू उपचारों को नियमित रूप से अपनाकर आप ब्लैकहेड्स को कम कर सकते हैं और अपनी त्वचा को साफ और निखरा हुआ रख सकते हैं। यदि समस्या अधिक बढ़ जाए तो त्वचा विशेषज्ञ से सलाह लेना भी फायदेमंद हो सकता है

अडानी पर अटकी कांग्रेस

महाराष्ट्र और झारखंड के बाद अब बारी दिल्ली विधानसभा चुनाव की है। और अब इसमें को दो राय नहीं कि यहां दो बार से लगातार जीतती आ रही आम आदमी पार्टी इस बार भी चुनाव रणनीति से लेकर प्रचार के मामले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस दोनों पर बढ़त बनाए हुए है। लेकिन, यहां सबसे बड़ा सवाल यह है कि राहुल गांधी कांग्रेस को मजबूत बनाने के लिए कश्मीर से कन्याकुमारी की खाक छानते हैं, लेकिन उनकी नाक के नीचे दिल्ली में जहां कभी शीला दीक्षित की अगुवाई में कांग्रेस ने 15 साल तक राज किया, उसी दिल्ली को राहुल गांधी ने क्या इस बार भी आम आदमी पार्टी की झोली में डालने का मन बना लिया और ऐसा हम इसलिए कह रहे हैं, क्योंकि दिल्ली में इस बार जो चनाव होंगे तो खद केजरीवाल और उनके कई नेता भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों से घिरे हैं। ऐसे में भाजपा के साथ ही कांग्रेस के लिए एक मौका है। लेकिन, लगता है कि कांग्रेस ने एक रणनीति के तहत केजरीवाल के सामने अचानक सरेंडर कर दिया है। मौजदा स्थिति में कांग्रेस केवल अडानी के मुद्दे पर ही अटक सी गई है। कांग्रेस किसी भी स्तर के चुनाव के लिए संबंधित राज्य या अन्य किसी घटनाक्रम पर कोई चर्चा नहीं कर रही। यदि दिल्ली के परिवेश में चर्चा करें तो अब भी कांग्रेस ने दिल्ली की समस्याओं से संबंधित या चुनावी रणनीति के तहत अब तक कोई बयान नहीं दिया। राहुल गांधी के साथ अब लोकसभा में वायनाड से चुनाव जीतकर एंट्री करने वाली प्रियंका गांधी भी आक्रामक शैली अपनाती रही हैं, लेकिन समस्या यह है वह भी केवल अडानी के मुद्दे पर ही बात कर रही हैं। यहां दोनों नेताओं को यह समझना पड़ेगा कि देश में आम जनता को अपने से जुड़े मुद्दे समझ में आते हैं। अडानी के मामले से किसी आमजन को किसी भी प्रकार का सरोकार नहीं है और किसी भी घटनाक्रम की सीमा होती है। हर रोज प्रेस कॉन्फेंस में या भाषण में एक ही बात को करना जनता को समझ नहीं आ रहा। दरअसल कांग्रेस बीते लगभग तीन वर्षों में किसी भी राज्य व लोकसभा चुनाव में जितनी ऊर्जा के साथ लड़ी, उतनी ऊर्जा दिल्ली के परिवेश में नहीं दिख रही। इस बात को लेकर हर कोई आश्चर्यचिकत है कि कांग्रेस ऐसा क्यों कर रही है। कुछ राजनीतिक विश्लेषकों का यह भी मानना है कि यह चनाव कांग्रेस और आम आदमी पार्टी का अघोषित गठबंधन भी हो सकता है। यहां अघोषित गठबंधन से अभिप्राय यह है कि वह खुले तौर पर एक दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ेंगे, लेकिन कांग्रेस केवल नाम मात्र के लिए ही चुनाव लड़ेगी। आज के दौर में इसका सबसे बड़ा उदाहरण मायावती के रूप में देखा जा सकता है। इसके अलावा कांग्रेस के बड़े चेहरे भी आम आदमी पार्टी व भाजपा में शामिल हुए। कांग्रेस के दिल्ली के पूर्व अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली का भाजपा में शामिल होना एक बड़ा घटनाक्रम माना जा रहा है। लवली कांग्रेस की रीढ़ की हड्डी माने जाते थे। राहुल गांधी के करीबी दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव करीब एक महीने से न्याय यात्रा निकाले हुए हैं, लेकिन राहुल ने अब तक इसमें हिस्सा ही नहीं लिया है, जबिक इस न्याय यात्रा को लेकर कांग्रेस ने शुरूआत में खुब हवा बनाई थी। जैसे-जैसे समय बीत रहा है कांग्रेस जमीन पर कुछ खास करती हुई नजर नहीं आ रही है। दरअसल इस बार के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने पहले से अच्छा प्रदर्शन किया था और माना गया कि मुस्लिम मतदाताओं का रुझान कांग्रेस की ओर बढ़ रहा है और जहां तक बात दिल्ली में मुस्लिम मतदाताओं की है तो वो करीब 11-12 फीसद हैं और 70 विधानसभा सीटों में से आठ तो मुस्लिम बाहुल्य हैं, वह 35 से 60 फीसद तक हैं। आम आदमी पार्टी के उदय से पहले यहां कांग्रेस जीतती रही है। ऐसे में इस बार कांग्रेस को फिर से वापसी का प्रयास करना चाहिए था। उसे कामयाबी भी मिल सकती थी, क्योंकि 2015 और 2020 के चुनाव में कांग्रेस को शुन्य सीटें मिली थीं। ज्ञात हो कि यह वहीं कांग्रेस और आदमी पार्टी है, जो 2013 के विधानसभा चुनाव में एक-दूसरे को गाली देते हुए लड़े और जब लगा कि भाजपा सत्ता में आ सकती है तो दोनों एक हो गए लेकिन इनका साथ 50 दिन तक भी नहीं चला। तब कांग्रेस को 24 फीसदी से अधिक वोट मिले थे। इसके बाद जो हुआ उसका आंकड़ा गौर करने वाला है। 2015 में कांग्रेस का वोट फीसद दस के करीब रहा और 2020 में कांग्रेस का आंकड़ा गिरकर पांच फीसद के करीब आ गया। इधर भाजपा का वोट प्रतिशत तीस फीसद या उससे ज्यादा बना हुआ है, जबकि आम आदमी पार्टी का वोट फीसद 53 प्रतिशत से ज्यादा हो चुका है। देखा जाए तो क्या दिल्ली में भाजपा को दर रखने के लिए कांग्रेस ने आम आदमी पार्टी के साथ डील कर ली है। ऐसी डील पहले भी होती रही है और लोकसभा चुनाव में भी दोनों ने दिल्ली में मिलकर लड़ा था। हालांकि दोनों को एक भी सीट नहीं मिल पाई थी। इसके अलावा फ्रांसीसी अखबार में छपी इस रिपोर्ट के आधार पर भाजपा के सांसदों ने कांग्रेस को सदन में घेरा। भाजपा के सांसदों ने कांग्रेस और विपक्ष के नेता पर विदेशी हस्तक्षेप को बढ़ावा देने का आरोप लगाया है। सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने ओसीसीआरपी का मुद्दा जमकर उठाया और विपक्ष पर कई गंभीर आरोप भी लगाए। उन्होंने कहा कि जब भी संसद का सत्र चल रहा होता है, उसी समय विदेश में कोई ना कोई रिपोर्ट सामने आ जा जाती है। इसमें कांग्रेस की कोई चाल नजर आती है। बहरहाल, दिल्ली विधानसभा चुनाव में किस तरह के किरदार अपनी उपस्थिति दर्ज करवाएंगे, यह तस्वीर अभी साफ नहीं है।

दिल्ली विधानसभा चुनाव भाजपा के लिए बड़ी चुनौती



माना गया कि महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, झारखंड इत्यादि अनेक राज्यों में सत्ताधारी पार्टी की वापसी का एक आधार महिलाओं को सीधे हर महीने पैसे देना था। इसीलिए दिल्ली की आआपा सरकार ने पहले की घोषणाओं के साथ-साथ 12 दिसंबर को दिल्ली में हर महिला को हर महीने एक हजार रुपये देने का फैसला किया। जिन आर्थिक लाभों के लिए उनकी आलोचना होती थी, खुलेआम उसे रेवड़ी कह कर प्रचारित किया जा रहा है। अपने समर्थकों के लिए तरह-तरह के वायदे किए जा रहे हैं। बावजूद इसके, अपनी जीत सुनिश्चित करने के लिए पार्टी ने थोक में अपने विधायकों का टिकट काटकर दूसरे दलों से आए नेताओं को टिकट देना शुरू किया है। अब सभी 70 सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा हो चुकी है। इनमें बहुत से उम्मीदवार नए और दूसरे दलों से आए नेता हैं। बावजूद इसके, सत्ता की दावेदार भाजपा आक्रामक होने के बजाय केजरीवाल के एजेंडे पर ही अब तक चलती दिख रही है। न तो भाजपा अभी तक अपना मुख्यमंत्री का उम्मीदवार घोषित कर पाई, न ही चुनाव अभियान को अपने एजेंडे पर लाने का कोई ठोस प्रयास किया है।

वाले दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा के आदमी पार्टी (आआपा) के संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की छवि को ध्वस्त करने की सबसे बड़ी चुनौती है। आआपा परी तरह से केजरीवाल की पार्टी है। यह बार-बार साबित हो चुका है कि इस पार्टी में केजरीवाल के अलावा किसी की कोई राजनीतिक औकात नहीं है। चाहे खुद केजरीवाल ने जिन्हें पार्टी से बाहर किया या जो खुद कोई कारण बताकर बाहर हुए, वे अपना कोई ठोस आधार नहीं बना पाए। शराब घोटाले में केजरीवाल समेत आआपा के अनेक आला नेताओं के जेल जाने के बाद उनकी साख (यूएसपी) पर ही सवाल उठ गए हैं। इसलिए जेल से बाहर आने के साथ केजरीवाल ने वह सभी काम करना शुरू कर दिया, जिससे दिल्ली विधानसभा चुनाव जीता जा सके। माना गया कि महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, झारखंड इत्यादि अनेक राज्यों में सत्ताधारी पार्टी की वापसी का एक आधार महिलाओं को सीधे हर महीने पैसे देना था। इसीलिए दिल्ली की आआपा सरकार ने पहले की घोषणाओं के साथ-साथ 12 दिसंबर को दिल्ली में हर महिला को हर महीने एक हजार रुपये देने का फैसला किया। जिन आर्थिक लाभों के लिए उनकी आलोचना होती थी, खुलेआम उसे रेवड़ी कह कर प्रचारित किया जा रहा है। अपने समर्थकों के लिए तरह-तरह के वायदे किए जा रहे हैं। बावजूद इसके, अपनी जीत सुनिश्चित करने के लिए पार्टी ने थोक में अपने विधायकों का टिकट काटकर दूसरे दलों से आए नेताओं को टिकट देना शुरू किया है। अब सभी 70



नए और दसरे दलों से आए नेता हैं। बावजूद इसके, सत्ता की दावेदार भाजपा आक्रामक होने के बजाय केजरीवाल के एजेंडे पर ही अब तक चलती दिख रही है। न तो भाजपा अभी तक अपना मुख्यमंत्री का उम्मीदवार घोषित कर पाई, न ही चुनाव अभियान को अपने एजेंडे पर लाने का कोई ठोस प्रयास किया है। आआपा का गठन ही भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान आंदोलन चलाने के नाम पर हुआ था। केजरीवाल अपने को और अपनी पार्टी के नेताओं को कट्टर ईमानदार बताते थे। शराब घोटाले में अनेक बड़े नेताओं के जेल जाने के बाद केजरीवाल केंद्र सरकार पर केंद्रीय जांच एजेंसी के दुरुपयोग के आरोप लगाते रहे हैं, लेकिन पहले की तरह भ्रष्टाचार को केंद्रीय मुद्दा बनाकर चुनाव लड़ने को तैयार नहीं दिख रहे हैं। आम आदमी की पार्टी होने के केजरीवाल के दावे को उनकी सरकारी कोठी पर हुए खर्च आदि ने गलत साबित कर दिया है। दिल्ली में तो कांग्रेस हाशिए पर पहुंच गई है, भाजपा भी इसे सबसे बड़ा चुनावी मुद्दा बनाती नहीं दिख रही है। महाराष्ट्र और झारखंड राज्य के चुनाव संपन्न होने के बाद सभी की निगाहें दिल्ली पर लगी

जीतने के बावजूद दिल्ली विधानसभा में भाजपा 1993 के बाद कभी बहुमत में नहीं आ पाई। आआपा ने कांग्रेस को हाशिए पर ला दिया और फ्री बिजली-पानी के नाम पर राजधानी के एक बड़े तबके का भारी समर्थन हासिल किया है। कांग्रेस के नेता तो अपने वजूद को बचाए रखने की लड़ाई लड़ रहे हैं। उनकी राजनीतिक हैसियत जानकर ही आआपा उनसे विधानसभा चनाव में समझौता करने को तैयार नहीं है। लोकसभा चुनाव में समझौता हुआ तो भले ही आआपा या कांग्रेस को कोई सीट न मिली, लेकिन कांग्रेस को 2020 के विधानसभा के मुकाबले चार के बजाय 18 फीसद वोट मिले। केजरीवाल को यह लग रहा होगा कि कांग्रेस से समझौता करके कुछ सीटें देने से उसका दिल्ली में फिर से वजूद बन जाएगा। यह सभी को पता है कि आआपा की बुनियाद ही कांग्रेस के माने जाने वाले मतदाता रहे हैं। हरियाणा के बाद महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव जीतने के बाद से भाजपा के हौसले बुलंद हैं। बावजूद इसके, अब तक वह न तो आक्रामक अभियान चला पा रही है और न ही अपना मुख्यमंत्री का उम्मीदवार घोषित कर पाई है। राजनीति के खेल में कई रिकार्ड

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री बन गए अरविंद केजरीवाल के सामने अपनी और अपनी पार्टी की साख (यूएसपी) बचाने का संकट है। कट्टर ईमानदार होने का दावा करने वाले केजरीवाल और उनकी पार्टी पर भ्रष्टाचार का केवल आरोप नहीं लगा है, बल्कि शराब घोटाले के आरोप में केजरीवाल समेत अनेक बड़े नेता जेल गए। केजरीवाल को भी करीब छह महीने जेल में रहने के बाद इसी 13 सितंबर को सशर्त जमानत मिली। उन्होंने शहीद बनने के अंदाज में अपने पद से इस्तीफा देकर अपनी सहयोगी आतिशी मार्लेन (मार्क्स और लेनिन का संक्षेप) सिंह को मुख्यमंत्री बनाया। घोषणा कर दी कि लोगों की नजरों में आरोप मक्त होने के बाद ही वे और उनसे पहले उसी तरह की शर्तों के साथ जमानत पाए उनके साथ उप मुख्यमंत्री रहे मनीष सिसोदिया कोई सरकारी पद नहीं लेंगे। मुख्यमंत्री बनने के साथ ही आतिशी ने कहा कि वे तो दिल्ली विधानसभा चुनाव तक यानी केवल चार महीने के लिए मुख्यमंत्री हैं। उसके बाद फिर से अरविंद केजरीवाल मुख्यमंत्री बन जाएंगे। वे तो मुख्यमंत्री के दफ्तर में केजरीवाल की कुर्सी के बजाय बगल में दूसरी कुर्सी पर बैठ रही

सिचवालय जा सकते हैं और न ही कोई सरकारी फाइल देख सकते हैं। यही आदेश सुप्रीम कोर्ट ने उनके साथ लंबे समय तक उप मुख्यमंत्री रहे मनीष सिसोदिया को जमानत देते हुए दिए। इससे यह भी साफ हो रहा है कि चाहे आआपा फिर से विधानसभा चुनाव जीत जाए, लेकिन अरविंद केजरीवाल अदालत के आदेश के बिना मुख्यमंत्री नहीं बन सकते हैं। यह तय-सा है कि दिल्ली में आआपा का कोई भी मुख्यमंत्री हो, सरकार अरविंद केजरीवाल के हिसाब से ही चलेगी और चलती हुई दिख रही है। आआपा के इस छोटे से कार्यकाल में अनेक नेताओं पर आरोप लगे। कुछ को तो आआपा ने ही विदा किया और कुछ को कानूनी तरीके से आरोप लगने के बाद विदा किया गया। फर्जी डिग्री के आरोपी जितेंद्र सिंह तोमर को तो भारी विरोध के बाद मंत्री पद से हटाया गया। अवैध धन शोधन के मामने में सतेंद्र जैन की गिरफ्तारी के महीनों बाद विभाग लिए गए। फिर तो शराब घोटाले में पहले मनीष सिसोदिया, सांसद संजय सिंह और फिर खुद केजरीवाल गिरफ्तार हए। 2011 के दिल्ली में भ्रष्टाचार के खिलाफ समाजसेवी अन्ना हजारे के आंदोलन में अक्तूबर 2012 को आम आदमी पार्टी (आआपा) के नाम से राजनीतिक दल बनाकर 2013 में होने वाले दिल्ली विधान सभा चुनाव लड़ना तय किया। अरविंद केजरीवाल की अगुवाई में 2013 का विधानसभा चुनाव लड़ा गया। पहले ही चुनाव में ही बिजली-पानी फ्री का मुद्दा कारगर हुआ। आआपा को 70 सदस्यों वाली विधानसभा में करीब 30 फीसद

एक शर्त यह भी है कि वे न तो

जलवायु परिवर्तन और भारत का दृष्टिकोण

भारत का सह-लाभ दृष्टिकोण विकास लक्ष्यों पर्यावरणीय उद्देश्यों के सरेखित करने का प्रयास करता है। साथ ही जलवायु चुनौतियों का समाधान करते हुए सतत विकास पर ध्यान केंद्रित करता है। आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय लाभों को एकीकृत करके, इस रणनीति का उद्देश्य उत्सर्जन को कम करना और लचीलापन बढाना है। उदाहरण के लिए, जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय कार्ययोजना जैसी पहल इन प्राथमिकताओं को संतुलित करने के लिए भारत की प्रतिबद्धता को दशार्ती है। हम पाते हैं कि सामाजिक लक्ष्यों का पीछा करना आमतौर पर उच्च पर्यावरणीय प्रभावों से जुड़ा होता है। हालांकि देशों के बीच बातचीत बहुत भिन्न होती है और विशिष्ट लक्ष्यों पर निर्भर करती है। दोनों ही बातचीत में कार्बन भूमि और पानी की तुलना में छोटे बदलावों का अनुभव करता है। परिवारों को सस्ती बिजली भी

के पास मानवता के पदचिह्नों को सामाजिक और स्थिरता दोनों के महत्व को देखते हुए यह महत्वपूर्ण है कि एसडीजी के बीच मात्रात्मक बातचीत को अच्छी तरह से समझा जाए. ताकि जहां जरूरत हो, एकीकृत नीतियां विकसित की जा सकें। भारत का सह-लाभ दृष्टिकोण, जो कई मोर्चों पर एक साथ प्रगति के लिए विकास लक्ष्यों को पर्यावरणीय उद्देश्यों के साथ जोड़ता है। भारत का सह-लाभ दृष्टिकोण सामाजिक और आर्थिक विकास को आगे बढ़ाते हुए जलवायु परिवर्तन को संबोधित करता है। जलवायु क्रियाओं को गरीबी में कमी और ऊर्जा पहुंच जैसे लक्ष्यों के साथ जोड़ता है। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना न केवल अक्षय ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देती है, बल्कि कम आय वाले

सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा हो

क्रियाओं को विकास लक्ष्यों के दृष्टिकोण पर्यावरणीय पहलों में सार्वजनिक समर्थन और भागीदारी को बढ़ाता है। पीएम ई-ड्राइव इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए सब्सिडी प्रदान करता है, जिससे शहरी वायु प्रदुषण को सम्बोधित करते हुए उन्हें सुलभ बनाया जा सके और जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम हो सके। जलवायु और विकास लक्ष्यों को एकीकत कर-संसाधनों का अधिक कशलता से उपयोग किया जाता है, जिससे नीति कार्यान्वयन में महत्त्वपूर्ण लागत बचत होती है। प्रदर्शन, उपलब्धि और व्यापार (पीएटी) योजना उद्योगों को ऊर्जा दक्षता में सुधार करने, लागत कम करने और उत्सर्जन को कम करने में मदद करती है। यह दृष्टिकोण कृषि, जल संसाधन और आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में लचीलापन बढ़ाने पर जोर देता है, जो कमजोर आबादी के लिए महत्वपूर्ण हैं। जलवायु परिवर्तन

विशिष्ट कमजोरियों पर ध्यान केंद्रित करती हैं, ग्रामीण और तटीय क्षेत्रों के लिए लक्षित अनुकूलन रणनीतियों सुनिश्चित करती हैं। सह-लाभ जलवायु विकासात्मक चुनौतियों दोनों को सम्बोधित करने वाली नवीन तकनीकों के विकास और तैनाती को प्रोत्साहित करता है। सौर ऊर्जा से चलने वाली सिंचाई प्रणालियों का विकास टिकाऊ कषि का समर्थन करता है और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करता है। इन प्राथमिकताओं को संतुलित करने में इस रणनीति की प्रभावशीलता उत्सर्जन में कमी और आर्थिक विकास के दोहरे लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए बेहतर है। भारत ने आर्थिक विकास को बनाए रखते हुए अपनी उत्सर्जन तीव्रता को कम करने में प्रगति की है, जो सह-लाभ दृष्टिकोण की प्रभावशीलता को प्रदर्शित करता है। भारत ने पेरिस समझौते के तहत अपनी

प्रतिबद्धताओं के अनुसार सकल घरेलू उत्पाद की प्रति इकाई कार्बनडाई ऑक्साइड उत्सर्जन को लगातार कम किया है। यह रणनीति नवीकरणीय ऊर्जा की ओर बदलाव को गति देते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में ऊर्जा पहुंच की खाई को सफलतापूर्वक पाटती है। छतों पर सौर ऊर्जा पहलों ने दुरदराज के गांवों में बिजली पहुंचाई है, जिससे डीजल जनरेटर पर निर्भरता कम हुई है। भारत की रणनीति जलवाय क्रियाओं को निधि देने के लिए घरेलू पहलों पर केंद्रित है। इस आत्मनिर्भरता ने सकारात्मक परिणाम दिखाए हैं। भारतीय कार्बन बाजार उद्योगों में उत्सर्जन में कमी को प्रोत्साहित करने के लिए घरेलू संसाधनों को जुटाता है। जबिक, यह दृष्टिकोण संधारणीय प्रथाओं को बढ़ावा देता है, लेकिन तेज आर्थिक विकास की आवश्यकता कभी-कभी पर्यावरण संरक्षण में समझौता करने की ओर ले जाती है। तत्काल ऊर्जा मांगों को पूरा करने के लिए कोयला आधारित बिजली संयंत्रों का विस्तार शुद्ध-शुन्य लक्ष्यों को प्राप्त करने में चुनौतियां पेश करता है। राज्य कार्ययोजनाओं के माध्यम से विकेंद्रीकृत जलवायु कार्रवाई यह सुनिश्चित करती है कि क्षेत्रीय चुनौतियों और अवसरों को पर्याप्त रूप से संबोधित किया जाए। अहमदाबाद जैसे शहरों में हीट एक्शन प्लान ने अत्यधिक गर्मी के प्रभावों को कम करने में मदद की है. जिससे कमजोर आबादी की रक्षा हुई है। जबकि, सह-लाभ दृष्टिकोण पायलट कार्यक्रमों में प्रभावी रहा है, देशभर में इन पहलों को आगे बढ़ाना एक चुनौती बनी हुई है। राष्ट्रीय इलेक्ट्रिक मोबिलिटी मिशन योजना का लक्ष्य इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने को बढ़ावा देना है, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे का विकास अभी भी पिछड़ा हुआ है। भारत का सह-लाभ दृष्टिकोण जलवायु कार्रवाई को विकास के साथ प्रभावी ढंग से संतुलित करता है।

Social Media Corner

अंतिम समय में क्या परिस्थिति बनती है, यह समय बताएगा।

सच के हक में.

विजय दिवस पर मैं अपने बहादुर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित करतीं हूं जिन्होंने 1971 के युद्ध के दौरान अदम्य साहस का प्रदर्शन करते हुए भारत को जीत दिलाई। कृतज्ञ राष्ट्र हमारे बहादुरों के सर्वोच्च बलिदान को याद करता है जिनकी कहानियां हर भारतीय को प्रेरित करती हैं और राष्ट्रीय गौरव का स्रोत बनी



(राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का 'एक्स' पर पोस्ट)

प्रसिद्ध तबला वादक उस्ताद जाकिर हुसैन जी के निधन पर गहरा दुख हुआ। उन्हें एक सच्चे प्रतिभाशाली व्यक्ति के रूप में याद किया जाएगा जिन्होंने भारतीय शास्त्रीय संगीत की दुनिया में क्रांति ला दी। उन्होंने अपनी अद्वितीय लय से लाखों लोगों को मंत्रमुग्ध करते हुए तबले को वैश्विक मंच पर पहुंचाया।



(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

आदरणीय बाबा के आंदोलन के साथी, वरिष्ठ अधिवक्ता, झामुमो परिवार के स्तंभ और मेरे अभिभावक स्वरूप आदरणीय श्री विजय सिंह जी के निधन की खबर से अत्यंत मर्माहत हूं। सौम्य और सरल स्वाभव के धनी आदरणीय विजय जी ने झामुमो परिवार और दुमका की जनता की सेवा के लिए अपना पूरा जीवन लगा दिया था। उनका चले जाना मेरे लिए व्यक्तिगत क्षति है। मरांग बुरु दिवंगत आत्मा को शांति

प्रदान कर शोकाकुल परिवार को दुःख की यह घड़ी सहन करने की शक्ति दे। इस दुःख की घड़ी में पूरा झामुमो परिवार शोकाकुल परिवार के साथ खड़ा है।

(सीएम हेमंत सोरेन का 'एक्स' पर पोस्ट)

संवैधानिक लोकतंत्र और भारत की आत्मा

कसभा चुनाव में भारतीय लोकतंत्र के संदर्भ में यह मानना स्वाभाविक था कि कांग्रेस लिए एक उम्मीद की खिड़की खुली थी। संवैधानिक लोकतंत्र के बुनियादी मूल्यों के सामने जो दीवार खड़ी हुई थी, उसमें एक खिड़की खोलने का काम जनता ने किया था। इमरजेंसी के बाद हुए 1977 के चुनाव की तरह जनता ने 2024 में भी एक दीवार में खिड़की खोलकर विपक्षी पार्टियों को मौका दिया था कि वह इसे दरवाजा बना सकें और उस रास्ते से देश बचाने की लड़ाई लड़ सकें, पर भारतीय लोकतंत्र का दुर्भाग्य है कि अक्सर पार्टियां ऐसी बड़ी जिम्मेदारी संभाल नहीं पातीं। छह महीने के भीतर तीन विधानसभा चुनावों के बाद यह खिड़की सिकुड़कर एक रोशनदान भर रह गई है। जिम्मेदारी अब फिर जनता और जन संगठनों पर आन पड़ी है कि वे भारतीय संविधान की आत्मा को बचाने का संघर्ष तेज करें। रोशनी की इस खिड़की के जरिए दरवाजा खोलने के लिए जरूरी था कि लोकसभा चुनाव में भाजपा को मिले धक्के को उसकी पराजय के सिलसिले में बदला जाए। लोकसभा के बाद के तीनों चुनावों में यह काम असंभव नहीं था। महाराष्ट्र में इंडिया गठबंधन यानी महाविकास अघाड़ी को 48 में से 30 सीटों पर जीत हासिल हुई थी। वहां विधानसभा का चुनाव जीता हुआ माना जा रहा था। हरियाणा में लोकसभा की सीटें पांच-पांच में बंटी थीं, पर विधानसभा के

को जीतना चाहिए। झारखंड में मामला कठिन था। चूंकि लोकसभा चुनाव में भाजपा और सहयोगियों का पलड़ा भारी था, फिर भी लगता था कि कोशिश की जाए, तो झामुमो और सहयोगियों की जीत संभव है। वास्तव में हुआ इसका उलटा। जिस झारखंड में जीत सबसे कठिन थी, वहां इंडिया गठबंधन धड़ल्ले से जीता। हरियाणा में जहां कांग्रेस को जीतना चाहिए था, वहां हार गई और जिस महाराष्ट्र में चुनाव जीता-जिताया लग रहा था, वहां इंडिया गठबंधन का सफाया हो गया। बेशक यह चुनाव परिणाम विवाद से परे नहीं है। हरियाणा और महाराष्ट्र में विपक्ष ने चुनाव परिणाम पर उंगली उठाई है। पिछले 35 साल से चुनावी जीत-हार देखते हुए मुझे भी पिछले साल मध्य प्रदेश के आश्चर्यजनक चुनाव परिणाम की तरह हरियाणा और महाराष्ट्र में दाल में कुछ काला दिखता है। एक बात तय है कि लोकसभा चुनाव के बाद मोदी सरकार के जो तेवर ढीले पड़े थे, उसमें अब बदलाव आएगा। इसका संकेत महाराष्ट्र की विजय के बाद संसद सत्र की शुरूआत में प्रधानमंत्री के बयान से ही लग जाता है। अब भी भाजपा के लिए संविधान बदलना या संविधान बदलने जैसी वन नेशन-वन इलेक्शन योजना लागू करना संभव नहीं हो पाएगा, पर बाकी एजेंडे पर सरकार आगे बढ़ेगी। चाहे

वक्फ बोर्ड का कानून हो, समान नागरिक संहिता का प्रस्ताव या जनगणना के जरिये डीलिमिटेशन, सभी दिशाओं में भाजपा तेजी से आगे बढ़ेगी। विरोध के स्वर को दबाने की कोशिशें भी तेज होंगी, चाहे सोशल मीडिया व यूट्यूब पर फंदा कसने का मामला हो या जनांदोलनों व जन संगठनों को ठिकाने लगाने के कानून हों या राजनैतिक प्रतिद्वंद्वियों पर बदले की कार्रवाई। चंद औद्योगिक घरानों को फायदा पहुंचाने वाली नीतियां भी अब बेलगाम तरीके से बढ़ेंगी। पिछले कुछ महीनों में सेबी अध्यक्ष और गौतम अडानी को लेकर जिन सवालों पर सरकार घिरती नजर आ रही थी, अब उन्हें दरिकनार किया जाएगा। अगले एक साल तक सत्तारूढ़ दल अपने हर निर्णय के लिए लोकप्रियता की दुहाई देगा। एनडीए में भाजपा का वजन बढ़ेगा और भाजपा में फिर मोदी जी का। ऐसे में संवैधानिक लोकतंत्र और भारत की आत्मा के लिए प्रतिबद्ध जन आंदोलनों, जन संगठनों और नागरिकों की जिम्मेदारी ज्यादा बढ़ जाती है। विपक्षी पार्टियों से अपेक्षा की जानी चाहिए कि वे संसद में सत्तारूढ़ पक्ष के गैर लोकतांत्रिक एजेंडे का विरोध करें, पर ऐसा नहीं लगता कि उनकी बात ज्यादा सुनी जाएगी। विपक्ष अगर दिल्ली और बिहार के चुनाव में भाजपा को रोक सका, तो यही उनका सबसे बड़ा योगदान होगा।

भारत-रुस रिश्ते को मजबूती

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की तीन दिवसीय रूस यात्रा दोनों देशों के रक्षा संबंधों को और मजबूती देने की दिशा में निस्संदेह बहुत उपयोगी रही। वह वहां सैन्य और सैन्य सहयोग पर भारत-रूस अंतर सरकारी आयोग के 21वें सत्र में भाग लेने गए थे। वह आइएनएस तुशिल की फ्लैग रेजिंग सेरेमनी में भी शामिल हुए, जिसे काफी पहले भारतीय नौसेना में शामिल होना था, लेकिन कोविड, वैश्विक आपूर्ति शृंखला में रुकावट तथा रूस-यूक्रेन युद्ध की वजह से यह टलता रहा था। रक्षा मंत्री ने वहां रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की और द्विपक्षीय रक्षा सहयोग के विभिन्न मुद्दों पर उनसे बात की। पुतिन से उनका यह कहना मायने रखता था कि भारत और रूस के बीच मित्रता सबसे ऊंचे पर्वत से भी ऊंची और सबसे गहरे महासागर से भी गहरी है। उन्होंने रूसी राष्ट्रपति को यह भी बताया कि भारत पर सार्वजनिक और निजी तौर पर कई तरह के दबाव हैं, इसके बावजूद वह हमेशा अपने रूसी मित्र के साथ खड़ा रहा और भविष्य में भी खड़ा रहेगा। रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच उनके इस बयान का महत्व है। दोनों ने इस पर जोर दिया कि दोनों देशों के बीच साझेदारी में अत्यधिक संभावनाएं हैं और साझा प्रयासों से शानदार नतीजे हासिल किए जा सकते हैं। उनका यह भी कहना था कि दोनों देशों के बीच जी-20, ब्रिक्स और शंघाई सहयोग संगठन जैसे बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग बढ़ रहा है। राजनाथ सिंह ने रूसी रक्षा मंत्री आंद्रे बेलासोव से रक्षा मुद्दों पर व्यापक बातचीत की और सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली एस-400 ट्रंफ की शेष दो यूनिटों की आपूर्ति जल्दी करने का दबाव भी डाला। यूक्रेन से युद्ध के चलते भारत को दी जाने वाली इन दो यूनिटों की आपूर्ति में विलंब हुआ है। रक्षा मंत्री ने विभिन्न मिलिट्टी हार्डवेयर के निर्माण के क्षेत्र में भारत में असीम संभावनाओं की जानकारी दी। रूसी रक्षा मंत्रालय ने इस संबंध में अपने एक बयान में कहा है कि रूस और भारत के बीच आपसी सम्मान पर आधारित एक मजबूत और पुरानी दोस्ती है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail: thephotonnewsjharkhand@gmail.com

UniVerse: Your true legacy as a doer

How will posterity see my legacy? This question has recently been raised by no less a person than the retired Chief Justice of India. This reminded me of a story recorded by the Hindi scholar Hazari Prasad Dwivedi in an essay titled 'Bhishma Ko Maaf Nahin Kiya Gaya' (Bhishma Was Not Forgiven). Once, during their regular evening walk on the premises of Kala Bhavan, Rabindranath Tagore had posed an interesting question to him: "Why was Bhishma Pitamah, the grand old warrior, patriarch of the eminent royal clan of Kurus, not anointed as an avatara after his death, but two Yadava brothers, Krishna and Balrama, from a much humbler rural background, were?"The poet said he thought it was so because such questions are decided historically by how posterity views your true legacy as a doer. Hazari Prasadji mulled over it and agreed. After the Mahabharata war, he writes, Balrama, the great farmer warrior, earned the right to be revered as an avatara because he refused to take sides in what he foresaw as a terrible fratricidal war and chose instead to go into the forest for his remaining days.

When the Pandavas and Balrama's younger brother Krishna, the great statesman, asked him to take up arms, he had the guts to stand up and tell the warring royals that whatever the dharma, he shall not participate in a war for throne that will ruin mankind and make the land sterile.

Krishna participated in the war only because of his loyalty to Arjuna, his friend, as his unarmed charioteer and refused to shed blood. When Gandhari cursed him for the death of her sons later, he told her bluntly: "You can curse me all you want, but O Kshatriya queen, it was your own upbringing that led to this."In India, people have always preferred an outspoken karma yogi to an orator. One who throws caution to the winds, swings into action to protect the greater common good and restore sanity of the nation. So what if it meant losing public face and risking ridicule? A later karma yogi, Mahatma Gandhi, whose grand



legacy makes even his political critics bow to him, showed the same presence of mind and daring after the Chauri Chaura violence and stopped the Satyagraha in its tracks. A peaceful movement, he felt, could not be allowed to degenerate into violence. There was criticism from hot heads, but he did not relent. It is not hard to make out the public perception of a man to whom the nation has turned again and again to sort out its moral dilemmas. Bhishma was one such figure of authority — celibate, morally irreproachable and a great warrior. But he let clansmen like the Kauravas misbehave with his granddaughter-inlaw, Draupadi, in public. Even when the three abducted princesses — Amba, Ambika and Ambalika — appealed to him that he marry them instead of his impotent brother, he kept quoting his great vow of celibacy and examples and precedents from scriptures and history, but did nothing. When divisions in Bhishma's psyche surfaced again and again at crucial points, resulting in the denial of justice to men, women and clans, his claim to join the pantheon of great avataras shrank in public perception.

Bhishma's case proves that history remembers great heroes less by their recorded speeches and more by prompt, though risky, acts that cause personal loss of reputation, but go on to ensure justice and relief to millions of sufferers.

Hidden migration of tiny songbirds from Siberian Tundra

Chandigarh is uniquely positioned to welcome migratory birds with its mix of diverse habitats

The mention of bird migration immediately conjures up images of ducks and geese forming the V-shaped skeins across the autumn sky, along with a host of other waterfowls and waders. These large, conspicuous birds are eagerly awaited, heralding the changing season. However, a parallel migration goes largely unnoticed. At the same time as these large waterfowls traverse the sky, tiny non-descript songbirds make an equally arduous journey of more than 6,000 km from their breeding grounds in the Siberian Tundra to the northern plains of India. Both groups use the same Central Asian Flyway, yet their experiences are starkly different. While ducks and geese fly at high altitudes to avoid predators and other vagaries of nature, small songbirds fly at low altitudes, usually under 2,000 m above the sea level. Their route winds through countries like China, Kazakhstan, Mongolia, Kyrgyzstan and the Himalayan foothills, using the valleys and forests to enter India, and spread out throughout the northern plains.Most migrating birds lose their vibrant breeding plumage before embarking on this annual journey. They arrive in their wintering grounds bearing a dull visage. While helping them to blend into their surroundings, their earthy plumage also renders them easy to overlook. The perseverance of the sellittle heroes often goes unheralded. Chandigarh is uniquely positioned to welcome these birds with its mix of diverse habitats — forests, riverine tracts, grasslands, wetlands, agricultural fields, gardens and parks. The Taiga Flycatcher, the Bluethroat and theRubythroat are striking examples of these inconspicuous yet fascinating migrants. They are 'robin-like' in appearance — small in size, with cocked-up tails and wings drooping down the sides. The Taiga Flycatcher prefers dense vegetation. It adjusts its migratory route to stay close to forested areas and natural cover flying up to 300 km daily. This small bird finds refuge in the lush gardens and parks of Chandigarh. Its predominantly brown plumage is punctuated by the bright orange patch on its throat, almost like a human thumbprint. With bright inquisitive eyes, this bird spends much of its time perched on the lower branches of a tree, surveying its surroundings. Its stationary, almost meditative, appearance can galvanise into sudden action at the sight of a moth or some innocent bug fluttering nearby. It dives to the ground to grab its prey, revealing the white edges to its tail before returning to its perch. Unlike the Taiga Flycatcher, the Bluethroat is a bird of the marshes and wetlands, skulking in reeds and bushes encircling water bodies. During its breeding season in the Tundra,



this bird builds its nest on the ground in shrubby areas. The Bluethroat is a shy bird, which is often out of sight while it forages in the thick reeds. In birding parlance, it is deemed a skulker! The Bluethroat is well known for its skill in mimicry. In Norway, this talent has earned it the sobriquet of 'Nightingale of the North'. It is capable of mimicking more than 50 different species of birds! At first glance, the Bluethroat appears as another 'little brown bird', but a closer look reveals a spectacular blue patch at its throat, adorned with a rust-coloured spot in the centre. During courtship display, it puffs out the throat feathers, revealing the beautifully hypnotic circle. This vibrant patch, coupled with the bird's special ability at mimicry, is enough to attract mates. The Bluethroat also communicates through frequent tail flicks, revealing orange tail patches that serve as alarm signals. Common names of birds are usually descriptive and the Siberian Rubythroat is no exception. The ruby-red teardrop at its throat glows against its otherwise greyish-brown plumage. This small secretive bird is often hard to spot, preferring to hide in dense shrubs and vegetation, its presence

revealed only when it flashes the red patch. During the breeding season, the melodious song and fluttering dance display of the Rubythroat is spectacular. Its ability to mimic other birds shows a degree of vocal versatility. However, in its wintering habitat around Chandigarh, it is silent and its occasional appearance in the thickets adds a touch of While these God's little creatures brighten up our winter landscape, we are oblivious to the incredible dangers and hardships the migratory birds face. Crossing vast landscapes and navigating diverse ecosystems pose significant challenges. En route, the migrating birds rely on stopover habitats to rest and recuperate. These sites are critical in providing food and shelter to enable the birds to continue their journeys. Climate change, habitat loss and violent human conflict along the Central Asian Flyway can disrupt migration patterns. Conservation of stopover habitats, thus, becomes a global responsibility to ensure the survival of these delicate, yet tenacious, travellers.— The writer is president of the Chandigarh Bird Club.

World chess champ

Gukesh Dommaraju, take a bow

IT'S been Gukesh Dommaraju's year. In September, he led the Indian team to a historic gold medal at the biennial Chess Olympiad. Now, the 18-year-old prodigy from Chennai has fulfilled a childhood dream by becoming the youngest world champion in chess history. He is the first Indian to hold the title after Vishwanathan Anand. Twists and turns marked the 14 games in Singapore. Gukesh and China's Ding Liren, the reigning champ, were tied with wo wins each before the final game. Just when a draw seemed imminent, setting the stage for high-speed games to break the tie, Ding committed a dramatic blunder. He was gracious in defeat, marking the end of the three-week match that kept fans riveted across the globe. Former world champions Magnus Carlsen and Vladimir Kramnik may have criticised the



Vladimir Kramnik may have criticised the game of chess that won. quality of play, but in the larger scheme of things, it's the Gukesh's victory signals a generational shift in the chess

world. Yet, the new champion does not harbour any illusions. He remains outside the world's top three by rating, and is not even the highest-rated Indian. That spot goes to 21-year-old Arjun Erigaisi. In his post-match press conference, Gukesh acknowledged that 'becoming the world champion doesn't mean that I'm the best player in the world, there's obviously Magnus.' The 34-year-old Norwegian, who is regarded as possibly the greatest chess player of all time, said Gukesh has shown the potential to establish himself as the 'number two player in the world, who knows, maybe the number one'.

The surging popularity of chess as a spectator sport could ignite a new wave of enthusiasm. Gukesh's achievement also cements India's growing influence in the chess world. What's needed is more government and private support to nurture a robust

ecosystem.

10 yrs of a unique classical library

Murty Classical Library is unique initiative with a 100-year plan to publish the English translations of some of the greatest literary works of India from the past two millennia

Entrepreneur and computer scientist Rohan Narayana Murty's ambitious plans for the Murty Classical Library are more or less on course. The Library 'opened' in 2010 and started publishing, after five years, the English translations of some of the greatest literary works of India from the past two millennia. It's probably the only publishing house with a 100-year plan to publish 500 manuscripts of authors ranging from Kalidasa to Mir Taqi Mir.To mark the first 10 years, the Library rcently released 'Ten Indian Classics', an anthology featuring ghazals and devotional poems, journeys of nirvana by women Buddhist followers, words of Sikh Gurus and poets, and epic Ramayana's hero Ram's battle for justice and honour. This English edition captures almost 2,500 years of literary tradition, translated by experts and richly introduced by poet and art critic Ranjit Hoskote.

The Murty Library books are available worldwide in bookstores and on conventional e-commerce platforms.

Rohan founded the Library by making a generous contribution (around \$5.2 million, according to some media reports) to Harvard University, the institution from where he earned his PhD. With close to a century's experience in publishing bilingual editions (both for Greek and Latin classics), Harvard appeared the perfect choice. For the firm believers in India's glorious past, the Murty Library may appear as another visionary idea from a family (father NR Narayana Murthy and mother Sudha Murthy) with a remarkable success record. For many modernists though, the Library is a brave attempt to reboot India's humanities education programme, long hijacked by the IIT brigade.

hijacked by the ITT brigade.

Subjects like philosophy, literature and history are often viewed in India as "future-less", compared to the STEM (science, technology, engineering and mathematics) fields. Humanities degrees are less pursued though they are more likely to stir students towards critical thinking and ethical reasoning. Rohan's dream is simple. He imagines students in schools and colleges to read

classical Indian poets like Kalidas and Tulsidas, besides consuming Shakespeare or Homer. "I dream of a day when students across India will voluntarily read these texts," he says. The Library, he believes, has done a commendable job, having already published close to 50 volumes translated from more than 10 classical languages like Hindi, Kannada, Marathi, Pali, Persian, Sanskrit, Urdu and Sindhi. The author list includes Guru Nanak, Bulle Shah, Kalidas, Surdas and Nandi Timmana. For the first time, it is pointed out, a wide international audience is reading these texts in English. "Several universities around the world have started incorporating these texts into their classrooms," he says. For Murty Library, the Harvard University Press, with a team of distinguished scholars, editors and translators, has published English translations of great Indian classics that include 'The Sea of Separation: A Translation from the Ramayana of Tulsidas' by 16th century poet Tulsidas; 'Theft of a Tree, A Tale by the Court Poet of the Vijaynagara Empire' by Telugu poet Timmana; 'The Kannada Mahabharata V.1' by 15th century Kannada poet Kumaravyasa, and 'God at Play V.1', the oldest extant Marathi work by 13th century biographer Mhaimbhat.

Rohan finds it difficult to pick his favourites from the impressive selection, but says he often revisits Raghavanka's 'The Life of Harishchandra' (Kannada) and Shah Abdul Latif's 'Risalo' (Sindhi).

Sharmila Sen, Editorial Director and Director of Special Initiatives, Harvard University Press, says, "To publish original books that instruct and delight in equal measure is never easy." Book trade in North America, Europe and Asia varies, and only complicates the task for them. She claims that compared to Greek and Latin translations, their publications are far more complex, varied, richer and more alive to literary tradition.

Indeed, the task has been demanding as Murty Library does not reproduce previously published translations



and every work is originally commissioned. It produces the original Indic text in the relevant script on the verso (the left-hand side of the books). It has also faced some criticism in the past, mostly from the Indian scientist community and strong believers of India's glorious past, regarding the choice of certain editors (like distinguished Sanskrit scholar Sheldon Pollock) of the Library.Rohan has treated the attacks merely as "noise". According to a media report, he likened the attacks to people throwing empty shells in a "peanut gallery". Defending Pollock, he declared that nationality, gender, race, creed or colour will not decide who the editors shall be.Rohan says he has envisioned a "living library" that continuously interacts with its readers and is not shackled by the ivory towers of an academic project. He claims he does not micro-manage the project and "it relies little, if at all, on any single individual".

He has planned for the centenary of Murty Library. Those who will celebrate it may not have been born yet, but both Rohan and Team Murty believe they are doing their bit in "elevating Indian classics as first-class members of world literature".

The extraordinary Champa

We store memory in multiple layers. Some may become a burden, some are uplifting, and some are just there — parked in a corner to be pried out when the moment comes. Many are connected with the people one has known and who have impacted one's life. Recently, writing about Nek Chand, Amitabh Pande, a former civil servant, mentioned another extraordinary person of Chandigarh of that era, Champa Mangat Rai. This triggered yet another memory and the close friendship that my parents, especially my father, had with the Mangat Rais. Some distance came after they separated and when Mangat Rai married the writer Nayantara Sahgal. The close ties with Champa Mangat Rai remained till her death on March 7, 1999, at the age of 79. When we heard of her passing, my

father and I drove down from Shimla to Chandigarh and were just in time for the burial. All the way down and on most of the way up, he hardly spoke. When he did, all he said was: "The world has lost a very fine person." While this is something unclear, the connection with Champa Mangat Rai, if any — and certainly tenuous — may have gone back to Lahore where my grandfather was teaching both at the university and at Kinnaird College. Her father, Satya Prakash Singha, an Indian Christian, was the university's Registrar and went on to become the Speaker of the British-Indian Punjab Assembly; he stayed on in Pakistan after Partition. Champa's future husband, Edward Nirmal Mangat Rai, 'Bunchi' to his friends.

Vishal Mega Mart IPO allotment: Online guide to check status. See latest GMP

NEW DELHI The allotment of shares for the Vishal Mega Mart IPO is expected to be finalised on Monday, December 16. Investors who applied for the Rs 8,000 corer IPO will receive alerts, messages, or emails regarding the allotment, or any revocations of their IPO mandate, by Tuesday, December 17. Vishal Mega Mart IPO was open for bidding from December 11 to December 13, and saw a strong response from investors. The company offered shares in the price band of Rs 74-78 per share, with a minimum lot size of 190 shares. The IPO received an overwhelming response, with the issue being subscribed 27.28 times overall. Qualified Institutional Buyers (QIBs) portion was subscribed 80.75 times. The Non-Institutional Investors (NIIs) category was subscribed 14.24 times. Retail Investors quota was booked 2.31 times during the three-day bidding period.

In total, investors applied for 20,64,25,17,700 equity shares against the 75,67,56,757 equity shares on offer, fetching bids worth Rs 1.60 lakh crore. Out of this, Rs 1.36 lakh crore came from the QIB category

ALLOTMENT STATUS: HOW TO CHECK

Investors who applied for the Vishal Mega Mart IPO can check their allotment status on the following

Sensex, Nifty open lower as IT stocks drag; bearish trends continue

NEW DELHI. Benchmark stock market indices opened lower on Monday, dragged by a decline in IT stocks after having witnessed a very volatile session on Friday when it recovered after having lost nearly 1,200 points. The S&P BSE Sensex was down 279.70 points to 81,853.42, while the NSE Nifty50 lost 74 points to 24,694.30 as of 9:35 AM.

Dr. V K Vijayakumar, Chief Investment Strategist, Geojit Financial Services said that the excessive volatility witnessed on Friday is a reflection of the sharp differences in perceptions about the near-term market trend."The huge positions in F&O segments are causing such heightened volatility in the market. The 500 point move in the nifty from the day's trough to the peak indicates massive short covering," he added.

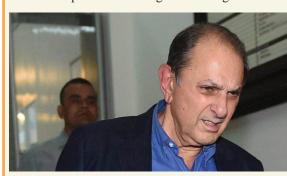
While FIIs turning buyers in December, so far, after the relentless selling in the previous two months is positive, investors should not assume that the FIIs will continue to buy. Strong dollar and high bond yields in the US are headwinds for capital flows. Slowdown in GDP growth and stagnant earnings growth are hurdles in the path of the bull. A rally will sustain only if the data regarding growth and earnings show recovery. This will take some time.

Wadia illegally sold 8.69% Tata Sons stake'

MUMBAI. A public interest litigation has alleged that Bombay Dyeing group chairman Nuslli Wadia has misappropriated 8.69% stake that FE Dinshaw Ltd owned in Tata Sons since the 1920s, and transferred the shares to the Shapoorji Pallonji group in the 1970s soon after he was made the administrator of the Indian trust, which owned the stake in FE Dinshaw Ltd.

Though the petition could not calculate the actual value of the share transaction, given that the Tata group is worth over \$150 billion today, the value involved could be around \$14 billion or R1.2 lakh crore. Dinshaw Trust, which was established by Edulji Dinshaw, the son of the senior Dinshaw, willed all its assets to two New York-based American charities.

The Indian assets of the trust included the 8.69% holding it had in Tata Sons, and over 1,000 acres of land around Malad in the northwestern suburb of the megapolis. Wadia claimed ownership over all these assets following an agreement on 1 August 2003. The petition also alleges that the agreement is



fraudulent since Bachoobai Woronzow, one of the three children of FE Dinshaw, a leading Parsi industrialist of the times, was fatally ill in a New York hospital on that day. She died on 12 August 2003. The trust was registered in New York because after the senior Dinshaw passed away in 1940, the two of his three surviving children—the son Edulji, and the daughter Bachoo-settled down in New York in the mid-1940s. Dinshaw Trust was founded by Edulji, and held a majority stake in FE Dinshaw Ltd, the company founded by his father.

The 8.69% shares of Tata Sons were held by FE Dinshaw Ltd, the company which acquired equity in Tata Sons following non-repayment of a R2 crore loan to the Tatas in the 1920s. The petition further contends that it is for the Serious Fraud Investigation Office (SFIO) to ascertain how the stake of Dinshaw Trust in FE Dinshaw was passed on to the Mistrys by Wadia and for what consideration. FE Dinshaw Ltd was renamed as Cyrus Investment in 2008, and is now the main investment arm of the Shapoorji Pallonji group, which began as a construction contractor with most of the orders coming in from FE Dinshaw.

The petition further alleges that Wadia has forged three key documents to transfer the assets of the Dinshaw Trust to himself. The Economic Offenses Wing of the Mumbai Police, which is investigating the matter under the supervision of the Bombay High Court, has found prima facie evidence of forgery.

Why your money needs your help in 2025

Do not forget that your investments must generate a return that beats inflation and leaves some money on the table over the years. You will miss out on a stock market rally if your money is largely locked in properties that you do not use.

NEW DELHI The idea that you can earn more than you can spend and create an investible surplus every month is riveting. Not many people can achieve that. People generally live beyond their means, spending more than investing. But it is not just about spending alone. You realise that you are struggling to meet commitments made to your future. In most situations,

investments that may be overdone. These are situations when you are overinvested or overinsured. There is a strong affinity towards physical assets in India. Twothirds of the Indian household wealth is invested in property and gold. Many of you think of these as investments. There is a sense of comfort that physical assets give to you. Many invest in multiple properties to generate a rental income. Considering an average rental yield of less than 1-2%, it is not an investment but just a saving. Do not forget that your investments must generate a return that beats inflation and leaves some money on the table over the years. You will miss out on a stock market rally if your money is largely locked in properties that you do not use. The same applies to the thought about over investment in gold that happens primarily through jewellery. While gold as an asset class has done well, it cannot be a dominant part of your assets. You must allocate your money in such a way that you have covered adequate bases in the market. The other problem is with individuals not keeping track of their monthly systematic investment plans. Over diversification is unnecessary if the average returns on the Nifty 50 are 13% over 30 years. Assuming the inflation rate stays at 6% over the



long-term, a return of 13% can take care of your future needs. You must engage a financial advisor in 2025 if you have not done it yet. Your asset allocation is likely to help you manage your finances better. There is a lot of zeal in the way insurance companies sell life and general insurance to you. Since a lot of your data is floating across credit bureaus and banks, you would be inundated with calls from tele-marketers to secure your family's future or income. You cannot blame companies for reaching out to you. They are merely looking to grow their business. The onus is on you to make the right choices. A lot of you take up multiple life insurance policies, unit-linked

insurance plans or health insurance policies to protect against eventualities. You must evaluate your options carefully. Insurance is a protection against life situations. However, it is not an investment. The primary objective of an insurance company is to keep money to pay you when you or your family need it the most. You pay a premium for that promise and not really to meet your financial goals or beat inflation. Choose a good life insurance plan and a health insurance plan that takes care of most illnesses or emergency care for you and your family. For investments, plans offered by insurance companies are not the only solution. You can invest in index funds or exchange-traded funds, diversified equity funds or own quality company shares. Your financial advisor can help you make sense of all options. The New Year calls on you to make a resolution. You must invest in knowledge for your own financial security. It is not easy to understand all the investment and insurance products if you are not familiar with finance. You need to try to focus on things that are relevant to you. 'Over investment' and 'over insurance' are not exactly classical personal finance terms. They are behavioural issues.

Why Narayana Murthy believes Indians should work 70 hours a week

NEW DELHI. Infosys co-founder Narayana Murthy defended his stance on the 70-hour workweek, highlighting that young people must recognise the importance of hard work to help India achieve the top global position.

At the Indian Chamber of Commerce's centenary celebration in Kolkata, Narayana Murthy urged the youth to work hard to elevate India's global standing.He said, "At Infosys, I said we will go to the best and compare ourselves with the best global companies. Once we compare ourselves with the best global companies, I can tell you we Indians have a lot to do. We have to set our aspirations high because 800 million Indians get free ration. That means 800 million Indians are in poverty. If we are not in a position to work hard, then who will work hard?"Earlier, the Infosys co-founder had shared his opinion about the much debated work-life balance argument and said he does not agree with the idea of "work-life balance."He also expressed disappointment over India's move from a six-day workweek to a five-day one in 1986, a change he says he never agreed with while talking at the CNBC Global



Leadership Summit in November, last month.He mentioned that comparing India with the best global companies reveals a long journey ahead. He believes hard work is essential to addressing the country's challenges and making it a global leader.

According to Narayana Murthy, combating poverty requires generating employment that results in disposable income. He said, "I realised the only way a country can fight poverty is by creating jobs that lead to disposable incomes.

Moreover, he underscored the critical role of entrepreneurs in creating jobs and wealth, which ultimately combat poverty. "The government has absolutely no role in entrepreneurship. I also realised entrepreneurs build a nation as they create jobs, they create wealth for Narayana Murthy has stood by his stance on work-life balance and his recent comments come amid continued debate over his previous suggestion that young Indians should commit to a 70-hour work

their investors and they pay taxes," he added.He criticised complacency, urging individuals to dedicate themselves to realising their potential.

Additionally, Narayana Murthy believes fighting poverty requires generating disposable incomes through employment, which only entrepreneurship can provide. He called on Indians to avoid mediocrity and embrace hard work to create a prosperous and globally respected nation. His comments come amid continued debate over his previous suggestion that millennials in India should aim for a 70-hour workweek. This suggestion had sparked mixed reactions, with some agreeing on the need for a stronger work ethic while others criticised the idea as excessive.

We see an explosion of **MSME** credit this decade: UGRO MD

NEW DELHI. Shachindra Nath, Vice Chairman and MD, UGRO Capital, a tech-enabled small business loan platform, in an interaction with Dipak Mondal, says that the decade will see an explosion of MSME credit.

Why do you think South India is such a big market for NBFCs – be it SME finance companies, microfinance or gold loan companies?

Small businesses are an outcome of three things -one, prospering business, and second is stable governments, which are progressive. The third is the lending culture, the repayment behaviour. So, the repayment behaviour of, say, in Tamil Nadu or Telangana or Karnataka is much better than say a Punjab, UP or MP. Tamil Nadu is a bipolar political state, so it shifts between two parties. But the underlying economy actually continues to grow at a fast pace, irrespective of political dispensation. As for repayment behaviour, people take their loan fairly seriously in the South.

keep saying that India is not one country purely from a lending perspective – South is a different market from the north. But that is now changing.

There is this perception that the government at the Centre is more focused on creating large corporations instead of focusing on small businesses?MSMEs are the largest employer of the country, after agriculture. And for India to continue growing, or even for the governments to stay in power, they have to provide employment. And that's why MSMEs are important for governments. If you look from 2014 to 2024, every year there have been some or other changes in policy to support MSME. During COVID, the government came up with schemes like an emergency credit line and partial credit guarantee - all the schemes would support MSME. It was largely small businesses which received support from the government during Covid. There is a massive focus on MSMEs.

What are the factors helping expansion of credit to MSMEs?Credit to MSME is possible because of formalization. Before demonetisation, MSMEs generated large cash income without any proper formal record of the revenue. With the demonetisation, there has been a psychological shift. People now fear that having too much of income in cash is risky. Then when GST got implemented, it started forcing people to get their turnover side of the data into the formal system. The third factor (helping MSME credit) is democratisation of Indian banking with digital payments. On one side, small businesses are getting formalized, on the other side, lenders have the ability to look at this kind of data, and do credit. And that's why we keep saying that you will see an explosion of credit to MSME in this

How much should you be investing

NEW DELHI. When it comes to saving per month. What if we did fancy to get process regularly. and investing, people are obsessed with the returns they're going to get on their money! Two factors that determine how much money we end up with are - the amount we put into our savings and investments in the first place and the amount of time we have it there.

For instance, let's suppose that you need to cobble together R10 crore over 40 years and you reckon on getting an investment return of 12% per year. If you pop the numbers into excel, you'll see that you have to save a paltry looking Rs 7,960 per month.

If you start 10 years later, at the same 12% per year investment return, you'll investments than other asset classes. now have to save a difficult R28,000 So, plug everything in.....and repeat the

higher investment return, which Let's go back to the original example would surely get us to our R10 crore over 20 years? Well at R88,000 this is not easy. What about getting to R10 crore in 20 years with a smaller amount and a higher rate or return?

Well, of course anything is possible, but to make up for the missed time, you'd have to almost double your investment returns. In fact, you'd need to get a return of 21% per year to turn

R28,000 into R10 crore in 20 years! Have a play on excel calculators with your own numbers. With so little to play with, it's no accident that Equities are considered better long-term investments than other asset classes.

where we were expecting a return of 12% per annum and aiming to cobble together R10 crore over 40 years.

To do that we set about saving R7,960 p.m. Now let's fast-forward to five years from the start and look at two possible scenarios - one good and one not so good. Scenario 1 - Things go fine!n the first scenario, we've got a great return of 22% per year. That gives us a pot of investments worth R900,000.Plugging the numbers in, we find we need to save R7,000 per month to get us there! That's a fall of R960 per month! Scenario 2 - Things go, not so wellHere, we've got a return of 10% per year.

Withdrawal of EPF from ATM may take time

Labour ministry sources have said that this is just an idea floated by the labour minister, and it needs a lot of deliberations between the labour ministry, EPFO and the banking regulator before it could be implemented.

NEW DELHI. The plan for allowing withdrawal of employee provident fund (EPF) claims through ATM has a long way to go.Labour ministry sources have said that this is just an idea floated by the labour minister, and it needs a lot of deliberations between the labour ministry, EPFO and the banking regulator before it could be implemented.

The idea is to have a hassle-free claim settlement process as high rejection rates are becoming a headache for individuals, who keep their life savings with EPFO (Employee Provident Fund Organisations) for use after retirements or during emergency fund requirements.

However, the idea of allowing EPFO members to withdraw from ATM is not happening in the immediate future. The ministry has a vision to ease the claims process, and the idea is at a very early stage, says a labour ministry source. "Without the approval of the RBI, the banking regulator, the idea cannot be implemented. Besides, there are other several issues like frequency and limit of withdrawal that the EPFO needs to figure out before going ahead with the project," the labour ministry source told TNIE.

The ministry is also exploring the possibility of introducing a digital wallet, where the claimed amount could be kept and withdrawn from. "These ideas, including issuing ATM cards, cannot be implemented without a strong backing from the banking regulator and banks," the ministry source said, adding that anything like this is not possible in the immediate future.

Improving digital infra

The EPFO has been trying to improve its digital infrastructure and ease the claims



process. Early this year, the EPFO implemented the first of the six modules of Central IT System (CITS) 2.01. This facility will reduce the time and effort while providing facilities such as online submission of application, validation of applications and transfer of past accumulations of the member.CITS 2.01 will replace the earlier system of physical submission with voluminous documents and allow the establishment to track its application with a tracking ID. More modules of CITS 2.01 are likely to be implemented from 1 January 2025.

The EPFO has reduced the rejection of claims to 25% till November 2024. In 2022-23, the combined rejection and return ratio was 34%, while in the year before, the claim rejections had touched 35%. Claims are rejected when the claimant is not eligible for the type of advance or withdrawal. Claims are returned if there is any deficiency. Returned claims can be resubmitted after corrections.

The labour ministry has claimed that the implementation of CITS 2.01 has increased the number of claims settled in the current financial year. During 2023-24, EPFO settled 4.45 crore claims

for an amount of R1.82 lakh crore. In the current financial year, 3.83 crore claims have already been settled for more than R1.57 lakh crore, the CBT was informed.

In FY25, 1.15 crore claims have been settled in auto mode, whereby requests for withdrawals for education, marriage and medical purposes are settled automatically. The limit for auto claims settlement facility has also been extended to R1 lakh from R50,000 which has also been extended to advances for housing, marriage and education.

MK Stalin slams BJP's 'One Nation, One Election', calls it threat to democracy

▶Tamil Nadu **Chief Minister** MK Stalin denounces BJP's 'One Nation, One Election,' calling it anti-federal and a threat to democracy, and the constitutional framework. He urges united resistance.

Hollow gimmick: Jagan Reddy

slams Chandrababu Naidu's

'Vision 2047'

Andhra Pradesh. YSR Congress Party (YSRCP) chief YS Jagan Mohan Reddy launched a scathing attack on

Andhra Pradesh Chief Minister Chandrababu Naidu's

'Swarna Andhra 2047' vision, terming it a "publicity

In a social media post on Sunday, Jagan accused Naidu of

using Vision 2047 as a ploy to mislead people. "There is

no place for the state's needs, people's needs, and above

all reality in Chandrababu's document," the former

Criticising Naidu's past plans like Vision 2020 and Vision

2029, Jagan described them as "failures" that brought no

project". "Did he build a single medical college, hospital, or school? Did he create ports or improve

agriculture? Did he generate jobs or invest in Andhra

Pradesh's future? The answer is no," Jagan asserted.

tangible benefits

to the state. He

claimed Vision 2020 led to

"farmer suicides,

mass migrations,

and rising

unemployment," while Vision 2029

'did not deliver a

single impactful

stunt" devoid of realistic goals.

Chief Minister alleged.

Chennai. Tamil Nadu Chief Minister MK Stalin has strongly criticised the BJP-led Union government's push for a "One Nation, One Election" policy, calling it an antifederal move that threatens India's democracy and diversity.

In a post on X, Stalin accused the BJP of attempting to impose a unitary form of governance under the guise of electoral reform."INDIA will resist the anti-federal & impractical 'One Nation, One Election' as it will push the country into the perils of a unitary form of governance, killing its diversity and democracy in the process," Stalin stated. The Chief Minister further alleged that the BJP's ultimate aim is to usher in a Presidential form of governance, which he Constitution. Stalin argued that the proposal, if passed, would eliminate the system of periodic state elections, thereby undermining regional sentiments and destroying India's diversity. He emphasised that periodic elections serve as crucial checks and balances in the democratic process, as envisioned by



the Constitution's framers. "The proposed bill, if passed and implemented, will remove Stalin was amongst the first to criticise the the legal checks and balances put in place... to prevent the country from slipping into anarchy and totalitarianism," he warned.

said contradicts the spirit of the Indian Stalin accused the BJP of advancing the proposal despite lacking the parliamentary majority required to pass such critical legislation. He characterised the move as an attempt to settle political scores and divert attention from the government's failures in addressing key issues hindering India's progress. Calling for a united front against the

proposal, Stalin urged democratic forces to oppose the policy and safeguard India's Constitution. "All the democratic forces must unite & fight tooth and nail against this abomination imposed in the garb of electoral reform, to save India, its diversity and the Constitution," he stated. The Chief Minister's remarks add to the growing criticism of the "One Nation, One Election" proposal, which has faced backlash from opposition parties who argue that it undermines federalism and diminishes the importance of state elections.

move, calling the bill "draconian". "This impractical and anti-democratic move will erase regional voices, erode federalism, and disrupt governance. Rise up #INDIA! Let us resist this attack on Indian Democracy with all our strength!" Stalin said.

What is 'One Nation, One Election' policy?

The policy proposes a unified electoral process where all elections, including those for the Lok Sabha and State Assemblies, are held

1984 anti-Sikh riots case: Verdict against ex-Congress MP Sajjan Kumar on January 8

On November 1, 2023, Kumar recorded his statement in the case, denying all charges against him. The upcoming judgment is expected to be a significant milestone in the decades-long pursuit of justice for the victims of the riots.

New Delhi. A Delhi court is likely to deliver its verdict on January 8, 2025,

in a 1984 anti-Sikh riots case involving former Congress MP Sajjan Kumar. The case pertains to the murder of Jaswant Singh and his son Tarundeep Singh in Delhi's Saraswati Vihar on November 1, 1984, following the assassination of then Prime Minister Indira Gandhi.

Special Judge Kaveri Baweja, who was scheduled to pronounce the judgment on Monday (December 16), deferred the decision. "The next date for the verdict is January 8," the judge said. Kumar, currently lodged in Tihar Jail, attended

the hearing via video conference. The court had earlier framed charges under multiple sections of the Indian Penal Code (IPC), including 302



(murder), 147 (rioting), 395 (dacoity), and 436 (arson), after concluding that there was sufficient evidence to establish a prima facie case against the accused. According to the prosecution,

Kumar allegedly led a mob that attacked the victims' home, looted their belongings, set the

> Jaswant Singh and his son. Other family members were also injured during the incident. Initially investigated by Punjabi Bagh police, the case

house on fire, and killed

was later transferred to a Special Investigation Team (SIT) set up to probe the 1984 anti-Sikh riots cases. On November 1, 2023, Kumar

recorded his statement in the case, denying all charges against him. The upcoming judgment is expected to be a

significant milestone in the decadeslong pursuit of justice for the victims of

Delhi freezes as temperature dips to 4.5°C, cold wave grips North India

Delhi Weather: People of Delhi-NCR woke up to a chilly morning on Monday with the minimum temperature slipping below 5 degrees Celsius for the second time in a row. The Air Quality Index (AQI) also deteriorated to the 'very poor' category.



New Delhi. Delhi-NCR residents on Monday woke up to another cold morning as the average minimum temperature dropped below 5 degrees Celsius for the second consecutive day. According to the India Meteorological Department (IMD), the national capital registered a minimum temperature of 4.5 degrees Celsius at 5.30 am. The temperature in certain areas of Delhi went even below 4.5 degrees Celsius. The minimum temperature in Pusa was recorded at 3.5 degrees Celsius, while in Ayanagar, the minimum temperature was recorded at 4 degrees Celsius.

At Najafgarh, the minimum temperature was slightly higher, at 6.2 degrees Celsius. Earlier on December 15, Delhi-NCR also witnessed a minimum temperature of 4.9 degrees Celsius.

In the coming days, Delhi may witness a further increase in the cold wave with shallow fog in various parts due to calm winds and high humidity, as the IMD. The weather department has also issued a cold wave warning for certain states of northern India, including Jammu and Kashmir, Punjab, Haryana, and western Uttar Pradesh, among other states.

A cold wave is officially declared in the plains when the minimum temperature falls to 4 degrees Celsius or below, or when it registers a drop of 4.5 to 6.4 degrees from normal. With temperatures hovering around these thresholds, the capital has seen biting cold mornings, forcing residents to bundle up against the chill.

Amidst the intense cold conditions, the air quality in Delhi and surrounding areas also deteriorated to the 'very poor' category on Monday due to unfavourable weather conditions and low wind speeds. According to the Central Pollution Control Board, the overall Air Quality Index (AQI) for the national capital was recorded at 334 at 4 am on Monday. The air quality slipped to the 'very poor' category on Sunday evening, with the AQI climbing to 307, up from 294 just hours earlier, which was at the higher end of the 'poor' category.

An AQI between zero and 50 is considered 'good', 51 and 100 'satisfactory', 101 and 200 'moderate'. 201 and 300 'poor', 301 and 400 'very poor', and 401 and 500 'severe'.

The YSRCP supremo also dismissed Naidu's projection of achieving a USD 2.4 trillion GSDP by 2047 as baseless. **AIADMK slams Centre for naming laws in** He accused Naidu of causing consistent revenue deficits during his tenure and selling public assets under the guise of privatisation. Jagan contrasted his government's focus on welfare schemes and poverty Hindi, calls it indirect language eradication with what he called Naidu's attempts to "dismantle welfare schemes" and deepen societal

Delhi Assembly elections: BJP to take a leaf out of Maharashtra book on 30 SC seats on governance issues and vows to bring



NEW DELHI. Encouraged by the success of its strategy in Haryana and Maharashtra elections, the BJP central leadership has solidified its plans for the upcoming crucial Delhi Assembly elections scheduled for February 2025.

As part of a carefully crafted strategy for Delhi, the party has developed a targeted approach to attract Scheduled Caste voters, who played a decisive role in shaping the results in over two dozen assembly constituencies. At the same time, the BJP's central electoral think tank is working to mobilize voters from the Poorvanchal region (Eastern Uttar Pradesh and Bihar), who have settled in across many assembly segments and are obtaining voting rights.

On Sunday, a senior party leader said, "Around 29-30 assembly segments have a significant presence of SC voters. They have been direct beneficiaries of free rations and other benefits from the Narendra Modi government. We are reaching out to them about how the BJP has supported their progress and will continue to do so if we replace the AAP in Delhi."

Another party leader said, "In the 70-member Assembly, 12 seats are reserved for SCs. The turnout of Dalit voters significantly influences the results in 17-18 other assembly seats. So our party will certainly need to extend its outreach to them.

Sources said the BJP has appointed representatives from the SC community to win support. "A nameplate campaign, covering 60,000 houses, is now on," said a senior functionary. A source said the BJP recognises that 30 out of the 70 assembly seats have Dalit voters, comprising between 17% and 44% of the electorate. Outreach to these voters could alter the narrative against the ruling AAP in this election.

-AIADMK accuses the Centre of Hindi imposition through law names, and uraes naming all laws in English. Opposition party criticises DMK

Palaniswami back as

chief minister in 2026.

party, the AIADMK, on Sunday accused the central government of indirectly imposing Hindi by naming laws in Hindi and Sanskrit. In its executive committee and general council meeting held in Chennai, the party passed a resolution condemning the Centre's practice of renaming laws, urging that they be named in English instead.

The resolution pointed out that Hindi is only one among the 22 languages listed in the eighth schedule of the Constitution. In Tamil Nadu, the state continues to follow the two-language formula of Tamil and

"Under the circumstances, the central government naming laws in Hindi and Sanskrit can be considered only as an indirect imposition of Hindi. It is very condemnable that the Centre changed the



names of the three criminal laws that were already in English," the resolution read. The party further demanded that all laws enacted by the Union government should

have English names. The AIADMK also passed 16 other resolutions during the meeting. One of the key resolutions called for the subject of education to be brought back under the state list of the Constitution. The party also urged

allocations to Tamil Nadu without any bias. The Opposition party took aim at the DMK government, accusing it of failing to fulfill promises made during the 2021 Assembly

elections. AIADMK leader Edappadi K Palaniswami, in his address, slammed the DMK for holding Assembly sessions for only 113 days since coming to power, despite its promise of conducting proceedings for 100 days each year.

The DMK government should have conducted sessions for 400 days by now. This failure shows their fear of the AIADMK," Palaniswami said. He also questioned why the state government had not implemented its assurance of live broadcasting Assembly proceedings and accused it of "blacking out" speeches by AIADMK legislators.

PM expresses condolence on Zakir Hussain's death: Will be remembered as true genius

Prime Minister Narendra Modi expressed condolence on the death of tabla maestro Zakir Hussain, saying he will be remembered as a true genius who revolutionised the world of Indian classical music.

New Delhi.Prime Minister Narendra Modi on Monday paid his tributes to iconic tabla player Zakir Hussain, saying he will be remembered as a true genius who

revolutionised the world of Indian classical music. Expressing grief at Hussain's death, PM Modi said he brought tabla to the global stage, captivating millions with his unparalleled rhythm. Through this, he seamlessly blended Indian classical traditions with global music, thus becoming an icon of cultural unity, PM Modi added.

"Deeply saddened by the passing of the legendary tabla maestro, Ustad Zakir Hussain Ji. He will

be remembered as a true genius who revolutionised the world of Indian classical music. He also brought the tabla to the global stage, captivating millions with his unparalleled rhythm," the PM said.

Through this, he seamlessly blended Indian classical traditions with global music, thus becoming an icon of cultural unity. His iconic performances and



soulful compositions will contribute to inspire generations of musicians and music lovers alike. My heartfelt condolences to his family, friends and the global music community," the PM added. Hussain died in a hospital in San Francisco, US, his family said on Monday. He was 73.

Hussain died from complications arising out of idiopathic pulmonary fibrosis, the family said in a statement. He had been

in hospital for the past two weeks and was shifted to the intensive care unit (ICU) after his condition deteriorated.

Earlier this year, PM Modi congratulated Hussain and other members of the fusion band Shakti for winning the Grammy Award for Global Music Album.

Congratulations to @ZakirHtabla, @ Rakeshflute, @Shankar_Live,

@kanjeeraselva, and @violinganesh on your phenomenal success at the #GRAMMYs! Your exceptional talent and dedication to music have won hearts worldwide. India is proud! These achievements are a testament to the hard work you keep putting in. It will also inspire the new generation of artists to dream big and excel in music," PM Modi said in a post on February 5 this year.

NEWS ROX

Ukraine Slams FIFA For Map Omitting Crimea From Its Territory: "Are you OK

World. Ukraine has lashed out at FIFA after the governing body of world football showed a map that seemingly omitted Crimea as part of the country. The incident took place last week when FIFA held a European qualifier draw for the 2026 World Cup that is being jointly hosted by the US, Mexico and Canada. The map was intended to show countries that cannot be drawn to play against each other for geopolitical reasons, such as Ukraine vs Belarus, Armenia vs Azerbaijan, Spain vs Gibraltar, Kosovo vs Serbia, and Kosovo vs Bosnia and Herzegovina.

In the middle of the presentation, FIFA excluded Crimea from the Ukrainian region, instantly leading to backlash from Kyiv. Notably, Crimea has been under Russian occupation since 2014 with only a handful of countries recognising the peninsula as Russian territory.

Ukraine Foreign Ministry spokesman Heorhiy Tykhy took to X (formerly Twitter) and tagged FIFA while questing it for "redrawing" the international map.

"Are you OK, @FIFAcom? By redrawing international borders in yesterday's broadcast, you not only acted against international law, but also supported Russian propaganda, war crimes, and the crime of aggression against Ukraine," said Mr Tykhy.

"We fixed the map for you and expect a public apology," Mr Tykhyi added while sharing the correct map.

Ukraine FA writes letter

The Ukrainian Football Association also wrote a letter to FIFA expressing its concerns. "We write to express our deep concern regarding the infographics map of Europe displayed during the television broadcast of the European Qualifiers draw for the FIFA World Cup 2026 on December 13, 2024," read the letter.

Taking into account a number of official decisions and resolutions adopted by the Fifa Council and the UEFA executive committee since 2014....we emphasize that today's version of the cartographic image of Ukraine is completely unacceptable and looks like an inconsistent position of Fifa and UEFA," it added.

In response to the outrage expressed by the Ukrainian Football Association, FIFA also issued a statement acknowledging the issue. "FIFA is aware of an issue that affected one of the graphics shown during the draw and has addressed the situation with the Federation. The segment has been removed."

Clothing Brand Founder Releases 'Most Wanted CEOs' Playing Cards

World. James Harr, founder of Comrade Workwear, a self-described "socialist apparel" brand, has courted controversy with his latest project -- a deck of cards featuring "most wanted CEOs" complete with names, faces, and illustrations of gun range targets.

Harr, known for his anti-capitalist rhetoric and controversial social media posts, introduced the project days after the killing of UnitedHealthcare CEO Brian Thompson in New York. On his Instagram and TikTok accounts, which collectively have over 109,000 followers, Harr shared his plans for the deck, adding the idea was inspired by the Iraq war-era card decks. He claimed the deck would help people identify the CEOs he believes are responsible for harming the public. The deck will be divided into suits representing various industries, according to Harr's posts. Clubs will feature pharmaceutical and chemical company CEOs, Hearts will represent retail and real estate, Diamonds will cover tech, finance, and media, and Spades mean oil and war company executives.

The cards' reverse sides will display the phrase "mostwanted CEOs" alongside a red human silhouette gun range target, and the front will show black-and-white close-ups of each CEO's face, name, affiliation, and QR codes labelled "why they're evil," leading to web pages outlining their alleged wrongdoings. Harr asked his followers to suggest more CEOs to feature in the deck, and many pledged to buy the deck as soon as it was available. One commentator even asked if the deck would include addresses. In response to criticism, Harr insisted the deck was not a call to violence. "I'm not suggesting anyone should cause any physical harm to anyone," he told The NY Post. "But I do want people to know who is making their life harder, who is stealing from them, who is deciding that a couple more percentage points of profit is worth more than the life of your loved ones. S

Taiwan receives 38 US-made Abrams tanks amid China threat

World. Taiwan's defense ministry announced Monday the arrival of 38 M1A2 Abrams tanks from the United States, a move aimed at strengthening the island's defenses against a potential attack from China. These tanks represent the first of 108 ordered

The tanks arrived Sunday according to AFP and were transported to an army training base in Hsinchu, as confirmed by the defence ministry. Currently, Taiwan's tank arsenal comprises approximately 1,000 units, including locally manufactured CM 11 Brave Tiger and American M60A3 tanks, which are considered dated. The remaining tanks are scheduled for delivery in 2025 and 2026.

The US is Taiwan's main ally and arms supplier. China claims Taiwan as its territory and opposes such arms sales. Taiwan's government budgeted over \$1.2 billion for the Abrams tanks.

China has not ruled out using force to take control of Taiwan. While Taiwan develops its own defense systems, it relies heavily on US arms sales for security. Delays in arms deliveries to Taiwan have occurred due to supply chain issues and US weapon shipments to Ukraine and Israel. Taiwan's 2024 defense budget is a record \$19 billion, and next year's is expected to be even higher, reflecting the island's focus on bolstering its defenses. China has intensified military activities around Taiwan, including recent large-scale maritime drills.

'Definitely several hundred' killed as Cyclone Chido devastates French territory of Mayotte

SAINT-DENIS DE LA REUNION. Local authorities said Sunday that the likely death toll from cyclone Chido's passage across Mayotte was "definitely several hundred" though the disruption means reaching an exact count will be difficult.

Rescue workers and supplies are being rushed in by air and sea, but their efforts are likely to be hindered by damage to airports and electricity distribution in a territory where even clean drinking water was already subject to chronic shortages.

A previous toll shared with AFP by a security source had confirmed only 14 deaths.

"I think there will definitely be several hundred, perhaps we will come close to a thousand or even several thousand" deaths, prefect Francois-Xavier Bieuville said on broadcaster Mayotte la Premiere.

He added that it would be "very difficult to reach a final count" given that most residents are Muslim, traditionally burying their dead within 24 hours. The mayor of Mayotte's capital Mamoudzou, Ambdilwahedou Soumaila, had earlier told AFP that nine people were gravely wounded and fighting for their lives in

injured."The hospital is hit, the schools are hit. Houses are totally devastated," he said, adding that the hurricane "spared nothing". Mayotte's 320,000 residents had been ordered into lockdown Saturday as cyclone Chido bore down on the islands around 500 kilometres (310 miles) east of Mozambique with gusts of at least 226 kilometres per hour. Electricity poles were hurled to the ground, trees uprooted and sheet-metal roofs and walls torn off improvised structures inhabited by at least one-third of the population.Information from the locked-down population, in shock and largely cut off from water and electricity supplies, is slow to filter out, a source familiar with the recovery effort told AFP.One local resident, Ibrahim, told AFP of "apocalyptic scenes" as he made his way through the main island, having to clear blocked roads for himself.

Scramble for supplies

Interior Minister Retailleau will travel to Mayotte on Monday, his office said, alongside 160 soldiers and firefighters to reinforce the 110 already deployed to the

islands.Medical personnel and equipment were being delivered from Sunday by air and sea said the prefecture in La Reunion

islands.Medical personnel and equipment were being delivered from Sunday by air and sea, said the prefecture in La Reunion, another French Indian Ocean territory some 1,400 kilometres away on the other side of Madagascar.A first aid plane landed in Mayotte at around 3:30 pm local time (1230 GMT) with three tonnes of medical supplies, blood for transfusions and 17 medical staff, authorities in La Reunion said, with two military aircraft expected to follow.A navy patrol ship was also to depart La Reunion with personnel and equipment including for electricity supplier EDF.

Pope Francis, visiting French Mediterranean

island Corsica on Sunday, urged people to pray for Mayotte's residents. Storm hits MozambiqueJust northwest of Mayotte, the Comoros islands, some of which had been on red alert since Friday, were also hit, but suffered only minor damage. Cyclone Chido later slammed into Mozambique, bringing gale-force winds and heavy rain when it made landfall early Sunday around 40 kilometres (25 miles) south of the northern city of Pemba, weather services

said.Buildings were damaged and power knocked out in some areas of Mozambique's northern coastal provinces of Nampula and Cabo Delgado early Saturday, authorities said.But by the afternoon Chido was travelling over the inland province of Niassa and had weakened, said the president of the National Institute for Risk and Disaster Management, Luisa Meque.UNICEF said it was on the ground to help the people impacted by the storm, which had already caused some damage."Many homes, schools and health facilities have been partially or completely destroyed and.

Bangladesh to hold elections in late 2025 or early 2026: Yunus

DHAKA. Bangladesh's interim leader Muhammad Yunus, who heads the caretaker government installed after an August revolution, said Monday that general elections would be held late next year or in early 2026.

Pressure has been growing on Nobel Peace Prize winner Yunus -- appointed the country's "chief adviser" after the student-led uprising that toppled ex-premier Sheikh Hasina in August -- to set a date. The 84-year-old microfinance pioneer is leading a temporary administration to tackle what he has called the "extremely tough" challenge of restoring democratic institutions in the South Asian nation of some 170 million people. "Election dates could be fixed by the end of 2025 or the first half of 2026," he said in a broadcast on state television. Hasina, 77, fled by



helicopter to neighbouring India as thousands of protesters stormed the prime minister's palace in Dhaka.Her government was also accused of politicising courts and the civil service, as well as staging lopsided elections, to dismantle democratic checks on its power.

Hasina's 15-year rule saw widespread human rights abuses, including the mass detention and extrajudicial killings of her political opponents.

Yunus has launched commissions to oversee a raft of reforms he says are needed, and setting an election date depends on what political parties agree.

"Throughout, I have emphasised that reforms should take place first before the arrangements for an election," he said."If the political parties agree to hold the election on an earlier date with

minimum reforms, such as having a flawless voter list, the election could be held by the end of November," he added.But including the full list of electoral reforms would delay polls by a few months, he said.

Prince Andrew And Alleged Chinese Spy "H6": All You Need To Know

World. Prince Andrew, the younger brother of King Charles III, has become the subject of yet another scandal after an alleged Chinese spy used him to get access to the heart of the British establishment. According to The Guardian, the businessman, identified only as "H6" for legal reasons, had gained unusual level of trust from the senior royal. However, in a rare statement, issued by Andrew's office, the royal insisted that he "ceased all contact" with the alleged spy after concerns were raised, and that "nothing of a sensitive nature was ever discussed".

The Guardian quoted court documents to report that the businessman was so close to the Duke of York, he was authorised to act on his behalf in an international financial initiative with potential partners and investors in China.

A March 2020 letter written to him by Dominic Hampshire, a senior adviser to Prince Andrew, was also found in the alleged spy's phone, which referred to him being invited to the duke's birthday party. "Outside of his closest internal confidants, you sit at



New York Pet Stores Rush To Sell Pets At Discounted Rates Before Sales Ban

World. Pet shops across New York City can no longer sell dogs, cats, or rabbits. The Puppy Mill Pipeline Act, signed two years ago by Governor Kathy Hochul, came into effect on Sunday.

It aims to stop the flow of animals bred in inhumane puppy mills and promote adoption from overcrowded shelters.

The act to curb abusive breeding practices has turned New York into a buyer's market for prospective pet owners. Pet stores scrambled to clear their inventory, offering steep discounts on animals in a last-ditch attempt to sell before the ban. Many took advantage of

price reductions over the weekend. Ingrid Rodriguez, 25, bought a 10-week-old Pomeranian for \$1,300 (Rs 110,084) down from \$1,450 (Rs 122,482) – at Astoria Pets in Queens. "I was just walking by with my mom when we saw the sign. We went in, and you know, holding the dog up to her chest," she told The NY Post. Despite her mixed feelings about the law, Ms Rodriguez supports reducing illegal breeding. "I never thought I'd buy a dog,

but if they didn't get sold, they were going to the shelter," said Krisjan Polonia, 31, who purchased a blackand-white shih tzu-bichon mix for \$650 (Rs 55,082) – down from \$2,800 (Rs



237,104). "Kids make you do crazy things," he added, explaining the dog was a gift for his son. On the other side of the debate, pet shop owners like Don D'Alessio of 'Astoria Pets' are frustrated with the law. A veteran of the industry for 42 years, Mr D'Alessio has always adhered to the city's regulations, ensuring that he only bought from licenced breeders. "We've never had a violation here, look at the paperwork. Fifteen years of paperwork, not one violation," he said. Despite following

the rules, he is now forced to close his doors. "I can't last selling supplies that are cheaper online... We're not going to survive. We're done," he said, pointing out that over 120 businesses like his are

expected to shut down across the state, affecting around 2,500 employees.

Mr D'Alessio, 73, had no choice but to sell the 21 dogs in his store over the weekend, fearing that any unsold animals would be sent to shelters. He explained that many customers couldn't afford the dogs even at their discounted prices, which led him to give some of the animals to

loyal clients.

Despite the challenges faced by pet shop owners, animal rights groups are celebrating the law as a victory for animal welfare. Rise Weinstock, president of the New York Animal Care Centers, praised the bill for ending a cruel supply chain. "For too long, pet stores have been the final stop in a system that treats living beings as commodities," she said. Activists argue that pet shops often source their animals from puppy mills, where dogs are bred under inhumane conditions.

the very top of a tree that many, many people would like to be on," the letter said, as per the outlet.

The BBC said that H6 formed an "unusual degree of

The BBC said that H6 formed an "unusual degree of trust" with the duke and has since been banned from the UK. The alleged spy even appealed against his ban in 2023, but the decision was upheld by the UK's national security court. Buckingham Palace declined to comment, saying they do not act for Prince Andrew, who is not a working royal.

What we know about H6?

As per The Independent, the alleged Chinese spy called the UK his "second home" and had previously been granted indefinite leave to remain in Britain. He is said to have used his high profile connection to secure invitations to Buckingham Palace and other royal residences, with fresh reports now alleging he also met two former prime ministers, including David Cameron and Theresa May.6 was finally expelled from Britain in 2023 when then-home secretary Suella Braverman's office said he reportedly engaged in "covert and deceptive activity" on behalf of the United Front Work Department (UFWD), which is an arm of the Chinese Communist Party (CCP) state apparatus.Prince Andrew's controversial pastThe disgraced prince has been facing scrutiny since 2019 over his friendship with US financier and sex offender Jeffrey Epstein.

"Fascist Yunus": Sheikh Hasina's Fresh Attack On Bangladesh's Interim Leader On Bijoy Dibosh

Dibosh, deposed premier Sheikh Hasina on Sunday launched a fierce attack on the interim administration, dubbing it Chief Adviser Muhammad Yunus a "fascist". She claimed Nobel laureate Yunus was leading an "undemocratic group" that was "secretly supporting anti-liberation extremistcommunal forces" and the main aim of his dispensation was to suppress the spirit of the Liberation War and the pro-liberation forces.Ms Hasina's remarks were part of her statement to commemorate the defeat of Pakistani forces in Bangladesh's Liberation War of 1971. Bangladesh celebrates December 16 as 'Bijoy Dibosh' or Victory Day. On December 16, 1971, then Chief of Pakistani forces General Amir Abdullah Khan Niazi, along with 93,000 troops, surrendered to the joint forces of the Indian Army and 'Mukti Bahini' after the 13-day war following which East Pakistan became Bangladesh.In a statement posted on her party's official X account, Ms Hasina highlighted the role of her father, Sheikh

Mujibur Rahman, and the Awami League in the struggle that culminated in the emergence of Bangladesh. She also noted the developmental work done by the Awami League government and its vision for Bangladesh under her leadership. Talking about the events leading to her ouster, Ms Hasina said, "Anti-national groups illegally and unconstitutionally seized state power through domestic and foreign conspiracies." "This undemocratic group, led by fascist Yunus, has no responsibility towards the people.

They are obstructing all public welfareoriented work by seizing power. About 50 million people in the country were under the social security system. They were given various allowances. It has been alleged that most of the allowances have been stopped. The family cards of 4.3 million families under the TCB have been cancelled. The people of the country are suffering from the



hardships of rising commodity prices. Hungry people are picking food from dustbins," she said.Ms Hasina, who fled to India after resigning as the prime minister in August in the face of massive antigovernment protests, claimed that since Mr Yunus-led interim government was not democratically elected, it has no responsibility towards the people. "Their main goal is to create resentment against

the spirit of the Liberation War and the forces supporting the Liberation War and to silence them. On the contrary, they are secretly supporting the antiliberation extremist-communal forces. The lack of sensitivity of the officials of this government, including the fascist Yunus, towards the Liberation War and its history is proven by their every step," she stated.

Ms Hasina alleged that the Mr Yunus-led dispensation was following the "rituals of the responsible group" Pakistan in an

responsible group" Pakistan in an attempt to erase "progressive ideals," the history and spirit of the Liberation War.

"If they could, they would have presented a different narrative and erased the traces of the great Liberation War from every aspect of national life. They would have turned this great glorious event of the collective achievements of the Bengalis into a disgrace," she added.

Sanjay Manjrekar questions role of batting coach after Brisbane collapse

Former India cricketer Sanjay Manjrekar has questioned the role of a batting coach in the Indian team after another collapse on Day 3 of the third Test against Australia at the Gabba, Brisbane. Notably, India were reduced to 48/4 by Australia as Yashasvi Jaiswal, Shubman Gill, Virat Kohli and Rishabh Pant departed cheaply.

Following India's debacle, Manjrekar has questioned BCCI (Board of Control for Cricket in India) about the role of the batting coach in the Indian staff. The former batter mentioned that major technical issues have remained unresolved in the Indian batting for too long and hence the management needs to be accountable."I guess the time has come to scrutinise the role of a batting coach in the Indian team. Why major technical issues have remained unresolved for so long with certain Indian batters. @BCCI," wrote Manjrekar on his X account.

ndian batting has looked in shambles on the ongoing tour as, apart from the second innings in Perth they haven't been able to cross the 200-run mark. In the four innings, India have registered scores of 150, 487/6, 180 and 175 so far bringing their technical



deficiencies out in the open.

Mitchell Starc gets Yashasvi Jaiswal again Coming back to play on Day 3, Mitchell Starc once again got Australia off to a terrific start as he made Yashasvi Jaiswal hit straight to Mitchell Marsh at mid-wicket on just the second ball of the innings. Shubman Gill also departed cheaply as he chased a wide delivery from Starc which found his thick outside edge. The ball went flying towards the slips and Mitchell Marsh took a breathtaking catch diving to his left.

Zorder Gavaskar Trophy 2024-25: Full

Australia had another big breakthrough in the first session as Josh Hazlewood got the big scalp of Virat Kohli exposing his weakness outside off stump all over again. Pat Cummins further got rid of Rishabh Pant for the third time in the series as he found his outside edge. Earlier, Alex Carey's 70 guided Australia to 455 in their first innings while Jasprit Bumrah finished with figures of 6/76 in 28 overs.

NZ vs ENG: Ben Stokes faces fresh injury concern after limping off the field

New Delhi England Test skipper Ben Stokes faced a fresh injury scare after he limped off the field clutching his left hamstring on Day 3 of the third Test against New Zealand. The injury is particularly concerning as it involves the same hamstring he had torn earlier this year, which sidelined him from cricket for two months. England confirmed that the all-rounder had sustained a hamstring injury and his availability for the rest of the Test is still uncertain.

Stokes, bowling the 56th over of New Zealand's second innings, pulled up in visible pain after delivering just two balls, with the second delivery being hit for a boundary by Rachin Ravindra. After bowling the ball, Stokes immediately went



down clutching his left hamstring. The England skipper left the field limping, sparking immediate concern in the England camp. The painful expression on his face as medical staff treated him heightened fears about the severity of the injury. This incident marks another setback for Stokes, who only returned to international action in October during England's Test series against Pakistan. He had previously torn the same hamstring on August 11, 2024, while playing for Northern Superchargers in The Hundred. At the time, his injury had prompted widespread discussions about limiting his bowling workload to prevent further strain, especially given his importance as an allrounder. England's situation in the third Test has compounded the concern surrounding Stokes' injury. Despite leading the series 2-0, the visitors found themselves under immense pressure in Hamilton. New Zealand scored a commanding 347 runs in their first innings, while England's batting collapsed for just 143. The Black Caps, led by Tom Latham, extended their lead to a massive 474 runs before Stokes left the field.

Key contributions from Will Young and a century by Kane Williamson ensured that New Zealand dominated the proceedings, leaving England with a monumental task ahead. Stokes' absence will not only affect England's already struggling bowling attack but could also impact their chances of pulling off a miraculous comeback.

AUS vs IND: Sunil Gavaskar suggests Sachin Tendulkar lesson to struggling Virat Kohli

New Delhi. Legendary Sunil Gavaskar "Yes, I think practice is different, but what advised Virat Kohli to revisit Sachin Tendulkar's iconic knock in Sydney in 2004 to overcome his issues with the line outside the off-stump in the ongoing Border-Gavaskar Trophy. Gavaskar suggested that Kohli should resist the urge to drive at deliveries outside the off-stump to break the pattern of dismissals that have plagued his form and reputation in the five-Test series in Australia. On Monday, 16 December, Kohli was dismissed for just 3 runs in the first innings of the third Test at the Gabba in Brisbane. Kohli appeared intent on being disciplined at the start of his innings on an overcast morning. However, he was lured into playing at a wide delivery from Josh Hazlewood, resulting in a thick edge safely pouched by wicketkeeper Alex Carey. Australia have consistently trapped Kohli with the line outside the off-stump during the series, exploiting his tendency to HOW TENDULKAR DELETED THE push and poke at deliveries away from the

Speaking to the broadcasters, Gavaskar recommended that Kohli study how Tendulkar decided to eliminate the cover drive from his game during the Sydney Test in 2004, which helped him tackle a similar

happens in the middle is different. The mindset is completely different. What happens in practice is, you know, if you play a bad shot, you can get away with it. But in the match, if you are out, you are out," Gavaskar said."What I think Kohli can do is maybe have a look at what Sachin Tendulkar did way back in 2004. In the first three Test matches, he got out playing for the line outside the off-stump. He got caught at slips, short gully. When he came to Sydney, he decided he was not going to play anything in the cover region. He played

only between the bowler's follow-through and to the right of the mid-off fielder, and everything else on the other side. That's the resolve. He hardly played a cover drive; I think only after getting to 200-220 did he play one. That is the kind of mind control you should be having," Gavaskar added.

COVER DRIVE

In the Sydney Test of the 2003-04 Border-Gavaskar Trophy, Tendulkar displayed exceptional adaptability and mental discipline. Under pressure from a rare slump in form, Tendulkar had been repeatedly dismissed while attempting the cover drive, The results were spectacular. Tendulkar scored one of his most elegant strokes but, in this

instance, a liability. Australian bowlers, particularly Brett Lee, Andy Bichel, and Jason Gillespie, devised a plan to exploit his off-side game, luring him into errors.Recognising this, Tendulkar made the unconventional decision to avoid playing the cover drive entirely throughout his innings. This required extraordinary mental strength, as it meant sidelining one of his signature shots. Tendulkar adjusted his technique and mindset, focusing on playing straight down the ground, working the ball off his pads, and prioritising leg-side scoring. By consciously eschewing the risky drive, he nullified Australia's primary tactic to dismiss him.

an unbeaten 241, one of the finest innings of

his illustrious career. His knock was a testament to patience, technical precision, and determination, showcasing another dimension of his batting genius. Over the course of 436 deliveries, Tendulkar did not offer a single chance, systematically dismantling the Australian attack and anchoring India's mammoth first-innings total of 705/7 declared. GAVASKAR BACKS KOHLI TO **BOUNCE BACK**

Virat Kohli began the current series in Australia with a century in Perth, ending a year-long drought without a

three-figure score in Test cricket. However, he has failed to pass 15 in any of his other four innings so far.Gavaskar expressed confidence that Kohli still has time in the series to bounce back and prove his mental strength."Kohli has also shown it. You can't score 9000 runs in Test cricket and hit 32 hundreds without having mind control. Over here, there is a second innings, and there are two more Tests to go. So there's plenty of opportunity to show your resolve."They are plotting my dismissals; they've got two slips and two gullies. Apart from the resolve that Tendulkar showed, Kohli should watch videos of himself scoring big runs," he

KL Rahul, Mitchell Starc distraught after 5th rain interruption in Gabba

New Delhi India batter KL Rahul and Australia pacer Mitchell Starc displayed visible frustration as the Brisbane Test faced its fifth (We were leading) 3-0 against Feyenoord at rain interruption on Day 3, December 16. The frequent disruptions hindered the game's flow, especially after Day 1 had already been called off following just 13 overs of play.

Australia capitalised on uninterrupted play during Day 2 and the morning session of Day 3 to post a formidable total of 445. Travis Head's brilliant 152 and Steve Smith's composed 101 formed the backbone of Australia's innings. However, Day 3's recurring rain delays disrupted the game's pace, leaving players and fans alike disappointed. Amongst those visibly upset were KL Rahul, whose team faced immense pressure, and Starc, who had started strongly with the ball for Australia. India's batting woes compounded the frustration. Mitchell Starc struck early, dismissing opener Yashasvi Jaiswal on just the second ball of the innings. Starc soon sent Shubman Gill



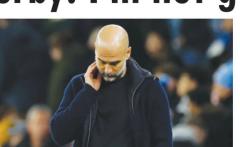
Mitchell Marsh, leaving India's top order in tatters. Adding to their troubles, Virat Kohli fell for a mere 3 runs, continuing his troubling pattern of nicking deliveries outside offstump—a trend increasingly exploited by Australian bowlers.

The setbacks didn't stop there for India. Rishabh Pant, the hero of previous Gabba heroics, managed just 9 runs before falling to Pat Cummins. This marked the third time out of five that Cummins had dismissed Pant in the ongoing Border Gavaskar Trophy, further amplifying India's struggles.he rain interruption following Pant's dismissal provided India with a brief respite to reassess their approach, though their position remained precarious. The repeated disruptions, however, broke the momentum for both sides, adding to the irritation visible on players' faces.th the score heavily tilted in Australia's favor and conditions testing everyone's patience, the weather added an unwelcome challenge to an already intense

Pep Guardiola accepts blame after City's collapse in derby: I'm not good enough

- **—** City lost to United 2-1 in the Manchester derby
- The City boss decided not to lean on excuses after the loss
- -Guardiola admitted that he was still in the job because of his previous achievements at City

New Delhi Manchester City manager Pep Guardiola took full responsibility for his team's continued struggles after a late collapse led to a 2-1 defeat against Manchester United in the Premier League on Sunday. City had been leading until the 88th minute, when Bruno Fernandes equalised from the penalty spot. Just two minutes later, Amad Diallo stunned the reigning champions with a decisive goal, handing United a dramatic comeback victory. The result deepens City's alarming slump, as they have now secured just one win in their



last 11 matches across all competitions—a crisis that has left fans, players, and pundits alike searching for answers."I don't have a defence. I'm the boss, I'm the manager and I'm not good enough," Guardiola said, as quoted by Reuters. "I have to find a solution and I don't find a solution. It is as simple as that. I am not doing well, that is the truth."

Guardiola, who had previously cited the relentless fixture schedule as a factor behind his team's mounting injury list, chose not to lean on excuses in an emotional and introspective post-match press conference. Instead, he acknowledged the need for

75 minutes and we draw that (Champions League) game. Is that the schedule, the

solutions to address the ongoing issues.

injuries? No. We have to win that game," said Guardiola."Today we have to win that game because apart from Bruno Fernandes (with a late chance that the United captain put wide) nothing happened. So, we give it away again."If always it's the same problem, it can be fixed. You say 'Ah, it's that player.' It can be fixed: he doesn't play. But it's not that." Adding to City's woes, they failed to register a single shot on target in the second half of the match. The defeat also marked an unwanted milestone: it is the latest point in a Premier League game that a reigning champion has squandered a lead and lost.I'm sitting here because of what I have done in the pastGuardiola admitted that he was still in the job because of his previous achievements at City and would have got the sack if he was at any other club."I'm incredibly well paid to handle these situations, to handle the press conference.

AUS vs IND: Jasprit Bumrah completes double milestone with 6 for 76 at Gabba

→ Jasprit Bumrah completed a double milestone as he got figures of 6 for 76 against Australia on Day 3 of the ongoing Gabba Test on Monday, December 16. Bumrah continued his fine form in the Border-Gavaskar Trophy with his performance in Brisbane.

New Delhi Jasprit Bumrah achieved a double milestone on Day 3 of the Gabba Test as he finished with figures of 6 for 76 against Australia on Monday, December 16. Bumrah has been India's best player in the he has led from the front with the ball and guided them to a thrilling win at Perth as skipper of the side.Bumrah waged a lone battle on Day 2 as the rest of the Indian bowlers were ineffective as Travis Head and Steve Smith scored hundreds. The Indian



pacer would pick up his 2nd 5-wicket haul of the series to give India some respite after a tiring day's play. On Day 3, Bumrah would add another wicket to his tally early on.

Starc edge a ball to Rishabh Pant to complete a 6-wicket haul. Bumrah's ended with figures of 6 for 76 in 28 overs. This was incidentally the best figures by an Indian bowler at the iconic Gabba ground. Bumrah surpassed the record previously held by Erapalli Prasanna as he had taken 6 wickets for 104 runs during the second innings of the 3rd Test between India and Australia at the ground in January 1968.AUS vs IND 3rd Test Day 3 Live Updates

Bumrah would also get to 50 wickets against Australia in Tests with his scalp of Starc on Day 3. The Indian pacer is steadily climbing up the rankings and now has Umesh Yadav in sights, who has 53 wickets to his name in 17 matches. Bumrah reached the landmark of 50 wickets against Australia in just 10 matches, with all of them happening down under. The Indian pacer has a stunning average of 17.62 and already has a chance to break Kapil Dev's record in Australia. Kapil Dev had 51 wickets in Australia during his career and Bumrah is just 2 away.

ongoing Border-Gavaskar Trophy series as The Indian pacer was able to make Mitchell Bumrah's Border-Gavaskar Trophy 2024-25 so farBumrah has a total of 18 wickets in the ongoing Border-Gavaskar Trophy and is leading the list so far. The Indian pacer has



Rovman Powell's heroic innings went in vain as Mahedi and Mahmud bowled Bangladesh to a 7-run win in St. Vincent on Sunday, December 9. Mahedi picked up 4 wickets and scored a vital 26 runs to help secure the win for his side.

New Delhi. Bangladesh edged out West Indies in a thrilling finish, holding on for a 7-run victory in the first T20I at the Arnos Vale Ground. Hasan Mahmud emerged as the hero, defending nine runs in the final over to secure the win in West Indies' first international match in St Vincent in a decade. Chasing 147, West Indies found themselves in trouble early on, reduced to 38 for 5 after a brilliant four-wicket spell from Mahedi

Hasan. Rovman Powell, however, kept the hosts in contention with a blistering 35-ball 60 that included four sixes and five fours, but his efforts fell just short. In the tense final over, West Indies needed 10 runs to win. Mahmud delivered under pressure, dismissing Powell and Alzarri Joseph to seal the game. Powell was caught behind off the first ball, handing Bangladesh captain Litton Das his fifth dismissal of the match. With eight runs required off the last two deliveries, Mahmud bowled Joseph to clinch Bangladesh's first T20I win against West Indies in six years, a victory that coincided with the celebration of Bangladesh's Victory Day back home. The game seemed to be slipping from Bangladesh's grasp midway through the chase. Powell, joined by Romario Shepherd at 61 for 7 in the 12th over, orchestrated a dramatic fightback. The duo hammered 15 runs off Rishad Hossain in



the 14th over before Powell exploded in the next over, taking Taskin Ahmed for three sixes in a 23-run assault. Powell's sixes showcased his range, with one over extra cover, another over point, and a third straight down the ground. With the asking rate reduced to eight runs per over, Tanzim Hasan conceded 12 runs in the 16th over, during which Powell reached his half-century off just 28 balls. Shepherd joined the act, hitting

a six off Rishad, but his dismissal in the 17th over, caught at deep midwicket off Taskin, put the pressure back on West Indies. Shepherd scored a quick 22 off 17 balls, but his departure left Powell with too much to do.

Bangladesh had earlier seized control of the match with a superb start. Taskin Ahmed struck with his first delivery, dismissing Brandon King for a duck.

Mahedi Hasan then removed Nicholas Pooran, who was stumped for 1, before accounting for Johnson Charles, who had hit two sixes in a costly over from Tanzim Hasan. Mahedi's impact continued in his final over as he removed Andre Fletcher, caught behind, and Roston Chase, who inside-edged a reverse sweep. He finished with exceptional figures of 4 for 13, leaving West Indies reeling and setting the stage for a dramatic finish.



Bhansali, Farhan Akhtar, Rekha, Padmini Kolhapure, Vicky Kaushal, Boney Kapoor, Soni Razdan, Shaheen Bhatt, and Vicky Kaushal, among others were present at the event.

Mera Naam Joker, in select theatres across 40 cities. Several stars,

including Mahesh Bhatt, Rekha, Kartik Aaryan,

Sharvari, Sanjay Leela

The Raj Kapoor Film Festival is playing 10 of his biggest films. The festival will feature Raj Kapoor's most celebrated works, spanning almost four decades including including – Aag (1948), Barsaat (1949), Awaara (1951), Shree 420 (1955), Jagte Raho (1956), Jis Desh Mein Ganga Behti Hai (1960), Sangam (1964), Mera Naam Joker (1970), Bobby (1973) and Ram Teri Ganga Maili (1985). Meanwhile, on the work front, Alia has two movies in the making. She is currently filming for Alpha, with Sharvari. The film is a part of YRF's spy universe. She also has Love & War, which is helmed by Sanjay Leela Bhansali. The film also stars Ranbir Kapoor and Vicky Kaushal.

laapsee Pannu

Shocks Fans About Her Marriage; Reveals She Married Mathias Boe In 2023 Not 2024 aapsee Pannu left everyone shocked

when she got married to her boyfriend Mathias Boe in March 2024. However, to add more, the actress recently surprised by revealing that she tied the knot with her longtime beau in December 2023 and not in March 2024. Yes, you are reading right. Taapsee made this claim during an

interaction with Agenda Aaj Tak.Speaking at her session about her intimate wedding held in Udaipur, Taapsee said, "People were unaware of my wedding this year as we didn't make a formal announcement. In fact, we got married last year in December. Our wedding

anniversary is coming soon. We simply signed the papers then. If I hadn't mentioned it today, no one would have known.'

She added, "We wanted to maintain a clear distinction between our personal and professional lives. I've observed that excessive exposure of personal life in professional life can negatively impact both spheres. The

successes and failures of one's career often spill over into personal life, causing unnecessary stress. I've always strived to maintain a balance between the two."The actor and the former Olympic medallist tied the knot on March 23. Their families and closest friends attended the ceremony. A source revealed, "The wedding took

place in Udaipur and was an extremely intimate affair. The pre-wedding festivities kickstarted on March 20. The couple was very sure that they didn't want any media attention on their big day. Both of them are known to be very private and reserved people and they wouldn't have had it any other

Taapsee Pannu and Danish badminton coach Mathias Boe met at the inaugural Indian Badminton League in 2013. Love blossomed between the two and soon the families met. While Taapsee largely managed

to keep details about her love life under wraps, she once stated in an interview that they began chatting on X (formerly Twitter) and then proceeded to meet one another. A report recently stated that they are all set to get married in March after dating each other for over a decade. On the work front, Taapsee was last seen in Phir Aayi Haseen Dillruba, Woh Ladki Hai Kahaan, and Khel Khel Mein.

Jackie Shroff Turns Protective For Shah Rukh Khan's Daughter Suhana, Asks Paps 'Light Mat Marana'



ackie Shroff and Suhana Khan were recently spotted at an event in the city. But what grabbed our attention was Jackie showing his fatherly instincts when he came to the rescue of Shah Rukh Khan's daughter. A video of the incident has been making rounds on social media, earning Jackie praise for his sweet gesture. In the video, shared by Snehzalal, we can see Suhana Khan leaving the event and Jackie is making sure she is safely rescued to her car. The actor even asked Paps not to focus light more. "Zyada light mat marna," the actor was heard saying. Suhana was also smiling and later thanked him for the sweet gesture. One of the fans wrote, "Wowow so beautiful."

Suhana Khan will be seen with her father Shah Rukh Khan in King. As reported by Mid Day, Anirudh Ravichander has been roped in to compose the music for King. Reports reveal that the music composer has started working on the tunes for the film. The report also mentioned that the movie will kickstart the shoot in January. The makers have zeroed in on Budapest which will provide the perfect atmosphere which is needed for the film due to its cold weather. The pre-production will start from October onwards. The dialogues have been crafted by Abbas Tyrewala who recently worked on War 2. The report stated that the first draft of the dialogues had been prepared. Additionally, Shah Rukh, Suhana, Abhishek Bachchan, and Abhay Verma will start the shoot in January.

King will explore the story of a complex don who turns to be a mentor to a girl. Shah Rukh will play the role of a don while Suhana will be seen as his mentee. The report mentioned that Bachchan will be seen in a negative role. On the work front, Jackie Shroff will be next seen in Baby John co starring Varun Dhawa, Keerthy Suresh. The film is releasing on Christmas this year. Jointly written by Atlee, Kalees and Sumit Arora, Baby John is the adaptation of Atlee's 2016 release Tamil film Theri. While Varun Dhawan stars in the lead role, Keerthy Suresh is making her Bollywood debut with this Kalees directorial. The film is produced under Jio Studios, Cinel Studios and A for Apple Productions. The film will release on December 25, 2024.

Madhu Chopra Reveals How **Nick Jonas Asked For** Priyanka Chopra's Hand In



riyanka Chopra and Nick Jonas are among the most loved couples globally. They have often impressed fans with their chemistry. Well, recently a video of Madhu Chopra sharing how Nick Jonas asked for Priyanka Chopra's hand has gone viral. She praised him while revealing the information. Reddit has shared the video on its thread. Madhu

Chopra was quoted saying, "Ek din Nick mujhe bola tha aapko lunch pe leke jana hai. Leke gaya lunch pe. Aur puchne lage kaisa ladka aap chahte hai Priyanka ke liye. Maine bataya Falana Falana boxes hone chahiye tick. Mera hath pakkad ke kaha hai'Can I be that person'. Main aapko promise karta hu ek bhi aapka box untick nai hoga. I was so like amazed and unprepared. But I was very happy because he's such a great guy. He's like kaise batau describe karna bahot difficult hai as I barely knew him that time. Toh ek impression aata hai ki solid hai. This person is solid and so yeah I was happy very happy."

On December 1, Priyanka Chopra and Nick Jonas celebrated another year of love, marking their anniversary. They got married in 2018 at a grand wedding at Umaid Bhawan Palace in Jodhpur. To commemorate this special milestone, Priyanka's mother, Madhu Chopra, shared a throwback video collage on Instagram, showcasing some of the couple's magical wedding moments. The touching footage showcased unforgettable moments from their wedding, capturing everything from the joyful haldi ceremony to the sacred pheras. Priyanka radiated elegance in a deep rose lehenga by the renowned designer Sabyasachi, while Nick looked equally dashing in a cream sherwani. As the video played, an overlay text appeared which read, "A love story rooted in tradition and filled with magic."

Priyanka and Nick celebrated their wedding anniversary with a cosy dinner date in New York City, looking effortlessly stylish as they stepped out together. The couple turned heads as they coordinated in sleek black ensembles. Priyanka dazzled in a chic black mini dress paired with a black leather jacket and kneehigh boots. On the other hand, Nick sported a sharp black shacket layered over a polo shirt, finished off with straight-leg pants for a polished look. As they walked hand in hand through midtown Manhattan, Priyanka playfully flashed a victory sign to the paparazzi before heading to their car.

